RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 December 2018

अंक – 6 (मासिक) वर्ष – 14 दिसम्बर 2018 मूल्य 20/–

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सूबों की सत्ता के महासमर में माहेश्वरी

प्रयागराज में महाकुम्भ

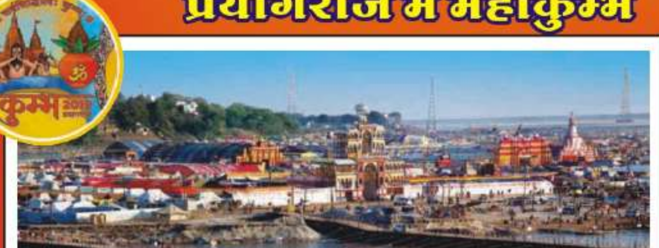

15 जनवरी से 4 मार्च 2019

नव उद्यमियों के लिए खुला आकाश

an initiative by MIG, Pune
BiZCON HYDERABAD

22 दिसम्बर 2018

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.

PAPER & BOARD INDENTER & IMPORTOR

The Global Leader of

- Kraft Paper
- Duplex Paper
- Waste Paper
- News Print
- Imported Waste Paper

R.S. Kraft Paper Ltd.

FIBRE IMPEX Pvt. Ltd.

HEAD OFFICE : 504, Suryakrian Complex, Opp. VNIT-1, Bajaj Nagar, Nagpur-10 (India)
Ph. : 0712-2220626, 2242412, 2249685, Fax : 0712-2243248 e-mail : info@rakraftpaper.com

MUMBAI : B-230, Sanjay Building No. 5B, Mittal Estate,
Andheri Kurla Road, Andheri (E) Mumbai-400059
Ph. : 022-42235000 Fax : 022-66915284
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : rakraftpaper.com

BRANCHES : AURANGABAD, HYDERABAD, INDORE, KOLHAPUR, NASIK, PUNE, VAPI

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-6 ▸▸ दिसम्बर 2018 ▸▸ वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
राजकुमार काल्या, भीलवाड़ा

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

सूबों की सत्ता के महासमर में माहेश्वरी

विचार क्रांति

कूटनीति

जंगल में चुनाव होने वाले थे। मतदान के तारीखों का ऐलान हो चुका था। चुनाव जीतने के लिए इस बार शेर ने कूटनीति अपनाई। उसने जंगल में यह घोषणा करवा दी, जब तक चुनाव नहीं हो जाते जंगल में कोई भी मांसाहारी जंतु दूसरे किसी जानवर का शिकार नहीं करेगा। सभी जानवरों को शुद्ध शाकाहारी रहना होगा। अगर किसी भी जानवर ने किसी दूसरे प्राणी का शिकार किया और मुझे जानकारी मिल गई तो मैं उसे कठोर से कठोर दंड दूंगा। इस घोषणा से जंगल के सारे शाकाहारी प्राणी निडर होकर विचरण करने लगे। दो-तीन दिन बाद ही एक दोपहर सियार की आंतें ऐंठने लगीं। जब भूख सहन नहीं हुई तो वह शेर के पास पहुंचा और बोला, दादा बड़ी जोरों की भूख लगी है, आखिर ऐसा कब तक चलेगा? अभी तो कई दिन बाकी हैं वोट पड़ने में, अब तो शिकार करने की छूट दे दो। शेर ने सियार का कंधा थपथपाते हुए कहा, अरे मूर्ख कुछ दिन और सब्र कर ले, कुछ समय शाकाहारी बना रह। चुनाव सिर पर है और मुझे किसी भी कीमत पर इसे जीतना ही है। एक बार मैं जीत लूं फिर तू कर लेना जी भर अपनी मनमानी। तब तुझे मैं भी नहीं रोकूंगा। अरे बावले, तुझे मालूम है, इंसानों की बस्ती के चुनाव में भी ऐसा ही होता है। चुनाव से पहले, सब बड़े-बड़े वादे करते हैं और जीतते ही सब अपनी मनमानी पर उतर आते हैं, कोई कुछ नहीं कर पाता। कुछ समझा....।

सम्पादकीय

लोक तंत्र का अनुष्ठान

देश के विभिन्न राज्यों में चुनावों का दौर देश के मतदाताओं के लिए विचार का एक पड़ाव बना। ये चुनाव ऐसे वक्त में आए जब देश में दीपावली की रौनक बिखरी थी। दीपावली को रामराज्य की शुरुआत के रूप में भी देखा जाता है। जब हम रामराज्य की बात करते हैं, तो सहज ही रामकथा के वे प्रसंग चर्चा में आ जाते हैं, जो रामराज्य स्थापना के आधार बने। निश्चित तौर से भगवान राम ने तब तक सिंहासन ग्रहण नहीं किया जब तक वंचित और कमजोर वर्ग को सबल करने का अनुष्ठान पूरा नहीं कर लिया। सिंहासन पाने के बाद भी वे उनके प्रति संवेदनशील बने रहे। यही लोकतंत्र है। सत्ता के नायक वे ही हैं, जो समाज की सेवा को अपना चरित्र बनाते हैं। तब सिंहासन भी उनकी प्रतिक्षा करता है। जबरन सत्ता हथियाने वालों को समाज एक बार नही हर बार फूंकता हैं, हमारा मानना है लोकतंत्र के इस अनुष्ठान में उन्हें ही सफलता का सेहरा बंधेगा जो भारतीय लोकतांत्रिक परम्पराओं के पक्षधर रहे हैं, समाज को जिन्होंने कुछ दिया है। इस अनुष्ठान में माहेश्वरी समाज के भी सदस्यों की भागीदारी है, उन सभी के लिए हम शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं। इस लोकतांत्रिक यज्ञ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ा है। मतदाताओं ने खुलकर अपने अधिकार का उपयोग किया। यह इस बात का द्योतक भी है कि इस बार राज्याभिषेक जनता का होगा।

लोकतांत्रिक मर्यादाओं की बात निकली है, तो श्री माहेश्वरी महासभा की आंध्रप्रदेश के पदाधिकारियों को लेकर की गई कार्रवाई का सवाल भी खड़ा हो गया है। यह कार्रवाई क्यों जरूरी मानी गई, इसके कई तर्क हो सकते हैं लेकिन इस सवाल को शायद तर्कों से टाला नहीं जा सकता कि क्या यह सत्ता का दुरुपयोग नहीं? और फिर उन पर भी सवाल जो इस कार्रवाई के दौरान हाथ बांधे बैठे रहे, क्यों? निश्चित तौर से समाज संगठन सामूहिक मंच है, जहां संवेदना और समझ दोनों के बीच महीन पर्दा है। जरा सी चूक अंतर को मिटा देने के लिए बाकी है। समाज की एक -जूटता की जिम्मेदारी उठाने वाले ही यदि इसे तार-तार करने में पर उतर आए हैं, तो विद्वेष का जहर फैल कर नासूर बनते देर नहीं लगेगी। यही कारण रहा कि महासभा के इतिहास में यह पन्ना लगभग अछूता ही रहा। पर अब महासभा की इस पावनता पर छींटे पड़ ही गए हैं, तो जवाबदारों को मुखर होना ही चाहिए। भगवान महेश उन्हें सद्‌बुद्धि दें।

इधर लोकतंत्र का मेला सिमट रहा है और उधर प्रयाग की धरती पर महाकुंभ का महामेला जुट गया है। धर्म गुरुओं ने अपनी पताकाएँ लहरा दी हैं। गंगा, यमुना और सरस्वती के सुरम्य संगम पर संतों की सबसे बड़ी सभा हमारे देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं का ही एक अंग है। संतों ने देश को दिशा देने की जिम्मेदारी निभाई है। वे कई बार सत्ता के अंग भी बने। संत वास्तव में सेवा के प्रतिमान हैं। यही प्रतिमान जब सत्ता और समाज में उतरता है, तो आदर्श राज्य का प्रतिबिंब बन जाता है, जिसे रामराज्य के रूप में सदियों तक भुलाया नहीं जा सकता। अंत में अत्यंत हर्ष के साथ बताना चाहूँगा कि गत आयोजनों की तरह इस बार भी महेश फाउण्डेशन व एमआईजी पुणे द्वारा आगामी 22 दिसम्बर को "बिजकॉन" का आयोजन किया जा रहा है। इस बार इसका आयोजन हैदराबाद में हो रहा है। इसमें फिर कई युवा सोच को पंख लगेंगे और उद्यमियों को व्यवसाय का आकाश मिलेगा। अतः इस सुअवसर का लाभ लेने का सुअवसर न चुके। यह अंक हमेशा की तरह रुचिकर आलेख, मर्मस्पर्शी पठनीय सामग्री और सभी स्थायी स्तंभों के साथ आपको समर्पित है। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवश्य अवगत कराएँ।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

भीलवाड़ा (राजस्थान) जिले के गुलाबपुरा नगर के निवासी राजकुमार काल्या वर्तमान में क्षेत्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिये एक जाना पहचाना नाम हैं। श्री काल्या वर्तमान में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपना कुशल नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, अ.भा. माहेश्वरी एज्युकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट बालिका छात्रावास कोटा, एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन, श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल आदि को ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ भैरव मंदिर ट्रस्ट को संस्थापक ट्रस्टी तथा अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को प्रबंधकारिणी सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। व्यावसायिक रूप से आप कई राज्यों में फैले पैतृक एक्सप्लोसिव व्यवसाय का सफल संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही रियल एस्टेट के क्षेत्र में कई आवासीय वाणिज्यिक व टाऊनशिप प्रोजेक्ट विकसित किये। एग्रो फार्मिंग, माईनिंग, फायनेंस व मीडिया से संबंधित व्यापार में भी आपकी अमिट छाप है। समाज के लिये आपकी विशिष्ट पहचान एक प्रबुद्ध चिंतक के रूप में भी है।

राजनीति के यज्ञ में दें मत की आहुति

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन समाजहित में निरंतर युवाओं और समाज बन्धुओं की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके सपनों, उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करता आ रहा है। इसी क्रम में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च शिक्षा, रोजगार, व्यापार, व्यवसाय, विवाह, खेल, कला, साहित्य, संस्कृतिक से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही राष्ट्र के जनकल्याण के लिए रक्तदान शिविर, योग शिविर, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। लोहार्गल में निर्माणाधीन भवन का कार्य जल्द सम्पन्न होकर समाज को समर्पित किया जाएगा, ताकि उत्पत्ति स्थल लोहार्गल से समाज बन्धुओं का और अधिक जुड़ाव बढ़े। हमारे युवाओं का धर्म और संस्कृति के प्रति और अधिक जुड़ाव हो, इस हेतु रामेश्वरम, बद्रीनाथ, द्वारिकाधीश व जगन्नाथपुरी धाम में बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

हमारे समाज की राष्ट्र और प्रदेश की रीति-नीति निर्धारण में भूमिका हो, इस हेतु राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा युवा साथियों एवं समाज बन्धुओं को राजनीतिक क्षेत्र में भागीदारी दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में देश के कुछ बड़े प्रदेशों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान में चुनाव हो रहे हैं। इन प्रदेशों के विधानसभा चुनावों में युवा साथियों एवं समाज बन्धुओं को अलग-अलग राजनैतिक पार्टियों से अधिकृत प्रत्याशी बनाए जाने का प्रयास किया गया। यही कारण है कि न सिर्फ भाटापारा, (छत्तीसगढ़) से युवा साथी सुनील जी माहेश्वरी को बल्कि और भी कई समाज बन्धुओं को विभिन्न राजनैतिक दलों से टिकिट दिलाने में संगठन ने भरपूर प्रयास किए।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में मतदान हो चुका है और राजस्थान में होने जा रहा है। मेरी समाज बन्धुओं से इस अवसर पर यही अपील है कि वे लोकतंत्र के इस पुनीत यज्ञ में मतदान कर अपनी आहुति अवश्य दें। यह सौभाग्य की बात है कि कई समाज बन्धु विभिन्न राजनैतिक दलों से व निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। मेरे गृह क्षेत्र भीलवाड़ा विधानसभा से ओमप्रकाश जी नारानीवाल निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मजबूत स्थिति में है। कई समाज बन्धु अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र से विजय होकर विधानसभा में समाज का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में है। सभी समाज बन्धुओं का यही प्रयास होना चाहिए कि हमारे समाज के प्रत्याशी को हम अपना मत एवं समर्थन दें। प्रयास यही करें कि हमारे समाज बन्धु अधिक से अधिक संख्या में चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचें जिससे समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ सके।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा आगामी 4-5-6-7 जनवरी 2019 को जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इस माहेश्वरी समाज के महाकुम्भ में भारतवर्ष के गांवों, शहरों, तहसीलों, जिलों एवं प्रदेशों से तथा विश्व के कई देशों से हजारों की संख्या में माहेश्वरी बन्धु सम्मलित होंगे। इस महाकुम्भ में समाज की आवश्यकताओं, समस्याओं तथा उनके समाधान एवं युवाओं के व्यापार और व्यवसाय में वृद्धि इत्यादि विषयों पर मन्थन होगा। मन्थन पश्चात निकलने वाले अमृत से समाज के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक परिदृश्य को जानने व समझने में आसानी होगी, जिससे वर्ष 2030 के एक समृद्धशाली व सशक्त माहेश्वरी समाज की परिकल्पना साकार होगी। अतः सभी समाज बन्धु एवं युवा साथी इसमें अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होवें और इसे सफल बनाएं।

अंत में लोकतांत्रिक चुनाओं की इस वेला में पुनः सभी से अपील करता हूं कि मतदान अवश्य करें और वर्तमान दौर की राजनीति में सुसंस्कृत व योग्य राजनेता देश को देकर सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करें।

राजकुमार काल्या
अतिथि सम्पादक

Scaling New Heights of Perfection

BANK SURPASSES ₹3550 CRORE BUSINESS

OUR PROPOSED NEW CORPORATE OFFICE AT BANJARA HILLS, HYDERABAD

SALIENT FEATURES

- Bharat Bill Pay Service for online payment of Utility Bills.
- Internet Banking facility.
- IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
- Direct RTGS / NEFT Facility.
- RuPay Debit Card facility – Access to more than two lakh ATMs of NFS Member Banks and merchant establishments in the Country.
- Point of Sale Services (PoS).
- Inward remittance facility from abroad through Western Union Money Transfer.
- e-Tax payment - Income Tax, Professional Tax & Excise.
- Bancassurance for Life Insurance and General Insurance solutions.
- Mutual Fund Business in tie-up with Reliance Nippon Life Asset Management Ltd.
- Acceptance of NR(E) Deposits.
- Foreign Exchange transactions under AD Category-II.
- Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
- Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
- Missed Call Service & Statement of Account through e-mail facility.
- CCC - "Customer Contact Centre" - One Stop Hub help-line desk.
- Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans, Professional Loans, Educational Loans, Housing Loans, Gold Loans & Loans against NSCs, KVPs etc.
- Toll Free Banking Facility for Account Balance, Account Statement, Cheque Book Request and Loan Enquiry.

* Conditions apply

FUTURE PLANS

- While every effort is made to achieve the mission of the Bank, introducing e-KYC, Tablet/Agent Banking & Aadhaar Enabled Payment System(AEPS).
- Expansion of Branch Network.

BOARD OF DIRECTORS

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD.

ESTD. 1978

(Multi-State Scheduled Bank)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S. Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (T.S.) INDIA

Tel.: +91 40 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 - 103 / 2343 7105, Fax : +91 40 2461 6427

45 BRANCH Network | NET Banking | RTGS / NEFT Facility | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credit for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com Website: www.apmaheshbank.com

श्री बैकेश्वरी माताजी को कहीं-कहीं बाकल माताजी या बीसल माताजी भी कहा गया है। इन्हें मुख्यतः लड्ढा खाँप वाले परिवार ही मानते और पूजते है। किन्तु कुछ अंशों में डागा खाँप वाले भी पूजते है।

श्री बैकेश्वरी माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले में उन्मेद नगर के पास एक पहाड़ी पर छोटे स्थान पर स्थित है। जब तक माँ बैकेश्वरी के इस स्थान का पता नहीं था, तब तक लड्ढा खाँप वाले सच्चियाय माता को ही पूजते थे। किन्तु प्रथक से पता चलने पर यह स्थान प्रकाश में आया और अब अधिकतर लड्ढा खाँप वाले माता बैकेश्वरी को ही पूजते है। लड्ढा खाँप की गौत्र सिलांस व सपीबंधर है। माताजी का स्थान जोधपुर के औसियाँ मार्ग पर उन्मेद नगर बस स्टेण्ड से 5 कि.मी. की दूरी पर दीपली, भाखरी नामक स्थान पर एक पहाड़ी के उपर हैं। माहेश्वरी समाज के उन्मेद नगर में कुछ समय पूर्व 90 घर थे लेकिन अब औसियाँ व अन्य स्थानों पर चलें जाने से केवल 6 घर हैं। यहाँ सभी लड्ढा खाँप के ही परिवार है। माताजी के स्थान पर केवल एक चबूतरा था, जहाँ माताजी की प्रतिमा स्थापित थीं। इसे ही पूजा जाता था। अब यहाँ एक मंदिर का निर्माण किया गया है।

श्री बैकेश्वरी माताजी

विशेष आयोजन

केवल नवरात्रि में ही यहाँ ज्योति के दिव्य दर्शन होते हैं। नवरात्रि में प्रातः संध्या दीप ज्योति होती है। वर्ष में एक बार जागरण का आयोजन भी होता है। यहाँ दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुजन आते हैं। जन सहयोग से ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ व अन्य निर्माण प्रस्तावित व प्रक्रिया में है।

कहाँ ठहरे

यहाँ आने वाले समाजजनों के ठहरने की व्यवस्था के लिए यहाँ रहने वाले प्रत्येक परिवार यथा संभव सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। समीप के शहर जोधपुर में माहेश्वरी भवन आदि भी हैं। जहाँ ठहरा जा सकता है, इसके अलावा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल भी उपलब्ध हैं।

कैसे पहुँचे

जोधपुर व औसियाँ के मध्य में औसियाँ से 22 कि.मी. जोधपुर की ओर तथा जोधपुर से 35 कि.मी. औसियाँ की ओर मठानिया रेल्वे स्टेशन से उम्मेद नगर 4 कि.मी. एवं नागौर मार्ग से व्हाया भवाद आने पर बावड़ी से 24 कि.मी. की दूरी पर औसियाँ में रेल व बस सुविधा उपलब्ध हैं।

प्रमुख सम्पर्क बिंदु

1) श्री घनश्याम चम्पालाल लड्ढा
सदर बाजार, उम्मेद नगर तह. औसियाँ जिला जोधपुर
02926-222572,मो.097841-10148, 092512-06578

2) श्री राधेश्याम लड्ढा
बस स्टेण्ड, उम्मेद नगर, तह. औसियाँ जिला जोधपुर
02926-222017, मो. 098297-92017

दीपमालाओं का यह ज्योति पर्व समस्त विश्व को शांति, सौहार्द्र, प्रेम-भाईचारे एवं स्वास्थ्य से आलौकित करते हुए सर्वत्र सुख तथा समृद्धि लाए। आगामी वर्ष आप सभी के जीवन में इसी तरह आलोक और आनंद की निरंतरता बनाए रखे। श्रीमहालक्ष्मी देवी सुख-संपत्ति, संपदा, सौभाग्य, समृद्धि व सद्भाव की अविरल ज्योति सभी के जीवन में जगमगाती रहे। आपका परिवार संपूर्ण वैभव से परिपूर्ण हो। इसी कामना के साथ समाजबंधुओं को दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी
निवृत्तमान संयुक्त मंत्री (मध्यांचल),
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

दीपोत्सव को प्रभात का सूर्य जन-जन के ह्रदय में खुशियों का संचार करे। प्रत्येक मानव में सद्बुद्धि का विकास हो तथा दुर्बुद्धि का नाश हो। राग-द्वेष को छोड़कर हम दूसरों के लिए जीना सीखें। दया भाव, मैत्रीभाव, करुणा भाव एवं सेवाभाव को अपनाकर जीवन जीने का निश्चय करें। अपने विचार अपनी ऊर्जा है, इन्हें शक्तिशाली एवं सकारात्मक बनाने का प्रयास करें। नए साल में हम सदाचारी बनेंगे, बड़ों के प्रति सम्मान भावना एवं छोटों के प्रति वात्सल्य भावना रखेंगे। ऐसी मंगल शुभकामनाओं सहित।

रामगोपाल मूंदड़ा
निवर्तमान उपसभापति
अभा माहेश्वरी महासभा
निवर्तमान अध्यक्ष
राज.परिषद

सभी स्वजनों को दीपावली की मंगलकामनाएं देते हुए यह कामना करता हूं कि सभी के घर में सुलक्ष्मी का वास हो। ऐसी सुलक्ष्मी जो लक्ष्मी तो हो साथ ही सभी के लिए कल्याणकारी भी हो, जो परिवार, समाज व राष्ट्र सभी का कल्याण करे। सभी से इस पावन अवसर पर प्रार्थना भी करता हूं, कि यदि आप समर्थ हैं तो कमजोर परिवारों को भी सहयोग प्रदान करें। यही मार्ग है जो लक्ष्मी को सुलक्ष्मी बनाता है।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति अभा माहेश्वरी महासभा

दीप ज्योति सभी के मन में उत्साह व उल्लास तथा सद्भावना का संचार करे ऐसी इस पावन पर्व पर मंगलकामना करता हूं। वर्तमान दौर अपने सभी मतभेदों को दूर कर सद्बुद्धि के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने का है तभी हम अपना सम्मान व गरिमा कायम रख पाएंगे। अतः यह पावन अवसर इस संकल्प को लेने का है, कि हम हर कदम पर, हर मोड़ व हर अवसर पर एक साथ हो और एक जुटता का परिचय दें।

इस अवसर पर पुनः सभी को बधाई देता हूं।

रामकुमार भूतड़ा
कोषाध्यक्ष, राजस्थान भाजपा

उल्लास व अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली की सभी युवा साथियों एवं समाजजनों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर अपने युवा भाइयों से अपील भी करना चाहूंगा कि वे अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करें। याद रखें समाज हमारी पहचान है और इसके संस्कार हमारी शक्ति को दिशा देने वाले दिग्दर्शक। अतः इस समाज के सदस्य होने पर सदैव गर्व करें क्योंकि हमने इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों की रचना की है। मैं सभी से कहना चाहूंगा कि सभी युवा स्वयं के समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्धारण करें और अपने अन्य भाइयों को भी प्रेरित करें। जब हम ऐसा कर पाएंगे तभी हमारी पहचान बचेगी।

कमल भूतड़ा,
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अभा
माहेश्वरी युवा संगठन

युवा सोच को पंख लगाएगा बिजकॉन

हैदराबाद में 22 दिसंबर को आयोजन की भव्य तैयारी, विशेषज्ञ देंगे औद्योगिक मार्गदर्शन

हैदराबाद. माहेश्वरी व्यवसायियों के संगठन महेश फाउंडेशन व एमआईजी पुणे उद्यम के क्षेत्र में युवाओं की नई सोच को फिर से नए पंख लगाने जा रहे हैं। इसके अंतर्गत आगामी 22 दिसंबर को गत वर्ष की तरह अगले बिजनेस कॉन्क्लेव 'बिजकॉन 2018' का आयोजन होगा।

इस आयोजन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश लखोटिया ने बताया कि बिजकॉन का आयोजन आगामी 22 दिसंबर को प्रतिष्ठित होटल मैरिओट में किया जाएगा। इसमें देश-विदेश से 600 अधिक औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल होंगे और नई तकनीक, नवीन व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा के साथ परस्पर सहयोग का सूत्रपात करेंगे। इसमें समूह चर्चा द्वारा व्यवसाय की नवीन राह तलाशी जाएगी। बिजकॉन का आयोजन गत कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्ष 2015 में पुणे में आयोजित कॉन्क्लेव में 425 तथा जनवरी 2018 में सूरत के कॉन्क्लेव में 600 से अधिक डेलीगेट्स शामिल हो चुके हैं। हैदराबाद में आयोजित इस कॉन्क्लेव में भी 600 से अधिक डेलीगेट्स शामिल होंगे। डेलीगेट के रूप में शामिल होने के लिए शुल्क रेगुलर पास 3 हजार तथा नेटवर्किंग डिनर के साथ 4500 रुपए निर्धारित किया गया है।

गत वर्ष की तरह फिर नई सोच के पुरस्कार

सूरत में गत 13 जनवरी को आयोजित बिजकॉन में प्राप्त 71 स्टार्टप आइडियाज में से राहुल मोहता की अध्यक्षता में चयन समिति द्वारा 5 को पुरस्कृत किया गया था। 1 लाख रुपए के प्रथम पुरस्कार में प्रतीक लोहिया के क्लाउड बेस्ट फैसिलिटी इन्स्पेक्टर सॉफ्टवेयर प्रोप्टर को तथा 50 हजार के द्वितीय पुरस्कार से संकेत सोमानी के प्रोजेक्ट वांडर ट्रस्ट को पुरस्कृत किया गया था। इसी तरह इस आयोजन में भी इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित करने के लिए वेंचर मेंटर्स द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें शामिल आइडियाज में से सबसे श्रेष्ठ को 1 लाख रुपए, द्वितीय को 50 हजार तथा 25-25 हजार रुपए के तीन पुरस्कार शेष तीन आइडियाज को प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन में से आइडियाज प्रदर्शित भी किए जाएंगे। अतः वहां उपस्थित उद्यमियों से इन स्टार्टअप को प्रारंभ करने में आर्थिक सहयोग प्राप्ति की संभावना भी रहेगी।

फिर अनुभवी हस्तियों का मार्गदर्शन

इस आयोजन के अध्यक्ष महेश फाउंडेशन अध्यक्ष हरिनारायण राठी, संयोजक महेश फाउंडेशन सचिव उमेशकुमार राठी तथा कोषाध्यक्ष महेश फाउंडेशन कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बांगड़ रहेंगे। एमआईजी अध्यक्ष राहुल धूत, राहुल मोहता तथा दीपक भट्टड़ भी संयोजक की भूमिका निभाएंगे। इस आयोजन का प्रमुख प्रायोजक ख्यात उद्योग आरआर कॉबेल रहेगा। प्लेटिनम स्पांसर लोहिया ग्रुप का गोल्ड ड्रॉप रिफाइंड सनफ्लावर ऑइल, गोल्ड स्पांसर जीएल मानधनी चेरिटेबल ट्रस्ट, सिल्वर स्पांसरसस सकमल वाच कंपनी तथा वीएंड एम स्पांसर एनएमडीसी रहेगा। आयोजन के मुख्य अतिथि रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर एसएस मूंदड़ा रहेंगे। श्रीगोपाल काबरा, डॉ. विठ्ठलदास मूंदड़ा, रमेश दम्मानी, दामोदर मल्ल, नीदरलैंड के आकाश मूंदड़ा, कार्तिकेय बल्देवा, ममता बिन्नानी, संजीव तापड़िया जैसी कई विख्यात हस्तियां वक्ता के रूप में अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करेंगी।

महिला मंडल ने मनाया दीपोत्सव

मालेगांव. गत 22 नवंबर को दीप-दिवाली के उपलक्ष्य में गुरुदत्त मंदिर (स्टेट बैंक) प्रांगण में दीपक प्रज्वलित किए गए। मंडल के सभी सदस्याएं (पणती) तेल, बाती घरों से लाकर इसमें शामिल हुईं। इस कार्य में सभी सदस्याओं ने सहयोग दिया। आभार शारदा लाहोटी ने माना। जानकारी सरिता बाहेती महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष ने दी।

> जो लोग समय रहते अपने जीवन का चार्ज नहीं ले लेते वे समय द्वारा लाठी चार्ज किये जाते हैं.
> अब समय और जरूरत पार्टी भक्ति (भक्त और चमचे बनने) की नही सामाजिक विकास को सकारत्मक दिशा देने की है!
> बाकी अंतिम निर्णय आपका है समाज को अंत देना है या आरंभ देना है!

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कोपरगांव. किसी भी व्यक्ति के कार्य को समाज ने सराहा तो वह सम्मान भविष्य में अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है। उक्त उद्गार महाराष्ट्र प्रदेश महेश भूषण सम्मान से सम्मानित ललिता मालपाणी ने व्यक्त किए। जिले के 8 समाजजनों को श्रीमती मालपाणी के करकमलों से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष मधुसूदन गांधी ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में प्रदेश अर्थमंत्री दिनेश सोमाणी, प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास बूब, प्रदेश संयुक्त मंत्री गणेशलाल बाहेती, स्व. ओंकारनाथ मालपाणी महाराष्ट्र महेश सेवा निधि के मंत्री बसंत मणियार, अध्यक्ष सतीश लाहोटी उपस्थित थे। युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल बाहेती, अहमदनगर जिलाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा, मानद मंत्री अजय जाजू, अर्थमंत्री अशोक लाहोटी, सह-मंत्री रामचंद्र राठी, उपाध्यक्ष अरुण झंवर, अनिश मणियार, गणेश बाहेती, राजेंद्र लखोटिया, संयुक्त मंत्री प्रदीप अट्टल आदि उपस्थित थे।

चौथ पर्व का किया आयोजन

मदुरै. माहेश्वरी महिला मंडल ने करवा चौथ बहुत ही विधिवत तरीके से मनाया। सभी महिलाओं ने राजस्थानी थीम में वेशभूषा व साज श्रृंगार किया तथा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

परिचय सम्मेलन का होगा आयोजन

राजसमंद. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आगामी 13 जनवरी को श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, चारभुजा गढ़बोर जिला राजसमंद में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज की मोबाइल क्रांति के युग में सजातीय बंधुओं का आपस में मेलमिलाप एवं वर-वधू की खोज को आसान बनाना है। प्रभारी अर्जुनलाल चेचानी ने बताया कि इसमें युवक एवं 2 अभिभावक सहित कुल 3 सदस्य का पंजीयन शुल्क 700 तथा युवती एवं 1 अभिभावक कुल 2 सदस्य का पंजीयन निःशुल्क एवं परिचय पुस्तिका शुल्क 300 रुपए जमा कराने पर पंजीयन मान्य होगा। युवक एवं युवती का संयुक्त पंजीयन एवं 2 अभिभावक कुल चार सदस्य का पंजीयन शुल्क राशि 700 रुपए है।

मूंदड़ा बने भाजपा उपाध्यक्ष

धार. समाज सदस्य जगदीश मूंदड़ा (नेताजी) को धार भारतीय जनता पार्टी का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस नियुक्ति पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पसारी बने समाज अध्यक्ष

वर्धा (महाराष्ट्र). शहर के प्रतिष्ठित नागरिक माहेश्वरी समाज के सक्रिय सामाजिक तथा आध्यात्मिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश हेमाराज पसारी का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। श्री पसारी ने सर्वसम्मति से अपनी कार्यकारिणी का चयन भी किया गया।

भूख!!
सारी मर्यादाएं तोड़ देती है
और
पैसा! सारी इन्सानियत..

पलोड बने शहर अध्यक्ष

बहाणपुर. शहर के माहेश्वरी समाज के सक्रिय युवा कार्यकर्ता कैलाश पलोड सर्वसम्मति से समाज की समिति के अध्यक्ष बने। शहर के माहेश्वरी समाज के सुरेशकुमार सोनी, जगदीशचंद्र झंवर, विजय माहेश्वरी तथा सभी माहेश्वरी समाजजनों ने उनका सत्कार किया।

शहर अध्यक्ष बने सोमानी

हरदा. समाज के वरिष्ठ सदस्य तथा सक्रिय कार्यकर्ता सत्यनारायण सोमानी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उनके पिताजी मोहनलाल सोमानी ने भी समाज को सक्रिय सहयोग दिया था। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

आंख पर पट्टी बांधकर वृद्धा अपनी बेटी, नातिन के साथ कूद गई

पटना. बड़ताल्ला स्ट्रीट के एक मकान की चौथी मंजिल में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने छंलाग लगाई। खास बात यह है कि वृद्धा ने अपनी आंख पर पट्टी बांध कर बेटी व नातिन के साथ आत्महत्या की कोशिश की। वृद्धा की मौत हो गई, उनकी बेटी बुरी तरह जख्मी हुई पर बच्ची को लोगों ने बचा लिया। आत्महत्या के प्रयास का कारण आर्थिक तंगी व बेटी की ससुराल में प्रताड़ना बताया गया। यह वरिष्ठ महिला थी सोहनीदेवी तापड़िया। श्रीमती तापड़िया के लिए जीवन लीला समाप्त करना मजबूरी थी क्योंकि जवान बेटी घर पर आकर बैठी हुई थी। आम लोगों की भले ही धारणा हो कि मारवाड़ी धनी हैं, माहेश्वरी समाज के लोग संपन्न हैं पर कड़वी सच्चाई इस घटना से उजागर होती है।

महेश सेवा निधि के भवन की रखी आधारशिला

भीलवाड़ा. पद्म विभूषित राजश्री बिरला के भीलवाड़ा में महेश सेवा समिति के लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात महेश सेवा निधि के भूखंड पर 15 करोड़ की लागत से बनने वाले शहर के भव्य भवन के निर्माण हेतु आधारशिला विशेष मंत्रोच्चार के बीच रखी गई। इस अवसर पर आजाद नगर माहेश्वरी समाज द्वारा श्रीमती बिरला का सम्मान किया गया। पूर्व सभापति रामपाल सोनी, महेश सेवा निधि के सचिव प्रहलादराय लढ़ा, उपसभापति देवकरण गग्गड़, पूर्व उपसभापति आरएल नोलखा, प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, महेश सेवा समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, राजेश तोषनीवाल, दीनदयाल मारू, केदारमल जागेटिया, राधेश्याम सोमानी, कैलाश मूंदड़ा, ममता मोदानी, शिखा भदादा, अनिला अजमेरा, संजय जागेटिया सहित समाज के अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

नवरात्रि पर कन्याओं का पूजन

मालेगांव. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नवरात्रि पर्व मनाया गया। माता रानी के पांडाल में भजन किए और 71 कन्याओं का पूजन किया। डांडिया रास भी किया। इस अवसर पर नासिक जिला उपाध्यक्ष मंगला पोरवाल तथा सांस्कृतिक समिति प्रमुख नंदा पोरवाल, मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती, शमा जाजू, शारदा लाहोटी आदि मौजूद थी। जानकारी सरिता बाहेती ने दी।

> 'सार्वजनिक' रूप से की गई
> 'आलोचना'
> 'अपमान' में बदल जाती है ॥
> और ....
> 'एकांत' में बताने पर
> 'सलाह' बन जाती है..

टैलेंट शो का किया आयोजन

अहमदाबाद. सुरभि समिति के अंतर्गत माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद ने गत 17 नवंबर को मां-बच्चों, दादी-पोता-पोती का टैलेंट शो आयोजित किया। इसमें प्रथम आशा झंवर, द्वितीय टीना राठी रहीं। बहू को बहू मानें या बेटी विषय पर वक्तव्य में प्रथम वृंदा राठी, द्वितीय कविता तापड़िया, तृतीय कांता तापड़िया रहीं। उक्त जानकारी मीना मूंदड़ा ने दी।

तुलसी विवाह का किया आयोजन

खरगोन. माहेश्वरी महिला मडंल ने खोपड़ी ग्यारस पर सोमानीजी के निवास पर तुलसी विवाह का आयोजन किया। इसमें हल्दी, मेहंदी, चूड़ियों का कार्यक्रम किया एवं सभी महिलाओं ने भजन कीर्तन आदि किए। इसमें संगठन प्रमुख जानकी खटौड़, जिला कोषाध्यक्ष उमा सोमानी, अलका सोमानी, जिला सचिव उषा सोमानी, जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, पुष्पा जाजू, अमिता खटौड़, निशा भट्टड, राधा, अरुणा आदि मौजूद थे।

गरबा का हुआ आयोजन

सांगानेर (भीलवाड़ा). मुख्य अतिथि राजकुमार काल्या अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन व उपसभापति (पश्चिमांचल) देवकरण गग्गड़, प्रदेश युवा संगठन सचिव जगदीश लड्ढा, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव शिवकुमार कासट की उपस्थिति में श्री महेश बचत एवं साख समिति भीलवाड़ा द्वारा गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी का गुलाबपुरा आगमन पर बसंतीलाल काल्या व अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या एवं उनके परिवार द्वारा स्वागत अभिनंदन भी किया गया।

बस्तर पहुंची जीवनसाथी चयन की टीम

बस्तर/धमतरी. गत 24 एवं 25 नवंबर को जीवनसाथी चयन 18-19 की टीम ने प्रदेश के धमतरी एवं बस्तर जिले के विभिन्न संगठनों का दौरा किया। भानुप्रतापपुर, कोरर, कांकेर, केशकाल कोंडागांव, जगदलपुर, तोंगपाल, छिंदगढ़एवं सुकमा शामिल हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठों से चर्चा का सुअवसर प्राप्त हुआ। दुर्ग जिलाध्यक्ष राजकुमार गांधी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया 22 व 23 दिसंबर दोनों ही दिनों में परिचर्चा तथा मंत्रणा की व्यवस्था होगी। प्रदेशाध्यक्ष विठ्ठल भूतड़ा ने कहा कि वैवाहिक समस्या को हम ज्यादा से ज्यादा एक दूसरे से मध्यस्थता एवं संवाद स्थापित कर हल कर सकते हैं। प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष आशा डोडिया ने रिश्ते जोड़ने एवं रिश्ते निभाने में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष रमेश राठी भानुप्रतापपुर, कुरुद समाज अध्यक्ष रमेश केला, जगदलपुर समाज अध्यक्ष मोतीलाल चांडक, जगदलपुर सचिव विजय सोमानी, अध्यक्ष जगदलपुर महिला संगठन मोहिनी देवी राठी, लीलादेवी चांडक, उपाध्यक्ष बस्तर जिला शंकरलाल चांडक सहित कई समाजजन मौजूद थे।

सेवा सदन की बैठक 30 को

पुष्कर. श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन की साधारण सभा की बैठक 30 दिसंबर पौष कृष्ण नवमी को दोपहर 1 बजे श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर में आयोजित होगी। महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि इसमें मुख्यालय पुष्कर सहित समस्त शाखाओं की व्यवस्थाओं एवं नवनिर्माण की जानकारी तथा विधान संशोधन पर चर्चा एवं निर्णय आदि होंगे।

पिकनिक का किया आयोजन

बरेली. माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा कार्तिक मास की पूर्णिमा को नदी किनारे समिति की कार्यकारिणी सदस्य सीमा काबरा के फॉर्म हाउस पर पिकनिक मनाई गई। इसके पश्चात गुरुनानक देवजी के प्रवचन का चिंतन किया गया। बच्चों ने फुटबॉल, बैडमिंटन, दौड़ आदि गेम खेले। सभी ने तंबोला खेला व नृत्य किया।

सोमाणी को राष्ट्रीय गौरव सम्मान

वाशिम. युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता संघ द्वारा नई दिल्ली में गत 24 नवंबर को आंध्रभवन में आयोजित समारोह में समाजसेवी तथा वाशिम जिला माहेश्वरी संघटन के संघठन मंत्री नीलेश सोमाणी को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यान्वयन मंत्री विजय गोयल तथा सामाजिक न्याय राज्यमंत्री रामदास आठवले के हाथों सम्मानित किया गया। श्री सोमाणी 25 वर्षों से समाजसेवी संस्था तरुण क्रांति मंच से जुड़े हैं। वे पत्रकारिता में भी सक्रिय हैं। अभी तक वे कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

रामचंद्र राठी की देहदान

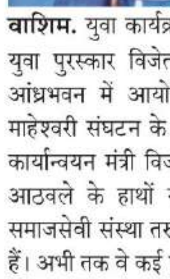

नांदुरा. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री रामचंद्र राठी का 88 वर्ष की आयु में 27 नवंबर को निधन हो गया। उनकी इच्छानुसार परिवार ने मरणोपरांत नेत्र तथा देहदान किया। श्री राठी मेडिकल संचालक थे। वे अपने पीछे 2 पुत्र, 3 पुत्रियां छोड़ गए हैं। शोकसभा के बाद उनकी पार्थिव देह को एम्बुलेंस से जलगांव के गोदावरी हॉस्पिटल पहुंचा दिया। नेत्र दान में डॉ. नवीन दम्माणी तथा देहदान में श्री तिरुपति बालाजी संस्थान अध्यक्ष मोहनराव ने सहयोग दिया।

चेंबर संयुक्त सचिव बने माहेश्वरी

जयपुर. संस्था राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी समिति के सत्र 2018-2021 के लिए ओमप्रकाश माहेश्वरी (टुवानी) को संयुक्त मानद सचिव चुना गया। श्री माहेश्वरी जयपुर हार्डवेयर मर्चेंटस एसो. व जयपुर गुलाबी नगर जेसीज के अध्यक्ष व महारानी गायत्री देवी मार्केट एसो. के महामंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

"अच्छे व्यवहार का कोई आर्थिक
मूल्य भले ही न हो
लेकिन
अच्छा व्यवहार करोड़ों दिलों को
खरीदने की शक्ति रखता है"

जो शिक्षा के दरवाजे खोलता है, वह जेल के दरवाजे बंद करता है : श्रीमती बिड़ला

भीलवाड़ा. जो शिक्षा के दरवाजे खोलता है वह जेल के दरवाजे बंद करता है। उक्त उद्‌गार बिड़ला समूह की अध्यक्ष पद्मभूषण राजश्री बिड़ला ने महेश शिक्षा सदन परिसर में आयोजित समारोह में व्यक्त किए। श्रीमती बिड़ला श्री महेश सेवा समिति द्वारा बहुद्देशीय श्री महेश भवन के लोकार्पण एंव छात्रों के लिए छात्रावास तथा श्री महेश इंटरनेशनल एकेडमिक सेंटर के शिलान्यास समारोह पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। श्रीमती बिड़ला ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान ही उपलब्ध नहीं कराती वरन कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित रहते हुए जीवन जीने की कला सिखाती है और शिक्षा गलत सोच पर रोक लगाती है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि भीलवाड़ा में श्री महेश सेवा समिति द्वारा शिक्षा क्षेत्र में 5 शैक्षिक संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। 5 वर्ष पूर्व इस तरह की शिक्षा का संचालन आरंभ करने पर दूरदृष्टि की सोच रखने वाले संस्थापकों को नमन करते हुए उन्होंने श्री महेश सेवा समिति संचालन मंडल को बधाई दी।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने कहा कि राजश्री बिड़ला एवं उनके परिवार का सामाजिक, ग्रामीण, चिकित्सा, शिक्षा सहित अनेक कार्यक्रमों में विशेष योगदान सक्रियता के साथ है। यही कारण है कि वर्ष 2011 में राजश्री बिड़लाजी को राष्ट्रपति द्वारा पद्मभूषण से अलंकृत किया गया। श्री सोनी ने समाज के अग्रज उद्योगपतियों व व्यापारियों से आह्वान किया कि ईश्वर ने हमें सब कुछ दिया है। हम उसका अंश समाज में सहयोग के रूप में प्रदान कर बढ़ावा दें। भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया, विशेष अतिथि उपसभापति देवकरण गग्गड़ व मुंबई के प्रमुख समाजसेवी श्यामसुंदर काबरा ने भी संबोधित किया। समारोह में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. जगदीश कोगटा ने किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन श्री महेश सेवा समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी ने दिया। समारोह में पूर्व उपसभापति आर.एल. नौलखा, राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष ममता मोदानी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एस.एन. मोदानी, प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, महिला प्रदेशाध्यक्ष शिखा भदादा, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया आदि मंचासीन थे।

घर जाकर किया बागड़ी का सम्मान

नागपुर. वरिष्ठ समाजसेवक शरद गोपीदास बागड़ी अपने कॉलेज समय 1976 से विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सामाजिक सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं। वे लायंस क्लब, रोटरी, भारत विकास परिषद, लघु उघोग भारती, जीवन सुरक्षा प्रकल्प, श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत, नागपुर यूनिवर्सिटी ऐल्युमनी एसोसिएशन, विवेकानंद केंद्र आदि कई संस्थाओं के सदस्य व पदाधिकारी हैं। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष, आमदार व महाराष्ट्र राज्यमंत्री सुधाकर देशमुख ने सामाजिक कार्यों, बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तीकरण, पौधरोपण आदि सामाजिक कार्यों के लिए श्री बागड़ी व उनकी पत्नी भारती को उनके घर जाकर प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

औषधियुक्त खीर का किया वितरण

मदनगंज/किशनगढ़. कृष्णगढ़ परमार्थ संस्थान के तत्वावधान में राधा सर्वेश्वर औषधालय के सहयोग से शरद पूर्णिमा पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें राधा सर्वेश्वर मंदिर में गाय के दूध से बनी खीर में दमा, अस्थमा, एलर्जी व सांस रोग की हैदराबाद से मंगवाई गई रामबाण आयुर्वेदिक औषधि मिलाकर वितरित की गई। तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट व माणकचंद भट्टड़ मेमोरियल के सौजन्य से आयोजित शिविर में किशनगढ़ संभाग के 15 से अधिक गांवों से आए 1271 रोगियों को परहेज निर्देशों के साथ रात्रि 12 बजे एक साथ औषधि का सेवन कराया गया। प्रभु के विशेष श्रृंगार दर्शन व श्री राधा सर्वेश्वर संकीर्तन मंडल के सहयोग से भजन संकीर्तन भी आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक भागीरथ चौधरी व किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेश टांक का अभिनंदन किया गया। शिविर में कंचनदेवी भट्टड़, साधना तोषनीवाल, श्याम पुजारी, ओमप्रकाश राठी, चंदू मणियार, श्यामसुंदर दरगड़, मोहन काबरा, भंवरलाल भट्टड़, रिगधर भट्टड़, नितिन तोषनीवाल, परमार्थ संस्थान के आनंद दरगड़ आदि कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आनंद दरगढ़ने किया।

With Best Compliments From

RATHI Enterprises

Sika

BENELAVE™

tradeco india

Dealer - Borewell, Submersible Pump Set
Single Phase
Domestic Pumps,
Single Phase Jet Pumps

AQUATEX

MANISH MARKETING CO.

Ther Supreme Industries Ltd.
(Plastic Piping Division)

Address : G.E. Road, Ganj Para, Durg (Chhattisgarh)
Ph. : 0788-2211208, 2210333
E-mail : manishmarketingcompany@yahoo.com

Raju
Mo. 94252-37702

रूपल मोहता दिवा मिसेस इंडिया से सम्मानित

खामगांव. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अर्थमंत्री विवेक मोहता की धर्मपत्नी रूपल मोहता को गत 23 अक्टूबर को राजस्थान की राजधानी जयपुर के होटल ग्रैंड एसी में संपन्न स्पर्धा में 'दिवा मिसेस इंडिया 2018' के खिताब से नवाजा गया। उन्हें ताज, स्मृति चिह्न एवं सॉस पहनाकर गौरवान्वित किया गया। यह प्रतियोगिता प्रथम चरणमें देशभर के विविध राज्यों हुई। यहां से जीतकर कुल 15 प्रतियोगी इस प्रतियोगिता के अंतिम चरण में पहुंचे। निर्णायको में सुप्रसिद्ध मराठी अभिनेत्री डॉ. निशिगंधा वाड, मिसेस महाराष्ट्र निहारिका सदाफुले, निशा बियाणी, वैशाली जावड़ेकर आदि शामिल थीं। इसके पूर्व भी रूपल को वर्ष 2007 में खामगांव आइडिल का गौरव भी हासिल हुआ था।

गरबा डांस का किया आयोजन

भीलवाड़ा. गत 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे डांडिया थीम पर जागृति माहेश्वरी मंडल द्वारा शास्त्री नगर सामुदायिक भवन में गरबा डांस का कार्यक्रम रखा गया। यह जानकारी मंडल अध्यक्ष उषाजी ने देते हुए बताया कि बेस्ट ड्रेस अप प्राइस मीनाक्षी जागेटिया, मोनिका झंवर, सुमन बिरला, राजकुमारी जैथलिया, लाड डाड को दिया गया। बेस्ट परफॉर्मेंस पुरस्कार नीलम बांगड़, प्रीति इनाणी, किरण भराडिया को दिया गया। नीतू सोमानी, मोनिका गादिया, मीना मूंदड़ा, पुष्पा समदानी, कृष्णा अजमेरा, पूजा, वंदना बिड़ला, रीटा जागेटिया, ज्योति पोरवाल, सुनीता लड्ढा, साधना तोषनीवाल आदि मौजूद थीं।

चुनावी दावपेंच

उन्हें परवाह नही की आप खुश है या उदास...
उन्हें परवाह है कि आप
उन्हें कितना खुश रख सकते हैं...
(सुनो सबकी करो मन की)

सावन मेला का हुआ आयोजन

जोधपुर. माहेश्वरी युवा संस्थान जोधपुर के तत्वावधान में दो दिवसीय सावन मेले का आयोजन गत 14 व 15 अगस्त को किया गया। मेले में 14 अगस्त को दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक बेस्ट कान्हा, मिस्टर एंड मिसेज सावन, बेस्ट सावन कपल, हाउजी, तंबोला आदि आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 15 अगस्त को दोपहर 3 से 6 बजे तक मेले में आने वाली दादी सास, सास और बहू का सम्मान किया गया। संयोजक उमा बिड़ला ने बताया कि प्रदर्शनी में 95 स्टॉल थीं। अध्यक्ष कैलाश सोमानी ने बताया कि 14 अगस्त को उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर घनश्याम ओझा, विशिष्ट अतिथि माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग, समाजसेवी लीलादेवी झंवर एवं ईश्वरलाल चांडक थे। 15 अगस्त को शाम 7.30 बजे एक शाम देशभक्ति के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि डीआईजी बीएसएफ रवि गांधी, विशिष्ट अतिथि माहेश्वरी समाज बालोतारा के अध्यक्ष पुखराज कपूरिया एवं समाजसेवी व उद्यमी सुरेश राठी थे। शांति लोहिया, मधु मूंदड़ा, रीना राठी, आशा फोफलिया, सुशीला राठी, आशा चांडक, अलका जौहरी, संतोष गांधी, कल्पना चांडक, शिवकन्या धूत, ज्योति बिड़ला, अनिता कालानी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

करवा चौथ का सामूहिक उद्यापन

उदयपुर. महेश महिला सोसायटी (माहेश्वरी समाज), उदयपुर द्वारा सामूहिक करवाचौथ उद्यापन कार्यक्रम का आयोजन श्री हनुमान मंदिर सेक्टर-13 पर सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल के सान्निध्य में किया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि इसमें समाज के 81 जोड़ों को सपरिवार आमंत्रित कर आशा-रमेश माहेश्वरी, रश्मि-डॉ. दीपक माहेश्वरी, आराधना-गौतम सोमानी एवं मंगला-डॉ. गणेश माहेश्वरी ने करवाचौथ का उद्यापन किया। मुख्य अतिथि डॉ. राधिका लड्ढा थीं। महेश महिला महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल एवं महेश सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी ने उद्यापन करने वाले जोड़ों को स्मृति चिह्न प्रदानकर सम्मानित किया। उर्मिला देवपुरा, पूनम भदादा, शोभा कालानी, मधु मूंदड़ा, पूनम माहेश्वरी, निर्मला परतानी, किरण अजमेरा, प्रेम अजमेरा, प्रेम मूंदड़ा, डॉ. राधा देवपुरा, शांता माहेश्वरी एवं शकुंतला गट्टानी आदि मौजूद थे।

शिक्षा सदन में बिजली उत्पादन शुरू

भीलवाड़ा. श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित श्री महेश शिक्षा सदन में सोलर लाइट उत्पादन शुरू कर माहेश्वरी समाज ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी ने बताया कि संस्था द्वारा महेश शिक्षा सदन स्कूल भवन की छत पर 65 केवीए के सोलर सिस्टम का शुभारंभ किया गया। इससे प्रतिदिन 260 यूनिट बिजली उत्पादन प्रारंभ हो गया है। समिति सहसचिव प्रहलादराय हिंगड़ के अनुसार 25 लाख रुपए की लागत से शुरू हुए इस सोलर सिस्टम से बिजली उत्पादित होकर बिजली विभाग को आदान-प्रदान होगी। शुभारंभ अवसर पर कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा, डायरेक्टर दिलीप तोषनीवाल, दिनेश शारदा आदि उपस्थित थे।

जोधपुर अधिवेशन के लिए बैठक संपन्न

संगमनेर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की ओर से जोधपुर (राजस्थान) में 4 से 7 जनवरी 2019 के दौरान अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी अधिवेशन संपन्न होने जा रहा है। इसकी जानकारी देने हेतु दल सोनई में पहुंचा। सोनईवासियों के 40 परिवार से 25 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करके जिले में सराहनीय कार्य किया। इस हेतु नेवासा तहसील तालुकाध्यक्ष सुहास सिकची तथा उनके सहयोगियों का अभिनंदन किया गया। बैठक में नेवासा तहसील अध्यक्ष सुहास सिकची, केदारनाथ बंग, पुरुषोत्तम बंग, प्रवीण अट्टल, विजय चांडक, संजय सिकची, गौरव बंग, दिलीप बंग, अमित बंग, नंदकिशोर बंग तथा वांबोरी में तालुकाध्यक्ष प्रकाश बिहाणी, तालुका मंत्री योगेश झंवर, जुगलकिशोर राठी आदि मौजूद थे। आभार जिला मानद मंत्री अजय जाजू ने आभार माना।

कामयाब होने के लिये
मेहनत पर यकीन करना होगा
किस्मत तो जुए में आजमाई जाती है

छग महिला संगठन ने आयोजित किया 'समीक्षा'

जगदलपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन तथा जगदलपुर माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 8 व9 सितंबर को जगदलपुर में कार्यक्रम समीक्षा का आयोजन किया गया। शुभारंभ 8 सितंबर को प्रथम सत्र में हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, संतोष बाफना छत्तीसगढ़महासभा अध्यक्ष विट्ठलदास भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष राजेश मंत्री, पुष्पा राठी, उषा मोहंता, श्याम सोमानी, अध्यक्ष आशा डोडिया, सचिव शशि गट्टानी, जगदलपुर महिला मंडल अध्यक्ष मोहिनी राठी, मोतीलाल चांडक, भरत चांडक आदि मंचासीन थे। इसके पश्चात महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी का टॉक शो आयोजित हुआ। द्वितीय सत्र में सुश्रिता नारी प्रतियोगिता व लकी ड्रॉ का आयोजन हुआ। इनके साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक भी हंसो हंसाओ कार्यक्रम के साथ आयोजित हुई। इसके पश्चात चित्रकूट भ्रमण का आयोजन भी किया गया। भ्रमण पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में खुला मंच का आयोजन हुआ। जिसके पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

उद्योजक शिविर का हुआ आयोजन

परभणी. जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं यश ग्रुप द्वारा 5 से 7 अक्टूबर तक तीन दिवसीय उद्योजक शिविर का आयोजन अक्षदा मंगल कार्यालय परभणी में हुआ। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री ब्रिजगोपाल तोषनीवाल, अशोक सोनी, जयप्रकाश भंडारी, डॉ. किशोर मंत्री, डॉ. विवेक नावंदर, पुरुषोत्तम धूत, महिला जिलाध्यक्ष सरोज गट्टाणी, डॉ. अनिता नावंदर, डॉ. जयश्री कालाणी, शकुन बजाज, स्वाति दरक, शिल्पा मणियार, फुलवंता जैथलिया, कल्पना डागा, किरण अजमेरा, डॉ. स्नेहा सोमानी, उर्मिला सोमानी, किरण चांडक आदि की उपस्थिति रही। दीपावली के अवसर पर एक ही छत के नीचे अलग-अलग प्रकार की 40 दुकानों का मेला लगने से खरीददारों को आसानी हुई।

'अपशब्द' एक ऐसी चिंगारी है,
जो कानों में नहीं, सीधा 'मन' में आग लगाती है...!
हमेशा मधुर बोलें.......

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
3000 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात अब

श्री माहेश्वरी मेलापक

(माहेश्वरी समाज की विश्व स्तरीय डायरेक्ट्री)

विवाह योग्य युवक-युवतियों की
विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री 2018

जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाइटिक युवक-युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

सेवा सदन प्रबंधकारिणी समिति की बैठक संपन्न

पुष्कर. श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर प्रांगण में सेवा सदन की प्रबंध कार्यकारिणी समिति के वर्तमान सत्र की नौवीं बैठक अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला की अध्यक्षता में गत 20 अक्टूबर को संपन्न हुई। बैठक में अच्छी संख्या में सदस्यगण एवं मातृशक्ति की उपस्थिति थी। प्रबंधकारिणी समिति में 40 नए मनोनीत सदस्यों में से उपस्थित सदस्यों एवं नवमनोनीत विशेष आमंत्रित सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। जुगलकिशोर बिड़ला ने अपने उद्बोधन में सेवा सदन द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी सदस्यों के बीच साझा की। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन सुविधाओं से सेवा सदन एवं समाजबंधुओं को काफी सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। एक सॉफ्टवेयर भी बनवाया जा रहा है, जिससे भविष्य में ऑनलाइन मतदान भी करवाया जा सकेगा। बैठक में महत्वपूर्ण चर्चा के पश्चात सेवा सदन के वर्तमान संविधान में अति आवश्यक परिवर्तनों पर सहमति भी बनी एवं आवश्यक परिवर्तनों का तुलनात्मक प्रपत्र सेवा सदन के समस्त आजीवन सदस्यों को प्रेषित कर सुझाव प्राप्त करने के पश्चात आगामी आमसभा में विधान संशोधन हेतु प्रस्तुत किया जाना तय हुआ। आगामी 29 दिसंबर को प्रबंधकारिणी समिति की बैठक एवं 30 दिसंबर को आमसभा आहुत किया जाना निश्चित किया गया। जगन्नाथपुरी भवन निर्माण संयोजक कैलाश सोनी ने अब तक हुई कार्य प्रगति सहित सभी भवनों के प्रभारियों द्वारा अपने-अपने भवनों में संपादित करवाए गए कार्यों की जानकारी सदन के सम्मुख प्रस्तुत की।

राठी बने एसोसिएशन अध्यक्ष

आनंद. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्यामसुंदर राठी गत 29 सितंबर को मुंबई में आयोजित वाइडिंग वायर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एजीएम में सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वे ऑल इंडिया वायर मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं तथा फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ स्मॉल इंडस्ट्रीज ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के भूतपूर्व अध्यक्ष रहे हैं। श्री राठी 25 से अधिक वर्षों से विभिन्न इंडस्ट्रीज एसोसिएशन गतिविधियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

मूंदड़ा बने कांग्रेस प्रतिनिधि

अमरावती. शहर के कांग्रेस के पुराने सक्रिय कार्यकर्ता पुरुषोत्तम मूंदड़ा की महाराष्ट्र प्रदेश एवं अभा कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक चह्वाण ने की। आप माहेश्वरी समाज के सक्रिय कार्यकर्ता हैं और माहेश्वरी पंचायत के उपाध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं।

अभिनंदन का हुआ लोकार्पण

जयपुर. श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा नवनिर्मित जनोपयोगीभवन अभिनंदन का लोकार्पण समाज संरक्षक राजेंद्र मूंदड़ा के करकमलों से गत 21 अक्टूबर को हुआ। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने बताया कि इस अवसर पर समाज संरक्षकगण राजेंद्र मूंदड़ा, ज्योति माहेश्वरी, आरएस फलोड़, आरडी बाहेती तथा पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया व ओमप्रकाश दरगड़ को भवन के मुख्य दानदाताओं के रूप में सम्मानित किया गया। भवन चेयरमैन बजरंगलाल बाहेती व समाज महामंत्री संजय माहेश्वरी ने बताया कि लोकार्पण समारोह में पधारे लगभग 2500 समाज बंधुओं ने अभिनंदन भवन को देश के सबसे सुंदर जनोपयोगी भवन के रूप में सराहा। लोकार्पण समारोह में अभिनंदन भवन सचिव बिहारीलाल साबू, अर्थ समिति के चेयरमैन मुरलीधर राठी, आर्किटेक्ट नीतेश अग्रवाल तथा ठेकेदार कैलाश सैनी को भी सम्मानित किया गया।

बागड़ी को जीरो माईल पुरस्कार

नागपुर. राष्ट्रीय जीरो माईल फाउंडेशन द्वारा गत दिनों अपना सालाना राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह स्थानीय होटल हैरिटेज में मनाया गया। इसमें देशभर के सामाजिक, राजनीतिक, कला, लेखन, साहित्य, खेलकूद, पत्रकारिता, आरोग्य, शिक्षा, विज्ञान आदि के चुने लोगों को पुरस्कृत किया जाता है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर नंदाताई जिचकार, मेडिट्रिना न्यूरो सर्जन डॉ. समीर पालतेवार, मुंबई भायंदर की महापौर व नगरसेविका गीता जैन, संस्था अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा आदि के हाथों हुआ। इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी को समाजसेवा के लिए समाज रत्न जीरो माईल 2018 पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

'बदलना', तय है हर चीज़ का इस संसार में...
बस थोड़ा इंतजार करो
किसी का 'दिल' बदलेगा,
तो किसी के 'दिन' बदलेंगे .

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बीकानेर. माहेश्वरी समाज द्वारा सम्मान समारोह स्थानीय दम्माणी मोहल्ला स्थित गोपीनाथ भवन में आयोजित हुआ। समाज के मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज के उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक महासभा अध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी थे। शहर सभा अध्यक्ष गोपीकिशन पेड़ीवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक भवानी राठी ने बताया कि इसमें मुख्य रूप से वेदप्रकाश लखोटिया (सीआई कोटगेट थाना, बीकानेर) व जुगल राठी (अध्यक्ष बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल) का साफा बांधकर श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री लखोटिया की धर्मपत्नी बबीता लखोटिया का भी माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर की सदस्याओं कंचन राठी, अंजलि झंवर, रेखा लोहिया, ममता राठी द्वारा स्वागत किया गया। जादूगर मि. यासीन ने अपनी कला द्वारा कई जादुई आइटम पेश करते हुए सभी का मनोरंजन किया। अशोक बागड़ी, सुशील दम्माणी, नारायण दम्माणी, नारायण डागा, बजरंगलाल सारडा, बृजमोहन चांडक, कालू राठी, नवल राठी, रेखा लोहिया, अंजलि झंवर सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

कैंसर पीड़ित को दी 45 हजार की सहायता

अमरावती. शहर की माहेश्वरी महिला मंडल ने कैंसर पीड़ित माहेश्वरी परिवार को 45 हजार रुपए की राशि प्रदान की। मंडल अध्यक्ष अर्चना लाहोटी ने बताया कि सचिव सपना पनपालिया ने इसकी पहल की और 15 घंटों में उक्त राशि मंडल सदस्याओं ने जमा कर ली। इसमें प्रभा झंवर, प्रीति डागा, वर्षा राठी, कविता मूंदड़ा, अर्पिता सारडा, प्रीति सोनी, प्रभा झंवर, प्रीति डागा, प्रेरणा सादाणी, प्रीति लाहोटी, रचना राठी, सुनीता राठी, कोषाध्यक्ष शीतल बूब, बैशाली राठी, पूनम राठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

इज़्ज़तदार औरत 'छेड़खानी' होते ही,
थप्पड़ या चप्पल से मुँह सूजा देती है..!!

कान कटने की समस्या पर प्रोजेक्ट

अमरावती. आज कल महिलाओं में कान कटने की समस्या ज्यादा हो गई है। इसको ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा ईयर होल रिपेयर प्रोजेक्ट लिया गया। इसमें बॉम्बे से आई विशेषज्ञ पूनक शर्मा ने सहयोग दिया गया। इसका करीब 15 महिलाओं ने लाभ लिया। पूर्वाध्यक्ष प्रभा झंवर, प्रीति डागा, अध्यक्ष अर्चना लाहोटी, सचिव सपना पनपालिया, कोषाध्यक्ष शीतल बूब, प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजश्री सारडा एवं रमा सारडा का विशेष योगदान रहा। आभार सचिव सपना पनपालिया ने माना।

उद्योग मेला व कोजागिरी उत्सव संपन्न

अमरावती. माहेश्वरी मंडल द्वारा हमेशा ही सामाजिक, धार्मिक कार्यों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में बडनेरा रोड सिद्धार्थ मंगलम में भव्य उद्योग मेला आयोजित किया गया। इसमें विदर्भ, अकोला, पुलगांव, चांदूर, मलकापुर से कई स्टॉल लगाए गए। अतिथि के रूप में वसंतकुमार मालापाणी, पुष्पलता परतानी, प्रभा झंवर, प्रीति डागा और अर्चना लाहोटी आदि उपस्थित थीं। आनंद पनपालिया, रवि डागा, संजय अग्रवाल, सुशीला गांधी आदि का सहयोग रहा। साथ ही कोजागिरी का आयोजन भी किया गया।

चारभुजानाथ की निकाली शोभायात्रा

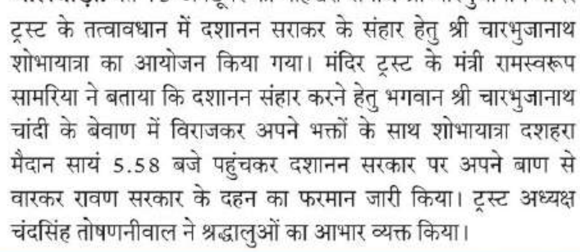

भीलवाड़ा. गत 13 अक्टूबर को माहेश्वरी समाज श्री चारभुजानाथ मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में दशानन सराकर के संहार हेतु श्री चारभुजानाथ शोभायात्रा का आयोजन किया गया। मंदिर ट्रस्ट के मंत्री रामस्वरूप सामरिया ने बताया कि दशानन संहार करने हेतु भगवान श्री चारभुजानाथ चांदी के बेवाण में विराजकर अपने भक्तों के साथ शोभायात्रा दशहरा मैदान सायं 5.58 बजे पहुंचकर दशानन सरकार पर अपने बाण से वारकर रावण सरकार के दहन का फरमान जारी किया। ट्रस्ट अध्यक्ष चंदसिंह तोषणीवाल ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

धनक रिटर्न गरबा का आयोजन

भीलवाड़ा. बापूनगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा मानसरोवर झील के किनारे शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी की रोशनी में धनक रिटर्न्स गरबा कार्यक्रम गत 24 अक्टूबर को आयोजित किया गया। अंकित लखोटिया, आशीष जागेटिया, मनीष व जगदीश लड्ढा ने बताया कि शहर की विभिन्न कॉलोनियों की श्रेष्ठ गरबा टीमों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शहर की 15 माहेश्वरी महिला संगठनों की टीमों ने विशिष्ट वेशभूषा एवं अपने अलग ही अंदाज के गानों पर कॉम्पीटिशन में भाग लिया। इसमें प्रथम पुरस्कार 21000 रुपए की विजेता संजय कॉलोनी टीम, द्वितीय सांगानेर व तृतीय आरकेआरसी की टीम रही। इनको 11000 व 7100 रुपए के पुरस्कार अतिथियों ने प्रदान किए। साथ ही फ्रेंड्स मोबाइल की ओर से दर्शकों के लिए 3 लकी ड्रॉ निकाले गए। प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। स्वर्णमाला ज्वेलर्स की ओर से श्रेष्ठ प्रस्तुति व श्रेष्ठ वेशभूषा पर गोल्ड रिंग दी गई। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में राजकुमार काल्या राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष, रामपाल सोनी पूर्व सभापति, सीपी नामधरानी प्रदेश युवाध्यक्ष, कैलाशचंद्र कोठारी प्रदेशाध्यक्ष, आरएल नोलखा चेयरमैन नितिन स्पिनर्स, ओमप्रकाश नरानीवाल, राजेंद्र प्रदीप पलोड़, एलएन डाड, दीनदयाल मारू, केदारमल जागेटिया, क्षितिज सोमानी, लक्ष्मीनारायण हेडा, नवनरेश झंवर, प्रकाश पोरवाल, आशीष पोरवाल, दिलीप कासट, राजकमल अजमेरा सहित अनेक अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट योगदान उमेश तोषनीवाल, भगवतीलाल नौलखा, कैलाशचंद्र लखोटिया, संजय पेरीवाल, ओमप्रकाश काकानी, कैलाश मालपानी, रोशनलाल नुवाल, गोपाल जागेटिया, सतीश अजमेरा, कैलाशचंद्र लड्ढा का रहा।

माहेश्वरी जत्रा का हुआ आयोजन

इंदौर. श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी महिला एवं सखी संगठन द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिवर्षानुसार माहेश्वरी जत्रा का आयोजन किया गया। इसमें समाज की बहनों व बंधुओं ने 150 गृहोपयोगी, डेकोरेशन आईटम, गारमेंट्स, ज्वेलरी, क्रॉकरी आइटम एवं खान-पान के स्टॉल लगाए गए। महिला एवं सखी संगठन अध्यक्ष सीमा गगरानी, सुमन सोनी, सचिव रचना मालपानी व पायल लाठी एवं जत्रा समन्वयक माधुरी सोमानी द्वारा आगंतुक का हार्दिक अभिनंदन करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। माहेश्वरी जत्रा में दोनों ही संगठन की प्रमुख सदस्याओं में उषा चौधरी, आशा अजमेरा, किरण बाहेती, ललिता मानधन्या, श्यामा गिलडा, किरण लाहोटी, सुषमा चिचानी, रुचि बाहेती, सोनल बाहेती, मोनिका लाहोटी, रीना मानधन्या, नेहा काकानी, प्रियंका भलिका आदि का सहयोग रहा।

बच्चों को क्रॉफ्ट बनाना सिखाया

रायपुर. स्थानीय महेश महिला संगठन ने लोकल कम्युनिटी बाजार में दो क्रॉफ्ट स्टॉल (दीवाली डेकोरेशन और पेपरवे) लगाए। इसमें करीब 100 से ज्यादा बच्चों को विविध क्रॉफ्ट बनाना सिखाया गया। साथ ही में यहां पर वडापाव का भी स्टॉल लगाया गया। तीनों स्टॉल को रायपुर समाज से बहुत अच्छा प्रतिसाद दिया। इस आयोजन में भाग लेकर महेश महिला संगठन ने अपनी पहचान माहेश्वरी समाज के दायरे से बाहर रायपुर में बनाई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यसमिति, कार्यकारिणी और समाज की सदस्याओं ने योगदान दिया। उक्त जानकारी बीना सोमानी ने दी।

द्वितीय संपर्क गोष्ठी का हुआ आयोजन

कोलकाता. सामाजिक कार्यकर्ता का समर्पण भाव ही समाज को संगठित करता है। उक्त उद्‌गार माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) के तत्वावधानमें आयोजित द्वितीय संपर्क गोष्ठी में माहेश्वरी संगीतालय के उपसभापति गिरिराज लोहिया ने व्यक्त किए। केंद्र के सभापति देवकिशन मोहता ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि आज की आवश्यकता सभी संस्थाओं को एक माला में पिरोने की है और यह कार्य संपर्क गोष्ठी के माध्यम से किया जा सकता है। माहेश्वरी व्यायामशाला के मंत्री अशोक डागा, माहेश्वरी संगीतालय के मंत्री महेश दम्मानी एवं माहेश्वरी क्लब के मंत्री नरेंद्र करनानी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर केंद्र के मुखपत्र 'सक्षम' ई पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया। श्री भट्टड़ ने ई पत्रिका के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के मंत्री अरुणकुमार सोनी ने किया और आभार पदेन मंत्री नारायणदास डागा ने माना। राकेश मोहता, अशोककुमार चांडक एवं गोकुलदास मूंधड़ा आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

मूंदड़ा ने किया मोदी का स्वागत

बस्तर. जगदलपुर प्रवास पर आए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वामी विवेकानंद विमानतल, माना में सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सांसद रमेश बैस, वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल सहित काफी संख्या में पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं अधिकारी मौजूद थे।

पंच दिवसीय यात्रा का हुआ आयोजन

इंदौर. माहेश्वरी संस्कृति ग्रुप की 5 दिवसीय यात्रा संपन्न हुई। यात्रा निर्देशक ओम स्वाति टावरी व अजय हेमा बियानी तथा अध्यक्ष प्रो. बालकृष्ण सरिता राठी ने बताया कि इस दरम्यान डलहौजी, धर्मशाला के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए कांगड़ा देवी, चामुंडा देवी, ज्वाला देवी, बगलामुखी देवी व चिंतपुरनी देवी के धार्मिक दर्शन करते हुए अमृतसर वाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी को देखकर देश-प्रेम को दर्शाते हुए यात्रा आनंद एवं हर्षोल्लास के साथ यात्रा पूर्ण की। यात्रा में 50 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा प्रभारी कृष्णावतार पुष्पा राठी, प्रो. नवींद्र सुनीता तोतला, सतीश शकुंतला लड्ढा ने सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रंगारंग डांडिया रास का आयोजन

इंदौर. माहेश्वरी संस्कृति द्वारा शरद पूर्णिमा के सुअवसर पर रंगारंग डांडिया रास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष सुभाष वीणा राठी ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें श्रेष्ठ को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी ललित-मनीषा सोमानी, मनमोहन-संगीता पलोड़ व मधुसूदन-किरण सोमानी सहित सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

मित्र मंडल ने आयोजित किया डांडिया

जलगांव. नंदनवन कॉलोनी मित्र मंडल द्वारा गरबा डांडिया रास 2018 का दस दिवसीय आयोजन किया गया। स्पर्धा में विनर ऑफ दि विनर फाइनल राउंड में विजेता डांडिया किंग प्रकाश लाठी तथा डांडिया क्विन नमिता सोनी को मंडल की ओर से सम्मानित किया गया।

झंवर को समाज भूषण सम्मान

संगमनेर. अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा की ओर से 2018 में दिए जाने वाले सम्मानों की घोषणा जिलाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा ने की। जिला माहेश्वरी समाज भूषण सम्मान के लिए अहमदनगर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता पन्नालाल झंवर का चयन किया गया। जिला सभा की ओर से जिलाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा तथा मानद मंत्री अजय जाजू ने बताया कि अचला झंवर (वांबोरी), कला क्षेत्र में द्वारकानाथ राठी (सर) (संगमनेर), उद्योग क्षेत्र में स्मिता लाहोटी (संगमनेर), वैद्यकीय क्षेत्र डॉ. संजय लड्ढा (शेगांव), पत्रकारिता में अविनाश मंत्री (पाथर्डी), क्रीड़ा क्षेत्र में शरयु झंवर (संगमनेर), कृषि के लिए विशाल लड्ढा (कारेगांव-श्रीरामपुर) आदि का चयन किया गया।

'जिंदगी' में अगर कोई हमसे बुरा व्यवहार करे,
तो ये सोचकर माफ कर दो की,
सभी मानसिक रोगी अस्पतालों में नही मिलते,
कुछ खुले भी घूमते

कन्या भोजन से नवरात्रि उद्यापन

उदयपुर. माहेश्वरी महिला गौरव उदयपुर की संरक्षक समिति कौशल्या गट्टानी व जनक बांगड़ के नेतृत्व में नवरात्रि उद्यापन के उपलक्ष्य में राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय सुखेर (उदयपुर) में करीब 500 कन्याओं को भोजन कराया गया। इसके साथ में चित्रकला प्रतियोगिताएं व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। चित्र के माध्यम से सामाजिक संदेश देकर लोगों को जागृत किया गया। 25 अक्टूबर को माहेश्वरी महिला गौरव उदयपुर ने ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट उदयपुर में इंटर क्लब डांडिया प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें बेस्ट डांस व बेस्ट ड्रेस का आयोजन कर चयनित प्रत्याशियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इसमें गौरव की संरक्षक कौशल्या गट्टानी, जनक बांगड़, कविता बल्दवा, सरिता न्याती, मंजू गांधी, रिया सोमानी आदि उपस्थित थे। वरिष्ठ नागरिक क्लब मुस्कान (उदयपुर) में वरिष्ठ नागरिकों के साथ दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं ने सज-धजकर कार्यक्रम में भाग लिया। बेस्ट ड्रेस स्पर्धा में क्लब की संरक्षक कौशल्या गट्टानी ने बेस्ट ड्रेस में 10 कपल को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। स्वामी नारायण मंदिर में 56 भोग अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 10 हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

गोपाष्टमी पर किया गौपूजन

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गोपाष्टमी के शुभ अवसर पर रायपुर की 'महावीर गौशाला' में जाकर गायों का पूजन किया गया। सभी सदस्याओं ने बड़े ही उत्साह के साथ केसरिया रंग की साड़ी पहनकर गाय माता को भी साड़ी पहनाकर उन्हें गुड़ एवं चारा खिलाया तत्पश्चात उनकी आरती की। अध्यक्ष संगीता चांडक, प्रज्ञति कोठारी, प्रचार-प्रसार भावना मरदा, निवर्तमान अध्यक्ष शशि बागड़ी, भूतपूर्व अध्यक्ष सुनीता लड्ढा, प्रतिभा नत्थानी, मधुरिका नत्थानी, शशि मोहता, शशि काबरा, रेखा करवा आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

करने दो जो आपके बारे में
फालतू बाते किया करते है...
क्योंकि अक्सर खाली बर्तन ही
ज्यादा आवाज़ किया करते है.

चांडक परिवार ने किए महाकालेश्वर के दर्शन

उज्जैन. राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलकिशोर चांडक धार्मिक यात्रा पर उज्जैन आए और उन्होंने भूतभावन श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। उनके साथ धर्मपत्नी सहित उनका लगभग संपूर्ण परिवार भी इस यात्रा में शामिल था।

सेवल्या माताजी का रात्रि जागरण संपन्न

भीलवाड़ा. प्रतिवर्षानुसार माहेश्वरी समाज की सोनी व कोठारी खांप की कुलदेवी श्रीसेवल्या माताजी का रातीजोगा एवं महाप्रसादी का आयोजन गत 15 व 16 नवंबर को बागोर में संपन्न हुआ। बागोर निवासी रामजस सोनी ने बताया कि सामूहिक रात्रि जागरण का आयोजन 15 नवंबर को हुआ। इसमें भजन गायिका डॉ. सुमन सोनी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। अगले दिन माताजी की कृपा पात्री सुनीता कोठारी व सेवल्या कुंज अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी की अध्यक्षता में वार्षिक अधिवेशन हुआ। इसमें कैलाशचंद्र कोठारी ने मंदिर निर्माण के साथ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। नए ट्रस्टी एवं नए सदस्यों से सभी को अवगत करवाया गया। कमलेश सोनी अहमदाबाद का माहेश्वरी कार्यसमिति सदस्य मनोनीत होने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुभाष कोठारी अलीराजपुर, रामेश्वर सोनी बागोर, रवि सोनी नीमच, किशोर सोनी पुणे, नंदलाल सोनी निजामाबाद, सुरेश सोनी हैदराबाद, वासुदेव सोनी हैदराबाद, जितेंद्र कोठारी बड़ौदा, केदारलाल सोनी बड़ौदा आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

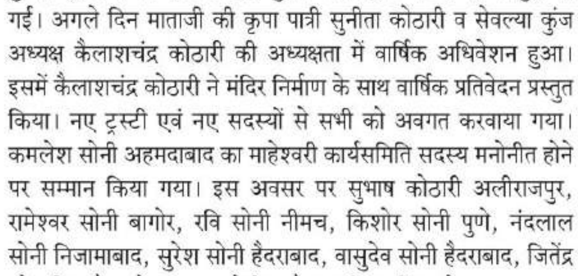

लखनऊ. डायबिटीज दिवस 14 नवंबर को अपोलो मैंडिस लखनऊ के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें हृदय रोग विशेषज्ञ सुशील गट्टानी सहित फिजियोथैरेपिस्ट योगेश मिश्रा आदि ने परामर्श प्रदान किया। समस्त समाजजनों की निःशुल्क ब्लड शुगर, रक्तचाप तथा ईसीजी की जांच की गई। जिन्हें आगे चिकित्सा की आवश्यकता थी, उन्हें आगे इलाज हेतु परामर्श दिया गया। समाज द्वारा डॉ. गट्टानी का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

आंवला नवमी पर किया वनभोज

रायपुर. प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माहेश्वरी महिला समिति रायपुर द्वारा आंवला नवमी पर वन भोज का आयोजन गत 17 नवंबर को मोती बाग में किया गया। इसमें सभी महिलाएं हरे रंग की ड्रेस में आई थीं। सर्वप्रथम सभी महिलाओं ने मिलकर आंवला के पेड़ की विधिवत पूजा-अर्चना की एवं रक्षासूत्र भी बांधा। सभी लोगों ने एक साथ बैठकर वन भोज पिकनिक का आनंद लिया। आंवला नवमी पर विभिन्न गेम्स का आयोजन भी किया गया। इसमें आंवला का प्रयोग करते हुए 1 मिनट गेम खेलना था। इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग कुसुम चितलांगिया का रहा। कार्यक्रम में मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, अध्यक्ष संगीता चांडक, सचिव प्रगति कोठारी, रमा मल्ल, निवर्तमान अध्यक्ष शशि बागड़ी, भूतपूर्व अध्यक्ष मधुलिका नाथानी, शशि मोहता आदि लोगों का भरपूर सहयोग मिला।

दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

भीलवाड़ा. संजय कॉलोनी माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा बाल दिवस 14 नवंबर को सोना दिव्यांग स्कूल में मनाया गया। संगठन अध्यक्ष अभिषेक सोमानी ने बताया कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के द्वारा हुई। इसके बाद बच्चों ने अपने हुनर का खेल दिखाते हुए चेयर रेस, दौड़ आदि कार्यक्रम की स्पर्धा करके अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित की। विजेताओं को समाजसेवी रामप्रसाद सोमानी व चंद्रकांता सोमानी के द्वारा इनाम दिए गए। सभी बच्चों को एप्पल, केले एवं बिस्किट बांटे गए। कार्यक्रम में सभी युवा साथियों ने मतदाता अधिकार की शपथ ली। संजय कॉलोनी क्षेत्रीय मंत्री कैलाश मूंदड़ा, दिनेश कोगटा, महेश सोमानी, बद्री सोडाणी, विकास कचोलिया, राजेंद्र कालिया, आशीष लड्ढा, पुष्पा मूंदड़ा, साकेत मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी बने बाहेती

इंदौर. अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य महेश तोतला एवं पुष्प माहेश्वरी ने बताया कि जयपुर में महासभा की सप्तम कार्यसमिति की बैठक गत 14 नवंबर को संपन्न हुई। इसमें विषया सूची के अंतर्गत महासभा के 29वें सत्र हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी का मनोनयन करना था। इस पर पश्चिमी मप्र प्रादेशिक सभा से महेश तोतला ने प्रकाशचंद्र बाहेती (खंडवा) का नाम प्रस्तावित किया जिस पर पूरे सदन ने सर्वानुमति से उसका समर्थन किया। श्री बाहेती के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोनीत होने पर पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

श्रीराम कथा के लिए भूमिपूजन

चंद्रपूर. अयोध्या धाम में (चांदा क्लब मैदान) 24 नवंबर से 2 दिसंबर तक संगीतमयी श्रीराम कथा का वाचन जोधपुर (राजस्थान) के संत मुरलीधार महाराज करेंगे। आयोजन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। इस आयोजन के लिए भूमिपूजन गत 19 नवंबर को संपन्न हुआ। इस दौरान कथा आयोजन समिति के मुख्य संयोजक रघुनाथ मुंद्रा, शोभादेवी मुंद्रा, मुख्य यजमान मोतीलाल अग्रवाल मौजूद थे। सत्यनारायण तिवारी, कार्यध्यक्ष ओमप्रकाश सारडा, सचिन रोडमल गहलोत, कोषाध्यक्ष रघुनाथ मुंद्रा, अभय ओसवाल, मुरलीमनोहर व्यास, जुगल सोमाणी, सुरेश अग्रवाल, विनोद उपाध्याय आदि मौजूद थे।

बौद्धिक विचार विमर्श में शामिल हुए लाहोटी

कोलकाता. ख्यात समाजसेवी कमल गांधी द्वारा स्पोर्टिंग क्लब में आयोजित बौद्धिक विचार-विमर्श व लंच में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी भी वक्ता के रूप में शामिल हुए। श्याम सोनी अध्यक्ष महासभा, संयुक्त मंत्री नवलकिशोर लखोटिया, निवर्तमान अध्यक्ष जोधराज लड्ढा, जगदीशचंद्र एस मूंदड़ा, उपाध्यक्ष बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी गोविंद शारदा, उद्योगपति श्रीनिवास मल, सभापति माहेश्वरी विकास परिषद भंवरलाल राठी प्रदेशाध्यक्ष आदि मौजूद थे।

फितरती दुनिया ने हमे धक्का दिया था
डुबाने के इरादे से...
अंजाम ये निकला हम तैराक बन गए..

प्रीति को पीएचडी की उपाधि

अमरावती. कोचिंग क्लासेस की संचालिका प्रीति तोषनीवाल (लड्डा) को बिजनेस व कॉमर्स मैनेजमेंट विषय में संत गाडगे बाबा अमरावती विवि की ओर से पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक कॉमन रैटिंग प्रणाली के अनुसार अनुसूचित बैंकों की कार्यप्रणाली के व्यवस्थापकीय दृष्टिकोण से अध्ययन विषय पर उन्होंने केएल महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.भांगड़िया के मार्गदर्शन में उन्होंने शोध किया।

तनुश्री ने जीता स्वर्ण पदक

बीकानेर. सूरतगढ़ में आयोजित राजस्थान ताइक्वांडो में दयानंद पब्लिक स्कूल की कक्षा आठवीं की छात्रा तनुश्री झंवर ने स्वर्ण पदक जीता। तुलसी 6 वर्षों से ताइक्वांडो और कराते का अभ्यास कर रही हैं। इन 6 वर्षों में तीन दर्जन से अधिक प्रतियोगिताएं खेल चुकी झंवर ने ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट के साथ कराते में ब्राउन व पर्पल बेल्ट अर्जित कर चुकी हैं। तनुश्री समाज के वरिष्ठ मनोहरलाल झंवर की पौत्री हैं।

पूनम को पीएचडी की उपाधि

भीलवाड़ा. सुभाष नगर माहेश्वरी समाज के मंत्री और समाजसेवी कैलाशचंद्र सामरिया की पुत्रवधू एवं सौरभ सामरिया की धर्मपत्नी श्रीमती पूनम माहेश्वरी को संगम यूनिवर्सिटी द्वारा स्टेडी ऑफ टेक्निक ऑफ इवेल्यूवेशन ऑफ स्पेशनल फक्शंन ऑफ इनटींग्रल ट्रांसफॉर्म विषय पर शोध करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

पलक का अमेरिका में सम्मान

डलास. बारबरा बुश लिटरेसी फाउंडेशन अमेरिका (पूर्व राष्ट्रपति जार्ज बुश की पत्नी का फाउंडेशन) द्वारा डलास फोर्टबर्थ के सभी स्कूलों में प्रतिभा की खोज हेतु एक निबंध प्रतियोगिता रखी गई। इसमें कक्षा पांचवीं की विद्यार्थी पलक माहेश्वरी पुत्री साहसा-पूजा माहेश्वरी, पौत्री सुषमा-विनोद माहेश्वरी अध्यक्ष पूर्वी उप्र माहेश्वरी सभा लखनऊ एवं दोहित्री कमलकांता व रि. जस्टिस बीके राठी (उच्च न्यायालय इलाहबाद) को चयनिक करके काऊबोवाइ स्टेडियम डलास-टैक्सास अमेरिका में गत 06 नवंबर को सम्मानित किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

रोहित लड्डा आईपीसीसी में चयनित

हैदराबाद. रोहित लड्डा पौत्र स्व. रामचंदर लड्डा, पुत्र गोविंदनारायण-सारिका लड्डा ने आईपीसीसी में दोनों ग्रुप एक साथ में उत्तीर्ण किए। वे अभी आर्टिकलशिप कर रहे हैं।

वंदना को स्वर्ण पदक

वरंगल. समाज सदस्य नंदकुमार लाहोटी की सुपुत्री वंदना लाहोटी ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेस्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च से बीफॉर्मा पूर्ण किया। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दीक्षांत समारोह में राज्यपाल नरसिम्हन द्वारा उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

राहुल लड्डा को 90% अंक

हैदराबाद. राहुल लड्डा पौत्र श्री रामचंदर लड्डा, पुत्र गोविंद नारायण व सारिका लड्डा ने बीई पिलानी हैदराबाद से 90 प्रतिशत अंक के साथ पूर्णता किया। इनका चयन स्वीगी कंपनी बैंगलोर में हुआ है।

With Best Compliments
Maheshwari Traders
Stockist :
Submercible, Monoblock, Pump, G.I. Pipes, Black Pipes, PVC Pipes Fittings & Generator
Auth. Dealer :
Balaj, Crompton, Sabar, Bharat, Techmo, VSG & Dura Pumpset
Mahesh
93004 08651
G.E. Road, Ganjpara, Durg-491001 (C.G.)
Ph. 0788-2323051, 2210711

|| Shri ||
Apeksha Medical Stores
Anil Kumar Navander
Jagdish Navander
Apeksha Medical Stores
Pharmaceutical Distributors
Opp. Natraj Garden, KHAMGAON - 444 303
Ph. : 07263 (S) 253132 (R) 250850
Fax : 253536
Mo. : 9922185678

माता महालक्ष्मी की आराधना का पर्व दीपावली देश विदेश में बसे समाजजनों ने पूरे उत्साह के साथ मनाया। इस पर्व के बाद भी इसकी खुशियां सिमटी नहीं, दीपावली मिलन व स्नेह समारोह के आयोजनों का दौर लंबे समय तक चलता रहा। इन कार्यक्रमों ने समाज की प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच भी प्रदान किया।

दीपावली के प्रकाश के साथ स्नेह की मिठास

नोखा. स्थानीय माहेश्वरी समाज का दीपावली स्नेह मिलन गत 8 नवंबर को शाम 6 बजे श्रीकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी समाज बंधुओं ने मिलकर सामूहिक रूप से दीपावली की बधाइयां दीं। सामूहिक परिचर्चा में समाजोत्थान से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा व युवा संगठन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी साझा की गई। माहेश्वरी सभा के महामंत्री शिवप्रकाश चांडक ने बताया इस सामूहिक परिचर्चा व स्नेह मिलन में नोखा के पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर, अखिल भारतीय सेवा सदन पुष्कर के उपाध्यक्ष मुरलीधर झंवर, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक सभा के पूर्व मंत्री मनोहरलाल सोनी, तहसील सभा अध्यक्ष किशनगोपाल चितलांग्या, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक सभा सदस्य ललित झंवर, बीकानेर जिला महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वरलाल भूतड़ा, नोखा सभा संरक्षक पुरुषोत्तम तापड़िया, स्थानीय सभा कोषाध्यक्ष ललित बिहाणी, बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अंकित तोषनीवाल, नंदकिशोर चांडक, कन्हैयालाल करवा, भंवरलाल जाजू, भंवरलाल बाहेती, जगदीश डागा, नारायणप्रसाद चांडक, बजरंग कोठारी सहित कई समाजबंधुओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। नोखा सभा अध्यक्ष रामनिवास लाहोटी ने आभार व्यक्त किया।

वरंगल. प्रगतिशील मारवाड़ी माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के नूतन भवन में प्रगतिशील मारवाड़ी समाज एवं राजस्थानी महिला मंडल का दीपावली स्नेह मिलन गत 8 नवंबर को आयोजित हुआ। अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, सहमंत्री नंदकिशोर शर्मा, रामकिशोर मणियार, कोषाध्यक्ष नवलकिशोर मूंदड़ा, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी, महिला मंडल अध्यक्ष मीना किशन लाहोटी, भवन संयोजक नारायणदास शर्मा, मंत्री ओमप्रकाश लोया एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य पुसाराम मनियार मंचासीन थे। भवन में सहयोग के लिए सदस्याओं को सम्मानित किया गया। हाल ही में तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में उपाध्यक्ष चुने जाने पर गोपीकिशन लाहोटी का भी सम्मान किया गया।

दिल्ली. प्रदेश माहश्वेरी सभा (उत्तरी क्षेत्र) के अंतर्गत पुराना बारात घर, गुलाबी बाग में दीपावली मंगल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सभापति श्याम सोनी व विशिष्ट अतिथि पुष्कर माहेश्वरी भवन के सभापति जुगलकिशोर बिड़ला व अभा माहेश्वरी महासभा के उत्तरांचल उपाध्यक्ष अशोक सोमानी थे। रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के छोटे बच्चों व बहू बेटियों द्वारा राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि का सम्मान उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष व सचिव द्वारा किया गया। मंच का संचालन पायल लखोटिया ने किया।

जीवन क्षण भंगुर है. हमें कल का कोई भरोसा नहीं है इसलिए हमारे पास जो भी है वो आज ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए।'

▸▸ **नागपुर.** माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह मोतीलाल केला सभागृह, माहेश्वरी भवन में गत 8 नवंबर सुबह 10.30 बजे बड़ी धूमधाम से अन्नकूट की झांकी के साथ संपन्न हुआ। सभी का स्वागत मुख्य द्वार पर कन्याएं तिलक लगाकर कर रही थीं। मंच पर अध्यक्ष चंद्रकिशोर चांडक, सचिव शिवदास राठी, मुख्य अतिथि राजेश चांडक.विशेष अतिथि श्याम सोनी, मदन मालपानी, मुख्य संयोजक हर्षद करवा आदि उपस्थित थे।

▸▸ **बीकानेर.** माहेश्वरी समाज की पारिवारिक संस्था श्री प्रीति क्लब परिवार द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह स्थानीय दम्माणी हैरिटेज में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित हुआ। बीकानेर माहेश्वरी समाज संवाददाता पवन राठी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुष्कर सेवा सदन के उपाध्यक्ष मुरलीधर झंवर (नोखा निवासी) थे। क्लब सचिव नारायणदास दम्माणी ने सभी आगंतुकों का शाब्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित सोहनलाल गट्टानी (अध्यक्ष उत्तरी प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा) ने श्री प्रीति क्लब परिवार का आभार व्यक्त किया। क्लब उपाध्यक्ष यज्ञवल्क्य दम्माणी ने बताया कि इस अवसर पर श्रीप्रीति क्लब परिवार के कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा कई अन्य गणमान्यजन भी मौजूद थे। इनमें मुख्य रूप से नारायण डागा, गौरीशंकर राठी, श्यामसुंदर चांडक, कालू राठी, शशि मोहता, श्रीरतन मोहता, कमल राठी, राजेश मोहता, रमेश करनाणी आदि प्रमुख थे।

▸▸ **कोलकाता.** कोलकाता सीनियर सिटीजन फोरम द्वारा हिंदुस्तान क्लब में गत 4 नवंबर को दीपावली प्रीति मिलन सम्मेलन मनाया गया। इसमें फोरम के संस्थापक सदस्य जगदीशचंद्र एन मूंदड़ा को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष नवरतन मल सुराणा व केंद्र पदाधिकारी उपस्थित थे।

▸▸ **कोलकाता.** पं. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत 8 नवंबर को ज्ञानमंच में दीपावली प्रीति सम्मेलन आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्रदीप चौपड़ा व पीएस गुप्त ने की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार विशंबर नेवर द्वारा किया गया। जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। इस अवसर पर रवि पोद्दार, अशोक बियानी, प्रदीप अग्रवाल, सुभाष गोयनका आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

▸▸ **बैंगलोर.** माहेश्वरी सभा की ओर से स्नेह मिलन का आयोजन प्रिंसेस श्राइन (पैलेस ग्राउंड) में किया गया। समाज की संस्थाओं के पदाधिकारी गण एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य संपतलाल भूतड़ा एवं भंवरलाल मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा ने सभी का स्वागत-अभिनंदन किया। प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत एडवांस ऑडिट एवं इंश्योरेंस पेपर में सलोनी मंत्री द्वारा विश्व स्तर पर आठवां स्थान एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने तथा नेहा लोहिया का अभा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित खेल महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर पर टेबल टेनिस में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर स्वागत किया गया। विशेष सम्मान में दिनेश काबरा का समाज की संस्थाओं के नवीनीकरण में योगदान के लिए किया गया। एक्सलेंट एकेडमिक अवॉर्ड के अंतर्गत माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा केशव काबरा तथा साक्षी चांडक को पुरस्कृत किया गया। उपाध्यक्ष राजगोपाल भूतड़ा, सहसचिव अजय राठी, कोषाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, सहकोषाध्यक्ष ललित मालानी आदि की अहम भूमिका रही।

▸▸ **खरगोन.** स्थानीय माहेश्वरी समाज का अन्नकूट महोत्सव 56 भोग लगाकर स्थानीय श्रीराम मंदिर में मनाया गया। इसमें भजन-कीर्तन करके प्रसादी ग्रहण की गई। माहेश्वरी समाज की जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, उमा सोमानी, जानकी खटौड़, उषा सोमानी, कविता सोडानी, सुमन खटौड़, निशा भट्टड़, उर्मिला पलौड़, अलका सोमानी आदि मौजूद थीं।

▸▸ **वरंगल.** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा राधाकृष्णा गार्डन में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. राधेश्याम तापड़िया थे। विशेष अतिथि डॉ. सरोज राधेश्याम तापड़िया थीं। समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी ने स्वागत संदेश दिया। कार्यक्रम

संयोजक नवलकिशोर मूंदड़ा एवं सहसंयोजक डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा थे। समाज के मंत्री नवल मणियार ने कार्यप्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, वरंगल जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्रीगोपाल तोषनीवाल, प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा अनिता अशोककुमार सोनी, नवनियुक्त तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी के साथ प्रतिवर्ष की तरह वरिष्ठजन सम्मान, प्रोफेशनल, स्नातकोत्तर समाज गौरव सम्मान प्रदान किए गए।

वरंगल. प्रगतिशील मारवाड़ी समाज एवं राजस्थानी महिला मंडल का संयुक्त दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम स्थानीय नवनिर्मित प्रगतिशील मारवाड़ी एवं माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट भवन रंगमपेट में संपन्न हुआ। मंच पर प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, समाज के वरिष्ठजन पुसाराम मणियार, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी, प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के सहमंत्री नंदकिशोर शर्मा, कोषाध्यक्ष नवलकिशोर मूंदड़ा, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष मीना किशनगोपाल लाहोटी, प्रगतिशील मारवाड़ी एवं माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के सेक्रेटरी ओमप्रकाश लोया आदि उपस्थित थे। मंच संचालन प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के सहमंत्री रामकिशोर मणियार ने किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव एवं सहभोज के साथ हुआ।

गुना. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें भजन संध्या व महिला मंडल के सभी सदस्यों द्वारा छप्पन भोग का आयोजन किया गया। मंडल सदस्य पद्मा लाहोटी, प्रमिला लड्ढा, नीलिमा लाहोटी, आशा राठी एवं रिंकी भट्टर सहित कई सदस्याएं मौजूद थे।

भीलवाड़ा. जिला दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह गत 18 नवंबर को आयोजित किया गया। शुभारंभ सभी के स्वागत से किया गया। तत्पश्चात 56 भोग का आयोजन हुआ एवं महिलाओं द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी गईं। समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। बच्चों की फैंसी ड्रेस एवं गुब्बारा प्रतियोगिता आयोजित की गई। महिला एवं पुरुषों की चेयररेस भी रखी गई। विजेताओं को परितोषिक भी दिए गए। आयोजन में गोपालजी, कैलाशजी, रमेशजी, भंवरजी, राजेश एवं शकुंतला दरगड़ का विशेष सहयोग रहा। सुमित्रा दरगड़ व विरदीचंद दरगड़ ने आभार व्यक्त किया।

नागदा जंक्शन. श्री माहेश्वरी समाज नागदा जंक्शन के तत्वावधान में स्थानीय समाज भवन में गत 12 नवंबर को दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। इस दौरान समाज के बच्चों व महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक एवं सभी समाजजनों द्वारा गरबा एवं डांडिया की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा, सर्वश्रेष्ठ कपल एवं सर्वश्रेष्ठ गरबा करने वालों को पुरस्कार दिए गए। अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, सचिव तारा मोहता, गोविंदलाल मोहता, सुरेश सोडानी (ग्रेसिम इंड लि. केमिकल डिवीजन के अध्यक्ष), बंशीलाल राठी, गोपाल मोहता, रमेश राठी, नरेंद्र राठी, गिरीराज मालपानी आदि उपस्थित थे।

इंदौर. श्री इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दीपावली मिलन समारोह महेश नगर धर्मशाला में मनाया गया। इसमें इंदौर जिले के सभी ९ क्षेत्र के पदाधिकारी सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में महिलाओं के लिए सेमिनार का आयोजन रखा। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक एवं सीए पंकज कोठारी थे। सीए कोठारी का स्वागत संस्था सचिव सुमन सारडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक ज्योति झंवर व विनीता जैथलिया थीं।

कोलकाता. भारत विकास परिषद प. बंगाल, सिक्किम एवं अंडमान निकोबार द्वारा दीपावली मिलन सम्मेलन गत 17 नवंबर को साल्टलेक में आयोजित किया गया। इसमें सभी स्थानों से आए ८० से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नंदलाल सिंघानिया, अमित मूंदड़ा, जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

▶▶ **पुणे.** श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर में प्रतिवर्षानुसार अन्नकूट महोत्सव गत 11 नवंबर को संपन्न हुआ। दोपहर 12 बजे इस महोत्सव के यजमान बालाजी महिला मंडल की पदाधिकारी तथा कार्यसमिति सदस्याओं द्वारा पूजा आरती की गई। इसके बाद संस्था सदस्य तथा आमंत्रितों को महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। बाजरी के खींच का पर्वत तथा 56 भोग की झांकियां भी सजाई गईं। संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर तथा महिला मंडल अध्यक्ष शकुंतला फोफलिया ने आगंतुकों का स्वागत करके दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

▶▶ **नागपुर.** नगर माहेश्वरी सभा नागपुर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह गत 13 नवंबर को सात वचन लॉन, वर्धमान नगर, भंडारा रोड पर आयोजित किया गया। समारोह में डॉ. हरिप्रसाद सोमानी (प्रख्यात कॉर्पोरेट व बिजनेस ट्रेनर एवं सुप्रसिद्ध वक्ता लातुर) मुख्य आतिथि थे। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में समाज के उभरते हुए कलाकारों ने सामजिकता, बेटी बचाओ, हास्य का महत्व, शृंगार के मायने, भक्ति का मतलब, भाईचारा, देशप्रेम, प्रकृति को संजोये रखने जैसे अनेक उपयोगी विषय पर 'कला के नवरस' नृत्य व नाटिका द्वारा सामाजिक समरसता का संदेश दिया। स्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अतिथि स्वागत अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू ने किया। अध्यक्ष व मुख्य अतिथि तथा तीनों पंचायतों के अध्यक्ष क्रमशः चंदूबाबू चांडक, प्रमोदजी बागड़ी, राधेश्याम सारडा, जिला महिला समिति की अध्यक्ष सुषमा बंग, जिलाध्यक्ष शिवरतनजी गांधी, महिला समिति अध्यक्ष डॉ. विद्या लद्धड़, सचिव उर्मिला चांडक, संयोजिका संगीता भट्टड़, संयोजक ओम भैया मंच पर उपस्थित थे।

▶▶ **उदयपुर.** स्थानीय माहेश्वरी समाज की अनेक संस्थाओं द्वारा दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव आयोजित किए गए। उक्त जानकारी देते हुए मुरलीधर गट्टानी ने बताया कि 17 नवंबर को माहेश्वरी पंचायत शहर द्वारा पंचायत अध्यक्ष जानकीलाल मूंदड़ा की देखरेख में दीपावली मिलन समारोह व अन्नकूट आयोजित हुआ। इसी तरह आंवला नवमी को माहेश्वरी पंचायत सेवा समिति धानमंडी में भी अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह पंचायत अध्यक्ष अर्जुनलाल धुप्पड़ की देखरेख में संपन्न हुआ। यही कार्यक्रम महेश सेवा समिति सेक्टर चार में भी धूमधाम से संपन्न हुआ।

▶▶ **नागदा.** माहेश्वरी समाज नागदा का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव गत 12 नवंबर 2018 को माहेश्वरी भवन जवाहर मार्ग पर संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सुरेश सोडानी थे। अतिथि स्वागत अध्यक्ष सतीश बजाज व सचिव अशोक बिसानी ने किया। समाज द्वारा महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, डांडिया एवं गरबा में बेस्ट ड्रेस, बेस्ट कपल, बेस्ट डांडिया खेलने वालों को पुरस्कार प्रदान किए गए। डांस में प्रथम निशी राठी, बेस्ट ड्रेस में पकंज डांगरा प्रथम रहे। रात्रि 8.30 बजे महाआरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया गया। समाज के वरिष्ठ गोरधनलाल सराफ, राधेश्याम काबरा, ताराचंद मालपानी, गोविंद मोहता आदि मौजूद थे। जानकारी सांस्कृतिक मंत्री विपिन मोहता ने दी।

▶▶ **बरेली.** माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत दीपावली मिलन महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें सपरिवार सभी शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन भी किया गया। विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

▶▶ **उदयपुर.** महेश सोसायटी (माहेश्वरी समाज) उदयपुर के दीपावली मिलन एवं वरिष्ठजन सम्मान समारोह 2018 का आयोजन महावीर विद्या मंदिर सेक्टर 13 में किया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि मुख्य अतिथि राजेंद्र मंत्री (व्यवसायी व समाजसेवी), विशिष्ठ अतिथि तरुण परतानी (व्यवसायी व समाजसेवी), महेश सोसायटी के संरक्षक शंकरलाल मदादा, मुरलीधर गट्टानी एवं अंबालाल परतानी थे। अध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष दिनेश मूथा एवं सभी कार्यकारिणी सदरस्यों ने उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभास शिव वंदना एवं 501 दीपों से माहेश्वरी हैं हम बनाकर किया। अध्यक्ष कैलाश कालानी ने बताया कि इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी, महेश महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल एवं समस्य कार्यकारिणी सदस्यों ने समारोह में समाज के 75 वर्ष से अधिक आयु के 20 वरिष्ठजनों का सम्मान किया।

▶▶ **मोवा.** महेश सभा, महेश महिला संगठन एवं महेश युवा संगठन द्वारा दीपावली मिलन का आयोजन महेश भूमि मोवा पर किया गया। सभी सदस्यों ने दीपावली की शुभकामनाएं दी। महेश युवा संगठन द्वारा हाऊजी गेम खिलाया गया। इसमें सदस्यों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगदीश मोहता, भागीरथ चांडक, बजरंग बाहेती, राजकुमार चांडक, सीताराम करनानी, विश्वनाथ राठी, मंजू सोमानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई।

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटिबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

SIKCHI RESORT - A Green Paradise

विशेषताएं : ❋ निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। ❋ विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। ❋ मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट ❋ रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। ❋ जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

With Best Compliments from

Gaurav Marble

Plot No. 6 & 7, Near East Club Uppal Ring Road, Hyderabad

Specialist in :
White & Green Marbles & All Varieties Marble - Tiles & Granite

Ramprakash Phophlia
92462-75222
80-19992667

Reliance Granites

Uddan Pally Road, Shool Giri (T.N.)

चुनावी समर में माहेश्वरी योद्धा

वर्तमान में देश के तीन प्रदेशों मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में चुनावों की तैयारी हैं। राजस्थान में आगामी 8 दिसम्बर को मतदान होगा। इनमें म.प्र. व छत्तीसगढ़ में मतदान भी हो चुका है और जनता का फैसला ईवीएम में बंद है। आइये देखें इस चुनावी समर में कौन-कौन माहेश्वरी योद्धा मौजूद है?

भीलवाड़ा में ओमप्रकाश नराणीवाल

माहेश्वरी समाज के वर्चस्व वाले राजस्थान के भीलवाड़ा के विधानसभा क्षेत्र से ओमप्रकाश नराणीवाल निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधायक का चुनाव लड़ रहे हैं हैं। भीलवाड़ा का एकमात्र जननेता माने जाने वाले ओमप्रकाश नराणीवाल जैसा वर्तमान में किसी भी राजनीतिक दल के पास इनके जैसा चेहरा नहीं है। वे अत्यंत सहज, सरल,सौम्य, मिलनसार, धुन के पक्के व लगन के सच्चे, सबके सुख-दुःख में सम्मिलित होने वाले एकमात्र सामाजिक व्यक्ति हैं। लेकिन आम व्यक्ति में आशा की किरण जगाकर उत्साह भरने वाले हैं। उनका हर एक चहेता उन्हें विधायक के रुप में देखना चाहता है। इसलिए चाहे वह कांग्रेसी हो, चाहे भाजपा का हो या सपा व बसपा का हो सभी दलों के कार्यकर्ताओं के मन में अपनी मृदुभाषिता,मिलनसारिता के कारण दिलों में बसते हैं। इस बार उन्हें जो सभी समाजों से सहयोग व समर्थन मिल रहा है, उससे माहेश्वरी समाज भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस समर्थन के चलते राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में भी धुकधुकी छुट्टी हुई है।

परिवार की सम्पन्नता के साथ सहजता व सरलता

नराणीवाल परिवार प्रसिद्ध उद्योगपति एवं प्रतिष्ठित आयरन कारोबारी होने के बावजूद भी सभी 6 भाइयों का परिवार में परस्पर सहयोग के भाव, सभी जेष्ठों का सम्मान करने का आचरण, मिलनसारिता, परिवार की विशिष्ट पहचान है। नराणीवाल परिवार द्वारा भीलवाड़ा शहर की अनेक सामाजिक संगठनों,धार्मिक संस्थाओं को वित्त पोषित सेवा कार्य के साथ गो सेवा कार्य में भी विशेष रूचि है

श्री नराणीवाल अपनी राजनीतिक व व्यावसायिक व्यस्तताओ के बावजूद वे समाज सेवी गतिविधियों में भी पीछे नहीं है। वर्ष 1993 से 2000 तक सतत रूप से भीलवाड़ा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में संचालक मंडलनिदेशक, 1997 से 2000 तक श्री महेश सेवा समिति एवं महेश शिक्षा सदन भीलवाड़ा में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में श्री चारभुजा नाथ पद यात्री संघ के अध्यक्ष के रूप में सतत सेवाएं दे रहे है। उनकी छवि चुनौतियों में भी सफलता हासिल करने वाली रही है।

नामांकन में उमड़ा जन सैलाब

श्री नराणीवाल का सर्वत्र अभूतपूर्व स्वागत होकर जो अपार समर्थन मिल रहा है वो अपने आप में इतिहास बनने जा रहा है, अब तक के चुनाव में किसी भी निर्दलीय तो क्या राजनीतिक दल के उम्मीदवार के नामांकन के समय इतना स्वतः अभूतपूर्व जनसमर्थन नहीं मिला। हजारों-हजार लोग पलक-पावडे बिछा कर 7 घंटे तक ओम जी के स्वागत के लिए इंतजार करते रहे। ऐसा लग रहा था कि यह नामांकन का नहीं विजय का जुलूस था। ऐसा ऐतिहासिक दृश्य अब तक लोगों ने नहीं देखा। यह अपने आप में ओम जी की लोकप्रियता सिद्ध करता है। ओम जी को निर्दलीय होने का अकूत लाभ होने जा रहा है। ऐसे जननेता के लिए सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज भी एकजुटता के साथ उनकी विजय की कामना कर रहा है।

बीकानेर (राज.) पूर्व से कन्हैयालाल झंवर

राजस्थान के बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से 67 वर्षीय कन्हैयालाल झंवर कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में हैं। नोखा (राजस्थान) निवासी पेट्रोल पंप व्यवसायी श्री झंवर वर्ष 1972 से कांग्रेस से सम्बद्ध हैं। श्री झंवर वर्ष 1974 व 1990 तथा वर्ष 2005 में नोखा नगरपालिका अध्यक्ष रहे हैं। वर्ष 2008 में विकास मंच प्रत्याशी के रूप में विधायक चुने गए। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने जो काम किया, उसे सभी याद करते हैं। कांग्रेस ने जब भी किसी को उम्मीदवार बनाया तो उन्होंने समर्पित भाव से अपना सहयोग प्रदान किया। उनकी इसी निष्पक्ष छवि के कारण कांग्रेस पार्टी ने उन पर विश्वास कर बीकानेर (पूर्व) से उन्हें प्रत्याशी बनाया है। श्री झंवर वर्ष 1995 से 2005 तक बीकानेर जिला पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे हैं। श्री झंवर ने 2008 में हुए विधानसभा में विकास मंच से चुनाव लड़ा और विधायक चुने गए थे। पूरे विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण का कार्य किया गया। आजादी से लेकर 2008 तक पूरे विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ 174 ट्यूबवेल थे जबकि उनके 5 साल के कार्यकाल में और नए 174 ट्यूबवेल हुए। कई जल हौद व पानी की टंकी का निर्माण भी इसी कार्यकाल में करवाया गया। पूरे विधानसभा क्षेत्र में बिजली से गांवों की ढाणियों को रोशन किया। उनका यह कार्यकाल इतना सफल रहा कि अभी-भी लोग उनकी सेवाओं को याद करते हैं। यह उनके प्रति विश्वास ही कहा जा सकता है कि लगातार गत 15 वर्षों से नगरपालिका नोखा में उनके द्वारा गठित विकास मंच का ही बोर्ड रहा है।

श्रीगंगानगर से अशोक चांडक

कांग्रेस ने श्री गंगानगर राजस्थान विधानसभा सीट से अशोक चांडक को प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतारा है। लगभग 53 वर्षीय श्री डागा का परिवार भाजपा से सम्बद्ध रहा लेकिन किन्हीं मतभेदों के कारण उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ले ली। श्री चांडक की क्षमताओं और क्षेत्र में प्रभाव को देखते हुए उन्हें मात्र 2-3 माह पूर्व ही पार्टी की सदस्यता लेने के बावजूद कांग्रेस ने उनके प्रति विश्वास जताते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव अपनी पार्टी के बैनर तले लड़ने का अवसर प्रदान किया। वास्तव में देखा जाए तो श्री चांडक को राजनीति का कोई विशेष अनुभव नहीं है। वैसे उन्होंने कभी कोई चुनाव इससे पूर्व लड़ा ही नहीं है लेकिन उनकी क्षेत्र में अत्यंत साफ-सुथरी छवि है। वे राजनीति से निःस्वार्थ भाव से सम्बद्ध रहते हुए हमेशा तन-मन-धन से आम व्यक्ति की मदद में अग्रसर रहे हैं। आपके भाई नगर निकाय सदस्य हैं। व्यवसायिक रूप से श्री चांडक रियल स्टेट आदि कई वृहद व्यवसाय से संबद्ध हैं। राजनीति से दूरी के कारण स्वच्छ छवि का लाभ भी उन्हें मिल सकता है।

सांगानेर से
अशोक लाहोटी

जयपुर नगर निकाय के महापौर अशोक लाहोटी को भाजपा ने चुनौती पूर्ण राजस्थान के विधानसभा क्षेत्र संगानेर से विधानसभा प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतारा है। उन पर पार्टी द्वारा विश्वास करने का कारण उनकी हर वर्ग में पहुंच, स्वच्छ छवि तथा अद्‌भूत नेतृत्व क्षमता है, जिसका प्रदर्शन गत वर्ष उन्होंने महापौर पद के चुनाव में किया था। महापौर के चुनाव में भाजपा के बहुमत के बावजूद भी भारी कशमकश की स्थिति बनी थी। इसका कारण पार्टी की आन्तरिक गुट बंदी थी। लेकिन श्री लाहोटी इस गुटबंदी की स्थिति पर भी हावी रहे और अंत में सभी ने उन्हें महापौर चुनने पर सहमति दे दी। अब पार्टी उनकी इसी छवि को इस कशमकश भरे चुनावी क्षेत्र में भी भुनाना चाहती है। श्री लाहोटी मुख्यमंत्री के विश्वस्तों में से एक हैं।

छात्र राजनीति से हुई थी शुरुआत

श्री लाहोटी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से लम्बे समय से सक्रिय रूप से सम्बद्ध रहे हैं। सन 2001 में इसमें आप राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष चुने गये। इससे पूर्व आप छात्र संघ उपाध्यक्ष भी रह चुके है। श्री लाहोटी के नेतृत्व में इसी दौरान छात्रों की मांगों को लेकर प्रदेश में प्रथम बार 21 दिवसीय जेल भरो आन्दोलन आयोजित किया गया एवं विधानसभा पर जंगी प्रदर्शन किया गया। इस आंदोलन के सामने सरकार झुकी तथा सदन में ही सरकार से समझौता हो गया। वर्ष 2001 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद विश्वविद्यालय की जमीन पर स्व. श्रीमती इन्दिरा गांधी की मूर्ति लगाने का विरोध किया। विरोध के चलते स्वयं श्रीमती सोनिया गांधी को इस कार्यक्रम को निरस्त कर वापस लौटना पड़ा।

युवा नेता की छवि

श्री लाहोटी के नेतृत्व में अन्तर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव घुमर का त्रिदिवसीय आयोजन हुआ। इसमें प्रतिदिन 25-30 हजार छात्र- छात्राओं ने सतत् सहभागिता की। छात्र संघ की गत 15 वर्षों से सतत रूप से चली आ रही मांगों के अन्तर्गत राज्यपाल के करकमलों से विश्वविद्यालय मुख्य द्वार पर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं पार्क तथा मां सरस्वती मंदिर का लोकार्पण करवाया गया। लगभग 20 हजार छात्रों के साथ कोरियर फेयर का आयोजन किया। जयपुर शहर में प्रथम बार श्री लाहोटी के नेतृत्व में 5 हजार छात्राओं के 15 दिवसीय आरंभ रक्षा शिविर का आयोजन हुआ। इनके इसी कार्यकाल में 5 बार विश्वविद्यालय का तथा 2 बार प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं के बंद का आयोजन हुआ। श्री लाहोटी ने अपने महापौर पद के कार्यकाल की शुरुआत भी सप्ताह में 2 घंटे तथा वर्ष में 100 घंटे सफाई व्यवस्था सुधारने में योगदान देने के संकल्प के साथ ली थी।

राजसमंद से फिर
किरण माहेश्वरी

राजस्थान की वर्तमान केबिनेट मंत्री किरण माहेश्वरी को भाजपा ने पुनः राजस्थान के राजसमंद विधानसभा क्षेत्र से पुनः प्रत्याशी बनाया है। श्रीमती माहेश्वरी गत चुनाव में भी इसी सीट से विजयी हुई थीं। उन्हें पुनः इसी क्षेत्र से मौका जनता के विश्वास के कारण मिला हैं। उन्हें इस क्षेत्र ने कभी निराश नहीं किया है। उदयपुर राजसमंद संसदीय सीट भारतीय जनता पार्टी के लिये वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में एक चुनौती बनी हुई थी। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस सीट से ख्यात नेत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरजा व्यास को उम्मीदवार बनाया था। भाजपा नेतृत्व द्वारा काफी चिंतन के बाद अपनी पार्टी की उम्मीदवार किरण माहेश्वरी को बनाया। क्षेत्र की राजनीति में वैसे तो श्रीमती माहेश्वरी पहले से ही सक्रिय थीं, लेकिन इस चुनौती ने उनमें और भी आत्मविश्वास फूंक दिया। आम जनता का विश्वास व उनका यह दृढ़आत्मबल रंग लाया और उन्होंने इस चुनाव में अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी गिरजा व्यास को भारी मतों से पराजित कर एक ऐतिहासिक जीत दर्ज करवाई थी।

इस तरह रखे थे राजनीति में कदम

वर्ष 1961 में रतलाम (म.प्र.) में जन्मीं किरण की विद्यालयीन एवं उच्च शिक्षा मुम्बई में हुई। 1981 में विवाह के उपरांत वे समाज सेवा क्षेत्र में रुचि लेने लगीं। वर्ष 1985 से वे विश्व हिन्दू परिषद् की सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में राम मंदिर आंदोलन में भाग लेने लगीं। 1990 में उन्होंने सक्रिय राजनीति में भाग लेना प्रारम्भ किया। महिला मोर्चा की जिला महामंत्री के रूप में प्रारम्भ राजनीतिक जीवन में उन्होंने समर्पण, निष्ठा एवं चारित्रिक दृढ़ता से कई ऊँचाइयाँ प्राप्त की। वर्ष 1994 में आप उदयपुर नगर परिषद् की सभापति निर्वाचित हुईं। अपने गतिशील एवं सक्षम नेतृत्व से 5 वर्ष के सभापति काल में उदयपुर नगर का चहुँमुखी विकास कर एवं दक्ष वित्त प्रबंधन से परिषद को राजस्थान की सबसे सुदृढ़वित्तीय स्थिति वाली नगर परिषद बनाकर उन्होंने अपार लोकप्रियता अर्जित की।

अद्‌भुत नेतृत्व क्षमता ने दिलाई सफलता

मई 2004 में भाजपा नेतृत्व में उन्हें राष्ट्रीय सचिव का दायित्व दिया। संसद में विभिन्न विषयों पर गम्भीर चर्चा, देश हित विरोधी नीतियों का मुखर विरोध एवं क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिये तत्परता ने उन्हें सक्रिय सदस्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित कर दिया है। भाजपा नेतृत्व ने उनकी क्षमता को मान्य करते हुए जनवरी 2007 में उन्हें महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी सौंपा। वर्षों से लम्बित रेलपथ के आमान परिवर्तन, सड़कों के चौड़ीकरण, पेयजल समस्या का स्थाई समाधान एवं जन साधारण की वैयक्तिक समस्याओं में सहयोग की तत्परता ने किरण को राजस्थान की एक लोकप्रिय जननेता के रूप में विशिष्ट पहचान दी है। फिर क्या था उन्होंने क्षेत्र को निराश नहीं किया तो क्षेत्र ने उन्हें। वे जब भी चुनावी मैदान में उतरीं उन्हें मतदाताओं ने भी निराश नहीं किया।

शिवपुरी से
सिद्धार्थ लढ़ा

मप्र की शिवपुरी विधानसभा से कांग्रेस ने समाज के युवा सिद्धार्थ लढ़ा को प्रत्याशी बनाया है। यहाँ गत 28 नवम्बर को मतदान भी हो चुका है। पांच साल पूर्व कांग्रेस की राजनीति में प्रवेश करने के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले श्री लढ़ा अभी तक के कांग्रेस के सबसे युवा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। सिद्धार्थ का राजनीतिक अनुभव भले ही अधिक न हो, लेकिन राजनीति में आने के बाद कांग्रेस के हर आयोजन में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। सिद्धार्थ के पिता हरिमोहन लढ़ा शहर के एक बड़े व्यवसायी हैं। सिद्धार्थ ने कम समय में ऐसा मुकाम बनाया कि पार्टी ने उन्हें महज पांच साल के अनुभव पर ही प्रत्याशी बना दिया। श्री लढ़ा बीबीए, एलएलबी तक शिक्षित होकर आजीविका के रूप में व्यवसाय से सम्बद्ध हैं।

मनासा से
अनिरुद्ध मालू

म.प्र. के मनासा विधानसभा क्षेत्र क्र. 228 जिला नीमच से भाजपा के प्रत्याशी के रूप में अनिरुद्ध (माधव) मारू चुनावी मैदान में हैं। यहाँ भी मतदान के पश्चात फैसला ईवीएम में बंद है। श्री मारू के दादाजी स्व. श्री कन्हैयालाल मारू संघ, जनसंघ की स्थापना से राजनीति को समर्पित रहे और लगभग 30 वर्षों तक संघचालक के पद पर भी कार्यरत रहे। स्व. श्री वीरेंद्रकुमार सखलेचा एवं श्री सुंदरलाल पटवा को मुख्यमंत्री बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका रही। पिताजी स्व. श्री रामेश्वर मारू जनसंघ व संघ परिवार की सभी संस्थाओं में जिले के पदों पर कार्यरत रहे और आजीवन पार्टी के लिए समर्पित रहे। स्वयं श्री मारू का छात्र जीवन से ही राजनीतिक व संघ से जुड़ाव रहा। लगातार 20 वर्षों से जिला पंचायत के सदस्य के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 2008-13 में विधानसभा चुनाव में निर्दलीय रूप से उम्मीदवारी कर लगभग 32-32 हजार वोट प्राप्त किये। नगर परिषद मनासा में परिवार की बहू निर्दलीय रूप से चुनाव जीत कर अध्यक्ष रही। वे माहेश्वरी समाज में 20 वर्षों से समाज के ट्रस्टी एवं वर्तमान में राष्ट्रीय महासभा के सदस्य हैं। व्यावसायिक रूप से श्री मारू मैकेनिकल इंजीनियर हैं और स्वयं का व्यवसाय संचालित कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ भाटपरा से
सुनील माहेश्वरी

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के चुनाव में भाटापारा विधानसभा क्षेत्र क्र. 46 से माहेश्वरी समाज के सुनील माहेश्वरी को प्रत्याशी बनाया है। यहां मत दान हो चुका है और अब परिणाम की प्रतिक्षा है। बी.एससी व एल.एल.बी. तक शिक्षित 44 वर्षीय श्री माहेश्वरी कृषि व्यवसाय से संबद्ध हैं। वर्तमान में कांग्रेस में वे प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि के रूप में सेवा दे रहे हैं और ब्लाक कमेटी व युकां आदि में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवा दे चुके हैं। वर्ष 1999 व 2014 में जनपद तथा 2009 में जिला पंचायत सदस्य भारी मतों से निर्वाचित हुए थे। अतः वे सशक्त उम्मीदवार माने जा रहे हैं। समाज में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती हैं। उनकी टिकट में युवा संगठन का महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।

श्रीगंगानगर से
जयदीप बिहाणी

राजस्थान के विधानसभा क्षेत्र श्री गंगानगर में माहेश्वरी समाज से ही जयदीप बिहाणी ने निर्दलीय रूप से चुनावी मैदान में उतरकर इसे त्रिकोणीय बना दिया है। श्री बिहाणी का परिवार लंबे समय से कांग्रेस से संबद्ध रहा है। इसके बावजूद जब उन्हें अवसर नहीं मिला तो वे इस बार कांग्रेस के बागी के रूप में एक अत्यंत सशक्त उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरे हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस के भी एक गुट का उन्हें समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में इस विधानसभा क्षेत्र में मुकाबला अत्यंत रोचक बन गया है।

श्री बिहाणी व्यावसायिक रूप से ग्रेन मर्चेंट हैं लेकिन उनकी विशिष्ट छवि एक शिक्षाविद् के रूप में अधिक है। श्री बिहाणी वर्ष 1951 से स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा प्रदान कर रहे उनके दादाजी के नाम पर संचालित सेठ जी.एल. बिहाणी स्नातकोत्तर कॉलेज की संचालन समिति के अध्यक्ष व स्कूल संचालन समिति चिल्ड्रन अकादमी के भी अध्यक्ष हैं। इस संस्था में वर्तमान में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। वे समाज सेवा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रहे हैं और वर्तमान में माहेश्वरी सेवा समिति अध्यक्ष हैं। क्षेत्र में उनकी छवि ऐसे दानवीर के रूप में है जिन्होंने जाति भेद के बिना कई समाजों को आवश्यकता होने पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ

कमल किशोर चाण्डक

प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान – भारतीय जन फाउण्डेशन
पूर्व संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक
ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स
चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

पेरेन्टिंग अर्थात बच्चों का लालन-पालन एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आज की युवा पीढ़ी तो इसी कारण इससे दूर भागने की कोशिश करती है, लेकिन ऐसा नहीं है कि यह एक तनाव ही है, बल्कि इसे आनंदपूर्ण भी बनाया जा सकता है। इसी आनंदपूर्ण अर्थात 'जॉय फुल पेरेन्टिंग' के गुर सीखा रहे हैं, इंदौर निवासी अभिषेक पसारी।

आनंदपूर्ण पेरेन्टिग के गुर सिखाते अभिषेक पसारी

वर्तमान में अभिषेक पसारी की पहचान "आर्ट ऑफ जॉयफुल पेरेटिंग" के मार्गदर्शक के रूप में न सिर्फ क्षेत्र बल्कि देशभर में है। विभिन्न टेलीविजन चैनल व रेडियो सहित विभिन्न माध्यमों से प्रसारित उनके कार्यक्रमों ने उनकी ख्याति देश की सरहदों को लांघकर विदेशों तक भी पहुंचा दी है। गत 2009 से चली उनकी इस यात्रा का लाभ अभी तक 5 हजार से अधिक माता-पिता लेकर अपने जीवन को संवार चुके हैं। श्री पसारी "ऋषि संस्कृति विद्या केंद्र" से भी प्रशिक्षक के रूप में सम्बद्ध हैं। इसके साथ वे कपल व कार्पोरेट वर्कशॉप तथा बचपन पर आधारित कार्यक्रम भी प्रस्तुत कर चुके हैं।

स्वयं के पिता बनने पर दिखी राह

श्री पसारी ने प्रतिष्ठित संस्थान आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल हैदराबाद से प्रबंधन में स्नातक किया। फिर लंबे समय से अपने पारिवारिक फॉर्मास्युटिकल डिस्ट्रीब्यूशन व्यवसाय से संबद्ध रहे। ऐसे में जीवन का यह मोड़ वास्तव में आश्चर्यजनक ही है। हकीकत में भी यह सबकुछ ईश्वरीय प्रेरणा से ही हुआ। 2007 दिसंबर में जब अभिषेक पिता बने, तब उन्होंने व उनकी धर्मपत्नी लिपिका पसारी ने एक ट्रेनिंग ली कि कैसे अच्छे व सफल माता-पिता बनें? अभिषेक का कहना है, उस प्रोग्राम ने उनका जीवन बदल कर रख दिया। उन्होंने उसी समय यह प्रण लिया कि अब उनकी बारी है। तभी से अभिषेक व लिपिका ने इस सीख को अन्य अभिभावकों तक पहुंचाने का बीड़ा उठा लिया।

सतत चलती रही आनंद की पाठशाला

इसके लिए श्री पसारी को विभिन्न संस्थान व संगठनों द्वारा व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाता है। श्री पसारी एक आत्मज्ञानी मार्गदर्शक, दिव्यदर्शी समाजबंधु, एक लेखक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता है। वे सभी के भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक खुशहाली के लिए एक दशक से काम कर रहे हैं। इतनी कम आयु में ही उनके अंतर्मन को रूपांतरित करने वाले कार्यक्रमों से हजारों अभिभावकों की दुनिया में उनके बच्चे के प्रति प्रेम और दिशावान बनाने का संकल्प संजोया है। जीवन के कई गहरे पाठ, अभिषेक बड़ी सरलता से लोगों तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। इनकी कार्यशैली में गर्भवती महिलाओं को सकारात्मक सोच देना, पिता को अपना वास्तविक कर्तव्य समझाना और युगल जोड़ियों को कुशलतापूर्वक अपने वैवाहिक जीवन को दिशा प्रदान कराना शामिल है।

With Best Compliments from

SHREE BALAJI OIL MILLS

Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा

प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

प्रयागराज में 15 जनवरी से आयोजित होगा आध्यात्म का 'कुम्भ'

अमृत स्थली प्रयागराज में 12 वर्ष में एक बार आयोजित होने वाले कुंभ मेले का आयोजन आगामी 15 जनवरी से 4 मार्च 2019 तक होगा। इसके साथ ही यहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर धर्म, आध्यात्म व संस्कृति का महासंगम भी होगा।

अगले वर्ष के आरंभ में 15 जनवरी से 4 मार्च 2019 तक प्रयागराज में संगम तट पर पवित्र कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। प्रयागराज की पवित्र धरती भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत की पहचान रही है। प्रयागराज ही वह एकमात्र पवित्र स्थली है, जहां देश की तीन पावन नदियाँ गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती मिलती है। कुंभ को भारतीय संस्कृति का महापर्व कहा गया है। प्रयागराज के इस संगम में कुंभ के समय कई परंपराओं, भाषाओं और लोगों का भी अद्‌भुत संगम होने वाला है। संगम तट पर स्नान और पूजन का तो विशिष्ट महत्त्व है ही, साथ ही कुंभ का बौद्धिक, पौराणिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक आधार भी है। एक प्रकार से कहेंतो कुंभ स्नान और ज्ञान काभी अनूठा संगम सामने लाता है।

कुंभ में श्रद्धालुओं को विभिन्न मठों से जुड़े शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों और साधु-संतों का सान्निध्य मिलता है। अतः इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला माना जाता है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि यूनेस्को ने कुंभ मेले को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान कीहै। सेवा-सत्कार और पर्यटन व्यवस्था से जुड़े लोगों के लिए भी कुंभ एक बहुत बड़ा अवसर होता है। पवित्र कुंभ का रंग ही ऐसा होता है, जो हर तरह के पर्यटकों को अपनी ओर सहजही आकर्षित करता है, जो लोग भारत दर्शन के लिए आना चाहते हैं, उन्हें पूरे भारत की विविधता एक जगह सिमटी हुई मिल जाती है और जो लोग आध्यात्मिक टूरिज्म पर आना चाहते हैं, उनके लिए तो इससे भव्य आयोजन कोई हो ही नहीं सकता।

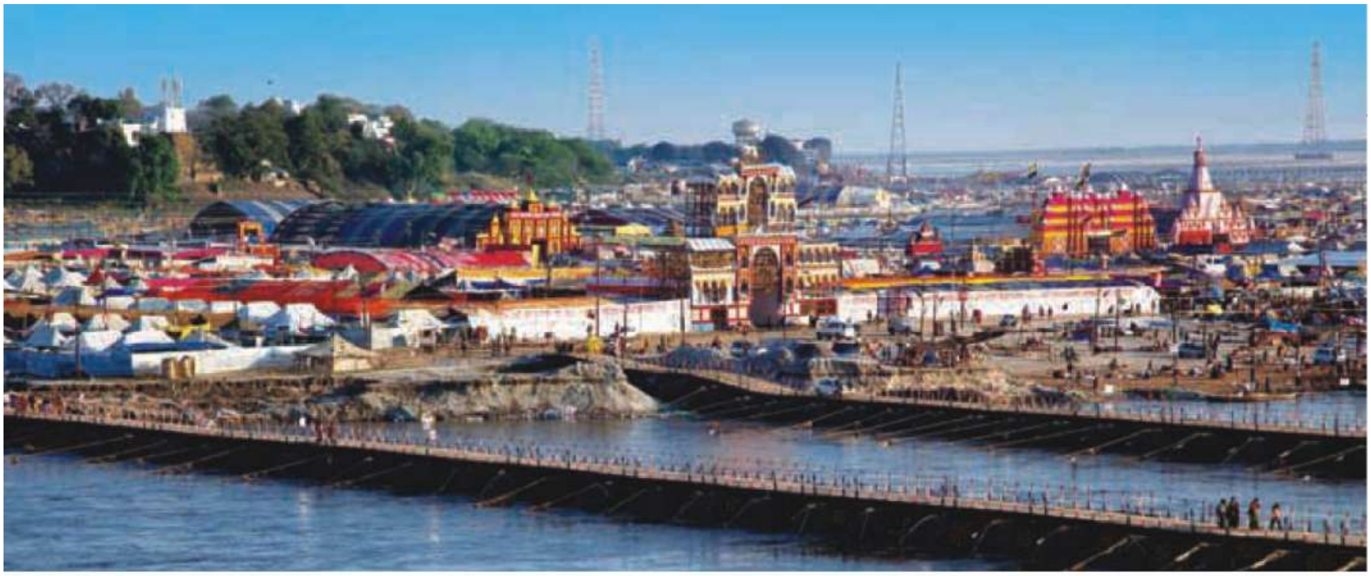

पुराणों में प्रयागराज

हमारा देश भारत विश्व की आत्मा कहलाता है और प्रयाग भारत का प्राण कहा गया है। हमारे देश को जीवनदायी शक्तियाँ इसी धरती से मिलती रही हैं। जिस तरह से सनातन धर्म अनादि कहा जाता है, उसी प्रकार प्रयाग की भी महिमा का कोई आदि अंत नहीं है। अरण्य और नदी संस्कृति के बीच जन्म लेकर ऋषियों-मुनियों की तपोभूमि के रूप में पंचतत्वों को पुष्पित-पल्लवित करने वाली प्रयाग की धरती देश को हमेशा ऊर्जा देती रही है।

प्रकृष्टं सर्वयागेभ्यः प्रयागमिति गीयते।
दृष्ट्वा प्रकृष्टयागेभ्यः पुष्टेभ्यो दक्षिणादिभिः।
प्रयागमिति तन्नाम कृतं हरिहरादिभिः।

उत्कृष्ट यज्ञ और दान दक्षिणा आदि से सम्पन्न स्थल देखकर भगवान विष्णु एवं भगवान शंकर आदि देवताओं ने इसका नाम प्रयाग रख दिया। ऐसा उल्लेख कई पुराणों से मिलता है। तीर्थराज प्रयाग एक ऐसा पावन स्थल है, जिसकी महिमा हमारे सभी धर्मग्रंथों में वर्णित है। तीर्थराज प्रयाग को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रदाता कहा गया है। यह सभी तीर्थों में श्रेष्ठ है-यह वर्णन ब्रह्मपुराण में प्राप्त होता है :

प्रकृष्टत्वात्प्रयागोऽसौ प्राधान्यात् राजशब्दवान्।

अपने प्रकृष्टत्व अर्थात् उत्कृष्टता के कारण यह ''प्रयाग'' है और प्रधानता के कारण ''राज'' शब्द सेयुक्त है।

इतिहास में प्रयागराज

वैसे तो प्रयाग क्षेत्र वैदिक और पौराणिक काल में समादृत रहा है, लेकिन ऐतिहासिक काल में भी इसके महत्व की चर्चा अनेक इतिहासकारों ने की है। जैन धर्मकी श्रमण पराम्परा के तीर्थंकर आदिनाथ का अक्षयवट के नीचे कैवल्य प्राप्त करना और बौद्ध धर्म के प्रर्वतक गौतम बुद्ध का धर्म प्रचार हेतु यहाँ आना इस क्षेत्र की महत्ता का परिचायक है। प्रयाग के प्रतिष्ठानपुर (वर्तमान झूंसी), वत्सदेश (कौशाम्बी), अलर्कपुर (अरैल), प्राचीन राज्यों में रहे हैं। प्रतिष्ठानपुर की समकालीनता अयोध्या की सूर्यवंशी नरेश इक्ष्वाकु से मानी गयी है। कहा जाता है कि उस समय यहां के राजा इला थे। वत्सदेश के महाराजा उदयन का वर्णन भी अनेक ग्रंथों

में है। सम्राट अशोक के शिलालेख स्तम्भ प्रयाग में आज भी सुरक्षित है। गुप्तकाल के बाद महाराज हर्षवर्धन के शासनकाल में प्रयाग की कीर्ति पताका सारे विश्व में लहरायी थी। कहते हैं कि महाराज हर्षवर्धन ने ही दो महाकुंभ पर्वों के बीच छठवें वर्ष कुंभ पर्व आयोजित कराने की परम्परा का सूत्रपात किया था। मध्यकालीन इतिहास में अकबर के दरबारी अबुल फजल ने आईने-अकबरी में लिखा है कि हिन्दू लोग प्रयाग को तीर्थराज कहते हैं, यहीं पर गंगा, युमना और सरस्वती तीनों का संगम है।

कुंभ की शुरुआत कब से

माघी अमावस्या को मकर में सूर्य, चंद्र और
बृहस्पति मेष राशि में हो, तभी यह कुंभ योग पड़ता है-

मेषराशि गते जीवे मकरे चंद्र-भाष्करौ।
अमावास्या तदायोगः
कुंभाख्यस्तीर्थनायके।।

यह ज्योतिषिय स्थिति 15 जनवरी 2019 को बन रही है। इसके साथ ही इसकी शुरुआत होगी।

माघ में संगम स्नान क्यों

तीर्थराज प्रयाग में माघ के महीने में विशेष रूप से कुंभ के अवसर पर गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान का बहुत ही महत्व बताया गया है। अनेक पुराणों में इसके प्रमाण भी मिलते हैं। ब्रह्मपुराण के अनुसार संगम स्नान का फल अश्वमेघ यज्ञ के समान कहा गया है। अग्नि पुराण के अनुसार प्रयाग में प्रतिदिन स्नान का फल उतना ही है, जितनाकि प्रतिदिन करोड़ों गायें दान करने से मिलता है। मत्स्यपुराण में कहा गया है कि दस हजार या उससे भी अधिक तीर्थों की यात्रा का जो पुण्य मिलता है, उतनाही माघ के महीने में संगम स्नान से मिलता है। पद्म पुराण में माघ मास में प्रयाग का दर्शन दुर्लभ कहा गया है और यदि यहां स्नान किया जाए तो वह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

यहां पर मुंडन कराना भी श्रेष्ठ फलदायी कहा गया है। मत्स्य पुराण कहता है कि प्रयाग में मुंडन के पश्चात् संगम स्नान करना चाहिए। स्कंद पुराण के काशी खंड में भी प्रयाग में मुंडन की महत्ता बतायी गई है। जैन धर्म मानने वाले यहां केशलुंचन को महत्वपूर्ण मानते हैं। आदि तीर्थ ऋषभदेव ने अक्षयवट के नीचे केशलुंचन किया था।

प्रमुख कुंभ स्नान

- मकर संक्रांति 15 जनवरी 2019
- पूस पूर्णिमा 21 जनवरी 2019
- मौनी अमावस्या 4 फरवरी 2019
- बसंत पंचमी 10 फरवरी 2019
- माघी पूर्णिमा 19 फरवरी 2019
- महा शिवरात्रि 4 मार्च 2019

अर्थवेद के अनुसार मनुष्य को सर्व सुख देने वाला कुंभ प्रदान किया गया था। कुंभ में स्नान पर्व का भी अपना महत्व और मुहूर्त होता है। संक्रांति के पूर्व और बाद की सोलह घड़ियों में पुण्यकाल माना गया है। मुहूर्त तिथि आधी रात से पहले हो तो पहले दिन तीसरे प्रहर में पुण्य काल बताया गया है और यदि मुहूर्त तिथि यदि आधी रात के बाद हो तो पुण्य काल प्रातःकाल माना जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति का पुण्यकाल चालीस घड़ी, कर्क संक्रांति का पुण्य काल तीस घड़ी और तुला और मेष का संक्रांति का पुण्य काल बीस-बीस घड़ी पहले और बाद में बताया गया है।

प्रयाग के प्रमुख दर्शनीय स्थल

द्वादश माधव व विष्णुपीठ

प्रयागराज के मुख्य देवता विष्णु कहे गये हैं। इन्हें अलग-अलग नामों से जाना जाता है। प्रयाग क्षेत्र को स्थानीय स्तर पर माधव क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है। द्वादश माधव ये हैं-

- श्री त्रिवेणी-संगम-आदिवट माधव
- श्री असि माधव (नागवासुकि मंदिर)
- श्री संकष्ट हर माधव (प्रतिष्ठान पुरी)
- शंख माधव (छतनाग मुंशी बागीचा)
- श्री आदिवेणी माधव (अरैल)
- श्री चक्र माधव (अरैल)
- श्री गदा माधव (छिवकी गाँव)
- श्री पदम माधव (बीकर देवरिया)
- श्री मनोहर माधव (जानसेनगंज)
- श्री बिन्दु माधव (द्रौपदी घाट)
- श्री वेणी माधव (निराला मार्ग, दारागंज)
- अनन्त माधव (ऑर्डिनेन्स डिपो फोर्ट)।

शंकराचार्य मठ

शंकराचार्य ने प्रयाग के महत्व को समझतेहुए यहाँ एक मठ की स्थापना कासंकल्प लिया था। उन्होंने देखा कि अलोपशंकरी देवी केसामने एक शिव मंदिर है। स्वामी ब्रह्मानन्द जी को यह स्थान उपयुक्त लगा। यहां ज्योतिर्मठ कार्यालय बनाया गया। स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती जी के ब्रह्मलीन होने के पश्चात् उनके शिष्य स्वामी विष्णुदेवानन्द सरस्वती ने इस मठ की गरिमा को बनाये रखा।

गंगा तट पर त्रिवेणी बांध में खंभे वाले मंदिर की चर्चा करते ही आदि शंकर विमान मण्डपम् की आकृति आंखों के सामने उभरने लगती है। कांची कामकोटि पीठम् के शंकराचार्य स्वामी चंद्रशेखर सरस्वती की देखरेख में निर्मित यह मंदिर प्रयाग की गरिमा को और उन्नत करता है।

बड़े हनुमान जी

गंगा, यमुना तथा अदृश्य सरस्वती के पावन संगम तट पर त्रिवेणी बांध के नीचे बड़े हनुमान जी का मंदिर अवस्थित है। इस मूर्ति के बारे में एक जनश्रुति है कि एक वणिक जो निःसंतान था, हनुमान जी की एक विशालकाय प्रतिमा बनवाकर नाव में लादकर लाया था। इसके आशीर्वाद से उसे संतान प्राप्त हुई थी।

श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान

तीर्थराज प्रयाग के परम पावन देवस्थलों में 'श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान' काअपना एक अलग ही महत्व है। यह स्थान वैष्णव सम्प्रदाय के उपासकों की पूजास्थली है। प्रयाग के दारागंज मोहल्ले के दक्षिण छोर पर स्थित यह स्थल पूरे देश में विख्यात है।

रामानन्दाचार्य मठ

आचार्य रामानंद की स्मृति में श्री रामानंदाचार्य मठ का निर्माण हुआ। वर्तमान समय में त्रिवेणी बांध के दक्षिण किनारे पर किले से सटा श्री रामानंदाचार्य मठ प्रयागके गौरव में अभिवृद्धि कर रहा है।

जंगमबाड़ी मठ

नगर के दारागंज मोहल्ले में जंगमबाड़ी मठ की शाखा स्थित है। वीरशैव मतावलंबियों का यह स्थान दशाश्वमेध घाट के पास है। वीरशैव मतावलंबियों की विशेषता यह है कि वे अपने शरीर में सदैव शिवलिंग धारण किये रहते हैं।

शिवमठ और सिद्धेश्वर महादेव मंदिर

संगम के निकट दारागंज मोहल्ले में स्थित शिवमठ सुदूर प्रांत में रहने वाले एक तपस्वी के भक्तिभाव और संस्कृति प्रेमका परिणाम है। शिवमठ का निर्माण उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति लगाकर स्थापित किया।

नागवासुकि

प्रयाग के अत्यंत प्राचीन और पौराणिक स्थलों में नागवासुकि का पुष्ट प्रमाण है। वर्तमान समय में नागवासुकि का मंदिर दारागंज (बक्शी) मोहल्ले में स्थित हैं जहां नागवासुकि की प्राचीन मूर्ति है। वासुकि मध्य में प्रतिष्ठित हैं। उनके दोनों ओर नाग-नागिनियों के चार जोड़ें कामदशाओं में उत्कीर्ण हैं।

अलोपी बाग मोहल्ले में महानिर्वाणी पंचायती अखाड़े के अधीन देवी अलोपशंकरी का मंदिर स्थित है। मंदिर में कोई प्रतिमा नहीं है, यहां एक चौकोर चबूतरा है, चबूतरे के मध्य एक कुंड है, जिसमें जल भरा रहता है। इस कुंड के ऊपर मंदिर की छत से लटका हुआ एक झूला है। मंदिर में इसी झूले और कुंड की पूजा की जाती है।

मां ललितादेवी

तीर्थराज प्रयाग स्थित ललिता पीठ अत्यंत प्राचीन है, जिसका वर्णन मत्स्य पुराण, ब्रह्मपुराण, कुब्जिका तंत्र, रुद्रयामल तंत्र, तंत्र चूड़ामणि, शाक्तानन्द तरंगिणी, गंधर्वतंत्र, देवी भागवत आदि ग्रंथों में पाया जाता है। 51 शक्ति पीठों में

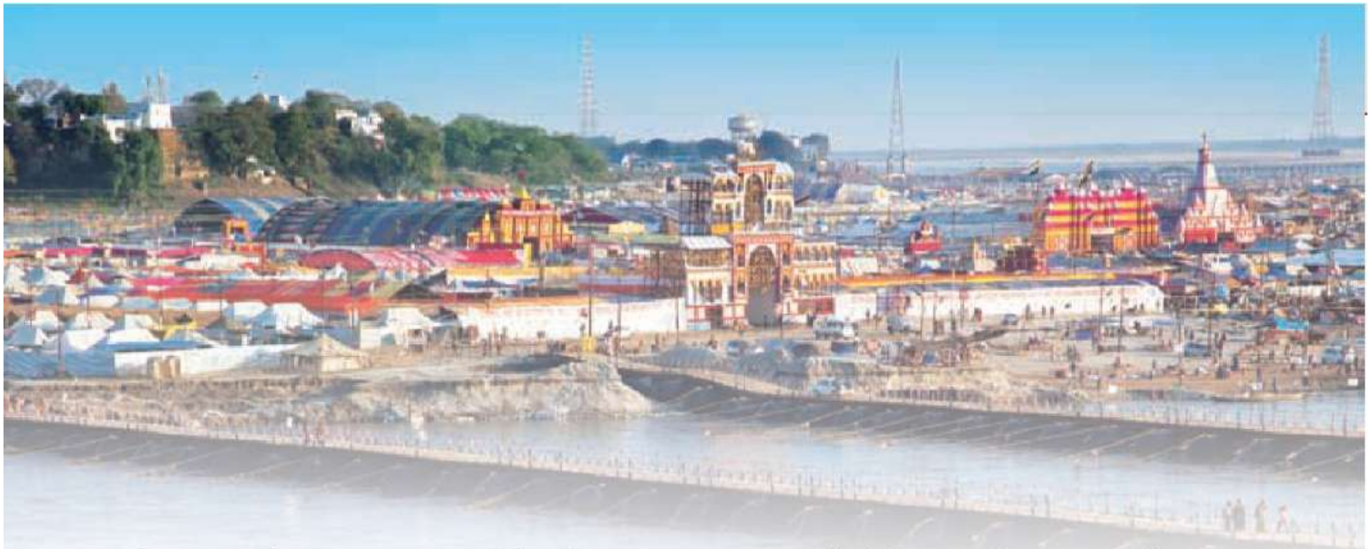

वर्णित ललिता पीठ के संबंध में सती की उंगलियों के गिरने वाली एक कथा है। प्रयाग के मीरापुर मोहल्ले में यह मंदिर स्थित है।

कल्याणी देवी

अलोपशंकरी देवी के प्रसंग में 51 पीठों की कथा के क्रम में माँ कल्याणी का भी वर्णन आया है। मत्स्यपुराण के 108वें अध्याय में कल्याणी देवी का वर्णन पाया जाता है।

भरद्वाज आश्रम

प्रयाग में भरद्वाज जी की चर्चा श्री राम के वनगमन के समय मिलती है। यह भी पुष्ट प्रमाण है कि प्रथम बार रामकथा ऋषि याज्ञवल्क्य ने भरद्वाज को सुनायी थी। कोटितीर्थ (शिवकुटी)

प्रयाग में गंगा के दक्षिणी तट पर स्थित तीर्थ को कोटितीर्थ कहा गया है। आधुनिक शिवकुटी ही कोटितीर्थ है। पद्मपुराण के अनुसार यहां कोटि-कोटि तीर्थों का निवास है।

श्री हनुमत् निकेतन

नगर के सिविल लाइंस क्षेत्र के कमला नेहरू रोड और स्टेनली रोड के मध्य ऐतिहासिक पुरुषोत्तम दास टंडन पार्क के समीप स्थित हनुमत-निकेतन साढ़े तीन एकड़ के क्षेत्र में सुंदर वाटिकाओं से सुसज्जित है।

सरस्वती कूप

संगम क्षेत्र में किले के अंदर सरस्वती कूप स्थित है। माना जाता है सरस्वती नदी यहां इस कूप में दृश्य है। इस प्रकार गंगा के पूर्वी तट पर प्रतिष्ठानपुरी (झूंसी) में हंसकूप या हसंतीर्थ स्थित है। इस पवित्र कूप का उल्लेख वाराह और मत्स्य पुराणों में मिलता है।

समुद्र कूप

हंस कूप के दक्षिण की ओर निकट ही एक और कुआँ है, जिसका नाम समुद्र कूप है। लोगों का विश्वास है कि यह कूप गुप्त नरेश समुद्र गुप्त ने बनवाया था। यद्यपि अधिकांश लोग यह मानते हैं कि इस का संबंध समुद्र से है।

अक्षय वट

पद्म पुराण के अनुसार सृष्टि के प्रलयकाल में भी यह वृक्ष स्थित रहता है, इसका नाश कभी नहीं होता, इसलिए इसे अक्षयवट कहा गया है। प्रयाग की अमूल्य निधियों में से एक है और इसका सर्वाधिक महत्व है।

मनकामेश्वर तीर्थ

मनकामेश्वर प्रयाग के प्रमुख तीर्थों में से एक है। यमुना-तट पर स्थित मनकामेश्वर भगवान शिव का मंदिर है, जिसमें मनकामेश्वर महादेव अवस्थित हैं। मनकामेश्वर महादेव के स्मरण और पूजन से लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

पातालपुरी मंदिर

संगम के निकट स्थित किले के पूर्व भाग में तहखाने में स्थित देव मंदिर का पातालपुरी मंदिर है। इसका निर्माण कब और किसके द्वारा कराया गया, यह विवरण नहीं मिलता। मंदिर के आंगन में एक विशाल वृक्ष (अक्षयवट) है, जिसकी शाखाएँ और पत्तियाँ दूर-दूर तक फैली हुई हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि किला भारतीय सेना के अधीन है और मंदिर केवल माघ के महीने में आम जनता के लिए खोला जाता है। शृंगवेरपुर

प्रयाग नगर से 35 किमी पूर्व की ओर गंगातट पर शृंगवेरपुर स्थित है। महर्षि कश्यप के पुत्र ऋषि विभाण्डक के पुत्र के रूप में जन्मे शृंगीऋषि के नाम पर इस स्थान का नाम शृंगवेरपुर पड़ा। शृंगवेरपुर में गंगा के पाँच घाट हैं। गऊघाट, मौनीघाट, शृंगवेरपुर घाट, रामचौरा घाट और कुरई घाट।

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:
Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories
Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain
Caps & Bottle for Pharmaceuiticals
(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691
Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

Karan Toshniwal
Director

Aayush Rathi
Director

Single Point solution for Keyline making, 3D Modeling, PLM Augmentation to Sample making and Production for pre-press.

PICador

Innovation is the calling card of the **future**.

Also deals in Digital Textile Printers, Packaging Software, high Speed Sublimation Printers & so on...

ORANGE

Orange O Tec Pvt. Ltd.
Shed No. A2/7111, Road No.71, Gate No.: 01 G.I.D.C Sachin,
Surat – 394230, (Guj.) India. | Email: info@orangeotec.com
www. orangeotec.com Phone : +91 7490030333 I + 91 7226861612/3/4/8

हार्दिक शुभकामनाएं

जुगलकिशोर गट्टाणी

पवन - पंकज

श्रवण - सुधांशु एवं गट्टाणी परिवार

जेपीएस होन्डा

(अधिकृत विक्रेता अमरावती जिला)

रेल्वे स्टेशन के सामने, अमरावती 444 601 फोन - 0721-2660022, 2660044

मो. 98231 47471, 93701 51703, 94221 57586

SALES • SERVICE • SPARES • SAFETY

- सभी मॉडल्स उपलब्ध
- तत्काल सेवा उपलब्ध
- पुराने गाडी के इन्शुअरन्स की सुविधा
- अत्याधुनिक वर्क शॉप
- वातानुकुलित ग्राहक परिसर
- सालाना मेंटेन्स की सुविधा पर 30% की आकर्षक बचत
- ट्रेनर राईडर
- एक्स्टेंडेट वॉरंटी सुविधा
- ब्रेक डाऊन तत्काल सर्विस

होंडा इको टेक्नॉलॉजी 60 ड्रीम मायलेज 110cc इंजिन

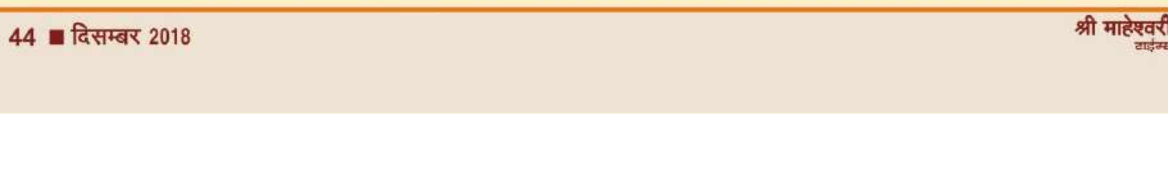

फ्री/पेड सर्विसिंग सुविधा उपलब्ध

सच कर देंगे सपने

समाज के लिये क्या उचित है? चुनाव या मनोनयन

देश के प्रमुख प्रदेशों के चुनावों के बाद समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के चुनाव की सरगर्मी भी तेज हो गई है। ऐसे में यह चिंतनीय हो गया है कि समाज के लिये क्या उचित है? मनोनयन अथवा निर्वाचन? यदि निर्वाचन पर चुनावी गुटबंदी के आरोप लगते हैं तो मनोनयन पर भी एक गुट विशेष के प्रभाव का आरोप। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि हम सोचें समाज के लिये निर्वाचन क्या है, चुनावी दंगल या समाज का फैसला? अतः इस ज्वलंत व समाजहित के विषय ''समाज के लिये क्या उचित है? चुनाव या मनोनयन'' पर आईये जानें इस स्तंभ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा सहित समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

चुनाव हों पर गुटबंदी न हो

समाज के लिये चुनाव उचित या मनोनयन? यह गहन चिंतन का विषय है। वास्तव में दोनों प्रणालियों की अपनी कमी है और अपनी अच्छाई। हमारे समाज में चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में गुप्त मतदान पद्धति से लंबे समय से चुनाव होते रहे हैं और कुछ बार मनोनयन से भी संगठन ने अपना नेतृत्व चुना है। वास्तव में देखा जाऐ तो पद्धति का अन्तर है, अन्यथा लक्ष्य तो उचित व योग्य नेतृत्व का चयन करना ही होता है।

अब हम इन दोनों प्रणालियों की अच्छाई व कमियों की तुलना करते हैं। चुनाव प्रणाली वास्तव में हर प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था की धुरी है, जिसके बिना प्रजातंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। इसमें मतदाता मतदान कर अपना नेतृत्व चुनते हैं। वास्तव में यह जनता का फैसला है। लेकिन इस प्रणाली की कमी है तो यह कि इसमें चुनावी मैदान में उपस्थिति प्रत्याशी या उनके गुट में जो चुनावी विद्वेष उत्पन्न हो जाता है, वह लंबे समय तक कष्ट देता है। वहीं हम मनोनयन को देखें तो इसमें चुनाव होते ही नहीं। अतः चुनावी विद्वेष तो उत्पन्न नहीं होता लेकिन एक गुट विशेष का वर्चस्व या कहें एकाधिकार ही हावी होता है। अतः माना जा सकता है कि मनोनयन की स्थिति को कितना भी अच्छा माना जाऐ लेकिन कहीं न कहीं इससे संगठन की प्रजातांत्रिक व्यवस्था कमजोर अवश्य ही पड़ती है।अतः मेरे विचार में जब देश के लिये चुनाव हितकर हैं, तो संगठनात्मक व्यवस्था के लिये भी ये अहितकर नहीं हो सकते। बस हमें समाजहित में इस पद्धति में सुधार करने की आवश्यकता है। हमें ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिये जिससे चुनाव के समय बने गुट स्वतः ही समाप्त हो जाऐं। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की है कि वे यही सोचकर चुनावी मैदान में उतरें कि उनका लक्ष्य सिर्फ समाजहित है। यदि हम यह सुधार कर पाते हैं तो चुनाव से अच्छी कोई व्यवस्था हो ही नहीं सकती। मनोनयन तो कहीं न कहीं ब्यूरोक्रेसी को ही उत्पन्न करता है।

- सुमिता मूंदड़ा
प्रभारी ''मत-सम्मत'' श्री माहेश्वरी टाईम्स

मनोनयन प्रावधान समाप्त हो

माहेश्वरी समाज का शीर्ष संगठन मात्र संगठन ही नहीं, बल्कि हम सबका, समाज का गौरव भी है। इस शीर्ष संगठन में शीर्ष पदों पर बैठे व्यक्तियों की समाज के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ भी होती हैं। अतः संगठन में पदों हेतु चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए यानी मनोनयन नहीं, निर्वाचन ही होना चाहिए। इस चुनाव में जो भी प्रतिनिधि चुनकर आएँ वे समाज के मत अनुरूप ही हों क्योंकि चुनाव के माध्यम से हम समाज के भाग्य का फैसला कर रहे होते हैं। अतः हम सबका दायित्व बनता है कि हमारी सोच या मंशा व्यक्ति विशेष के प्रति न होकर समाजहित के प्रति हो।

इतने बड़े शीर्ष संगठन की चुनाव प्रक्रिया में मनोनयन मुद्दा होना ही नहीं चाहिए। सीधे चयन या मनोनयन के इस प्रावधान को समाप्त किया जाना चाहिए और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु निर्वाचन प्रक्रिया ही अपनायी जानी चाहिए। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की मजबूती की दृष्टि से भी चुनावी प्रक्रिया अपनाना ही उचित प्रतीत होता है, क्योंकि हमें समाज की बागडोर ऐसे हाथों में सौंपना है, जो समाज का कुशल नेतृत्व करते हुए समाज को नई दशा और दिशा दिखाने में सक्षम हों। यह तभी संभव हो पाएगा जब संगठन के पदों के लिए निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया अपनाई जाए। ऐसा करने से महासभा को मजबूती मिलेगी और समाज को कुशल नेतृत्व उपलब्ध हो सकेगा।

वैद्यराज रमेश कुमार माहेश्वरी
निवर्तमान संयुक्त मंत्री (मध्यांचल)

मनोनयन में ब्यूरोक्रेसी का राज

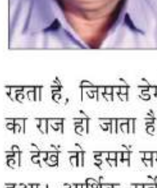

वास्तव में देखा जाऐ तो महासभा जैसे समाज के शीर्ष संगठन में तो मनोनयन नहीं चुनाव ही होना चाहिये। मनोनयन में एक गुट विशेष का एकाधिकार रहता है, जिससे डेमोक्रेसी के बजाय ब्यूरोक्रेसी का राज हो जाता है। वर्तमान के कार्यकाल को ही देखें तो इसमें समाजहित में ज्यादा कुछ नहीं हुआ। आर्थिक सर्वेक्षण के फार्म भरवाए गये

लेकिन उनका भी समाज को कोई लाभ नहीं मिला। यह एकाधिकार ही तो कहा जा सकता है कि पश्चिमांचल म.प्र. से मात्र इंदौर शहर से ही 20-25 लोगों को विभिन्न समितियों में ले लिया गया। प्रश्न उठता है कि क्या पूरे प्रदेश में किसी भी अन्य स्थान पर कोई योग्य व्यक्ति ही नहीं मिला? एक गुट विशेष के प्रभाव के कारण जितना अधिक नुकसान इंदौर का हुआ इतना कहीं और नहीं। युवा संगठन के प्रदेश में सम्पन्न चुनाव में भी महासभा का निंदनीय हस्तक्षेप रहा। स्थिति यह है कि कार्यसमिति सदस्यों की राय के बिना एक तरफा निर्णय होते हैं। इसी का परिणाम माहेश्वरी पत्रिका के अध्यक्ष का चयन भी है। इंदौर के माहेश्वरी परिचय सम्मेलन की न्यूज तक 'माहेश्वरी' में प्रकाशित नहीं हुई। अतः मेरे विचार में निर्विरोध निर्वाचन हो, यह तो ठीक है, पर मनोनयन बिल्कुल उचित नहीं।

डॉ. रवींद्र राठी, इंदौर
कार्यकारी मंडल सदस्य, महासभा

चुनाव ही बेहतर विकल्प

मनोनयन का अधिकार संविधान में नहीं है। निर्विरोध को कार्यकर्ता मनोनयन समझ लेते हैं। चुनाव समाज नहीं प्रतिनिधि करते हैं। जिससे योग्य व्यक्ति शिखर पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। फिर भी चुनाव इसलिए बेहतर विकल्प है कि इसमें अधिक अयोग्य या विचारहीन लोगों पर अंकुश रहता है। जब-जब निर्विरोध व्यक्ति शिखर पर बैठा है समाज को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ऐसा जानकार लोगों का मत है।

महेशश्री (राठी), मुंबई
सभापति मारवाड़ी महासभा

चुनाव नहीं मनोनयन हो

मेरे अनुसार मनोनयन होना चाहिये चुनाव नहीं। चुनाव से कटुता आती है। मनोनयन पूर्णतः ईमानदारी के साथ होना चाहिये। पिछली बार जो चुनाव के नाम पर मनोनयन हुआ था वह चालाकी हुई थी, न कि चयन उन्होंने नाम थोपे थे। मेरे मत के हिसाब से समाज में चुनाव नहीं होना चाहिये समाज में द्वेषता फैलती है और चुनाव प्रणाली बहुत खर्चीली होने से करोड़ों के खर्चे होते हैं। अतः जहाँ तक हो चुनाव टालना चाहिये। यद्यपि लोकतंत्र में चुनाव आवश्यक है। फिर भी सर्वसम्मति से होना चाहिये और ईमानदारी से होना चाहिये।

रमेश काबरा, मुम्बई
संपादक 'समाज प्रवाह'

मनोनयन में निरंकुशता हावी

जब देश में सर्वमान्य रूप से लोक तांत्रिक व्यवस्था है और वह सफल भी है, तो मेरा तो मानना है कि हमारे शीर्ष संगठन महासभा में भी स्वस्थ लोकतंत्र ही होना चाहिए। महासभा में वर्ष 2013 तक चुनाव के द्वारा उम्मीदवार चुनकर आए और यदि जोधराजजी लड्ढा को छोड़ दिया जाए तो सभी ने अच्छा ही काम किया। वर्तमान में मनोनयन में क्या हुआ? विरोधाभास, निरंकुशता व गुटबंदी हावी है। यदि चुनाव होते हैं, तो उचित उम्मीदवार मिलता है। चुनाव लड़कर वही आता है, जिसके मन में समाज के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति होती है। समाज को कुछ देने की जिसमें भावना होती है। मनोनयन में तो समाज के जो मठाधीश अर्थात प्रभावशाली लोग हैं, वे अपने चमचों को ऊपर ले आते हैं। अतः चुनाव ही चयन की सही प्रक्रिया है। ये पूर्ण लोकतांत्रिक पद्धति से हों।

विजय राठी, इटारसी
प्रदेश अध्यक्ष, म.प्र. पूर्वी सभा

उपयुक्त पात्र महत्त्वपूर्ण

मनोनयन नहीं होना चाहिए, चुनाव या चयन हो सकता है। बशर्ते उम्मीदवार उस पद के लिए सभी तरह से उपयुक्त हो। ना कि कोई भी मनचाहे खड़े हो जाएं और चुन भी जाएं। राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन चुनाव नहीं करता है, लेकिन उस पद के अनुरूप योग्य उम्मीदवार का चयन करके उन्हें उस पद के लिए तैयार किया जाता है। चयन हेतु उपयुक्त पात्र होना चाहिए। आवश्यक नहीं है कि चुनाव ही हो।

-शोभा सादानी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला संगठन

लोकतांत्रिक व्यवस्था स्वीकारें

समाज के लिए चुनाव उचित या मनोनयन? मेरे विचार में यह मुद्दा चिंतन का ही नहीं है। हम लोकतंत्र में जी रहे हैं, तो लोकतांत्रिक पद्धति को अपनाना ही ठीक है। अतः मेरे विचार में चुनाव होना ही अच्छा है। रही गुटबंदी की बात, तो क्या मनोनयन में ऐसा नहीं होता? वर्तमान में मनोनयन हुआ तो क्या हुआ? वही गुटबंदी हावी है। इस पद्धति से जो आया उसने क्या किया? उसने भी तो महत्वपूर्ण पदों पर अपने ही आदमी फिट किए। ऐसे में निष्पक्षता तो चुनावों से ही हो सकती है। यदि हम लोकतांत्रिक पद्धति को मानते हैं, तो चुनाव के अलावा नेतृत्व चयन का कोई अन्य सही विकल्प नहीं है।

नवल राठी, चेन्नई
पर्व कार्यसमिति सदस्य

चुनाव हों यही ज्यादा अच्छा

चयन से समाज में दूरी व मनमुटाव पर रोक लगती है लेकिन इस बार हुआ मनोनयन पारदर्शिता से नहीं हुआ। वास्तव में यदि मनोनयन हो तो वह उम्मीदवारों को विश्वास में लेकर होना चाहिए। वर्तमान स्थिति से लोगों में बहुत अधिक असंतोष रहा। अतः मुझे नहीं लगता कि पारदर्शिता से मनोनयन हो पाएगा। ऐसे में मेरे विचार में चुनाव हों यही ज्यादा अच्छा है। बस लक्ष्य यही होना चाहिए कि सभी काम निष्पक्षता से हों। उम्मीदवार ऐसा होना चाहिए जो समाज की समस्या पर केंद्रित हो और तन-मन-धन से अपना योगदान दे सके, जिनके पास समाज को देने के समय भी हो, जो यह सब कर सके उसे ही आगे आना चाहिए। मतदाता बेवकूफ नहीं होता, वह सब कुछ समझता है।

- रामगोपाल मूंदड़ा, सूरत
निवर्तमान उपसभापति

चुनाव मतदान से ही हो

हर समाज के दो पहलू होते हैं, समाज में वोटों के द्वारा चुनाव होने पर निश्चित ही गुटबंदी हो जाती है और अर्थ का भी बहुत खर्च होता है। आपस में मनमुटाव भी हो जाता है। दूसरा पहलू यह है कि समाज में मनोनयन होने पर एक गुट का विशेष प्रभाव रहता है। मनोनीत होने वाले पदाधिकारी एक तरफा कार्रवाई करते हैं। मनोनीत होने वाले पदाधिकारियों को चाहिये कि वो सब को साथ में लेकर कार्य करे। समाज को संगठित करने का कार्य करे। वर्तमान में जो स्थितियाँ बनी हैं वे समाज के लिए ठीक नहीं है। अतः मेरे विचार से समाज में चुनाव मतदान से ही होना चाहिये। जिससे कि किसी एक ग्रुप का एकाधिकार नहीं रहे।

- कमलकिशोर चांडक,
पूर्व संयुक्त मंत्री (महासभा)

युवा संगठन ने बनाई युवाओं के सर्वांगीण विकास की योजना

युवा वर्ग समाज की मुख्यधारा से दूर होता रहा है। अतः उन्हें समाज से जोड़ने के साथ उनके सर्वांगीण विकास को लक्ष्य बनाकर युवा संगठन कार्य कर रहा है। आइये जानें अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की जुबानी युवा संगठन की सेवा यात्रा की कहानी कि संगठन ने अभी तक क्या किया और वह क्या-क्या करने जा रहा है?

समाज हित में युवा संगठन निरंतर युवाओं और समाज बंधुओं की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके सपनों, उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करता आ रहा है। इसी क्रम में इस सत्र में उच्च शिक्षा, रोजगार, व्यापार, व्यवसाय, विवाह, खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक विकास से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे युवाओं का सर्वांगीण विकास हो सके तथा युवक व युवतियों का संगठन से जुड़ाव हो और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़े। 25 मार्च 2017 को सूरत में सत्र के प्रारंभ से ही इस सत्र की कार्ययोजनाओं को मूर्तरूप दिया जाने लगा और इसी क्रम में प्रथम कार्य समिति बैठक कोटा में 14 मई 2017 को आयोजित हुई जिसमें सत्र के लगभग सभी कार्यक्रमों एवं योजनाओं से संबंधित निर्णय लिए गए। वृंदावन में महासभा की कार्यकारी मंडल एवं कार्यसमिति बैठक के साथ 19, 20 अगस्त 2017 को प्रथम कार्यकारी मंडल एवं द्वितीय कार्यसमिति बैठक सम्पन्न हुई। तृतीय कार्य समिति बैठक रामेश्वर धाम में 4, 5 नवंबर को रामेश्वर धाम दर्शन के साथ सानन्द सम्पन्न हुईं। द्वितीय पंचम कार्य समिति बैठक हैदराबाद में 18 मार्च 2018 को युवा शिक्षारत्न सम्मान समारोह के साथ सम्पन्न हुई। षष्ठम् कार्य समिति बैठक बद्रीनाथ धाम में 5-6 मई 2018 को बद्रीनाथ धाम दर्शन के साथ सम्पन्न हुई।

झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव का किया आयोजन

हाल ही में अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के संयोजन एवं इंदौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में इंदौर में 29, 30 सितंबर व 1,2 अक्टूबर 2018 को चार दिवसीय झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। उक्त खेल महोत्सव में नेपाल तथा संपूर्ण भारतवर्ष के 24 से अधिक प्रदेशों के 850 से अधिक प्रतिभागियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 13 स्टेडियमों में एक साथ क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस, कैरम, दौड़ तथा तैराकी प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। क्रिकेट और वॉलीबॉल के अलावा सभी प्रतियोगिताएँ पुरुष एवं महिला वर्ग की अलग-अलग संपन्न हुईं। खेल महोत्सव के विजेताओं एवं विशेष प्रतिभाओं को युवा संगठन द्वारा संसाधन उपलब्ध कराकर संबंधित अकैडमी में ट्रेनिंग दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा ताकि हमारे समाज की युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता मिल सके। खेल महोत्सव के दौरान मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक युवा साथियों की उपस्थिति रही। माहेश्वरी बंधुओं को विशेष उपलब्धि के लिए माहेश्वरी समाज रत्न से सम्मानित किया गया।

प्रतिभाओं को भरपूर समर्थन

जल्द ही राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक ट्रस्ट का निर्माण किया जा रहा है जिससे समाज की विशेष प्रतिभाओं को ट्रस्ट द्वारा संसाधन उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके। राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा युवा साथियों एवं समाज बंधुओं को राजनैतिक क्षेत्र में भागीदारी दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान विधानसभा चुनावों में कुछ युवा साथियों को अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों से टिकिट दिलाने का प्रयास किया गया, जिसमें सफलता भी मिली। खेल महोत्सव के साथ ही अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र की तृतीय कार्यकारी मंडल की बैठक एवं सप्तम कार्यसमिति बैठक का आयोजन भी हुआ।

सेवा गतिविधियों से भरपूर रहा गत वर्ष

पिछले वर्ष महेश नवमी महोत्सव 2017 के अंतर्गत देशभरमें हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए युवा संगठन के 'लोगो' का डाक विभाग की माई स्टाम्प योजना के तहत डाक टिकट के रूप में विमोचन देश के विभिन्न स्थानों पर किया गया। देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया एवं उनमें 15000 से अधिक ब्लड यूनिट इकट्ठा हुई। इस वर्ष भी महेश नवमी

महोत्सव 2018 के अंतर्गत देशभर में 250 से अधिक स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया एवं उनमें 17000 से अधिक ब्लड यूनिट इकट्ठा की गई। देश के विभिन्न स्थानों पर "प्राउड टू बी माहेश्वरी" के स्टीकर वितरित किए गए। पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर संपूर्ण भारत में और 13 अन्य देशों में हजारों की संख्या में पौधारोपण हुआ। पिछले वर्ष विश्व योग दिवस पर संपूर्ण भारतवर्ष में अनेक स्थानों पर योग शिविरों का आयोजन हुआ तथा 10000 से अधिक समाजजन शिविरों में सहभागी हुए।

युवाओं के विकास के लिये कई प्रयास

"सशक्त युवा-समृद्ध समाज" की परिकल्पना को साकार करने के लिए राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तहत 50000 से 70000 युवा सदस्यों को स्थानीय संगठन से सक्रिय सदस्य के रूप में जोड़ने के लक्ष्य के तहत अब तक 38500 से अधिक सदस्यों को जोड़ा जा चुका है। पदाधिकारियों द्वारा 300से अधिक स्थानों पर भ्रमण किया जा चुका है और अधिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर लगातार बिजनेस सेमिनार, कैरियर काउंसलिंग, केरियर गाइडेंस शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु राष्ट्रीय संगठन द्वारा ट्रेनर्स और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। देश के प्रख्यात एलन इंस्ट्रीट्यूट और कैरियर पाइंट ने संपूर्ण भारत वर्ष में निःशुल्क कैरियर काउंसलिंग एवं कैरियर गाईडेंस शिविरों का आयोजन करने की सहमति दे रखी है। युवा शिक्षा रत्न 2017 के अंतर्गत देशभर से कक्षा 12वीं के 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 1325 से अधिक छात्र-छात्राओं ने ऑनलाईन आवेदन किये। देशस्तर पर टॉप-10 विद्यार्थियों और सभी राज्यों के टॉपर विद्यार्थियों को हैदराबाद में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में होटल नोवोटेल, एयरपोर्ट में 18 मार्च 2018 को सम्मानित किया गया।

अभी बहुत कुछ और भी तैयारी

इस वर्ष युवा शिक्षा रत्न 2018 के अंतर्गत कक्षा 12वीं के साथ-साथ 10वीं कक्षा को भी उक्त योजना से जोड़ा जा रहा है। कक्षा 12वीं के वाणिज्य, कला एवं विज्ञान विषयों के विद्यार्थियों को अलग-अलग सूचीबद्ध किया जाकर देश और प्रदेश के टॉपर का चयन किया जाएगा। बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए राष्ट्रीय ऑनलाईन क्विज "ब्रेन हंट" प्रतियोगिता नवंबर/दिसम्बर 2018 में आयोजित की जाएगी। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा अ.भा माहेश्वरी महासभा के तत्वावधान में जोधपुर में 4 से 7 जनवरी 2019 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो में बदलते परिवेश में युवा आशायें, विश्वास एवं विकास, बदलते परिवेश में आर्थिक और व्यापारिक चुनौतियाँ एवं समाधान, विषयों पर सेमिनार, परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही युवा साथियों के व्यापार और व्यवसाय में वृद्धि के लिए स्टार्ट अप चैलेंज के तहत ऑनलाईन आवेदन लिंक www.mgc19.in पर प्राप्त किए जा रहे हैं। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि अधिक से अधिक युवा साथी एवं समाज बंधु महाधिवेशन में भाग ले सकें।

गृहस्थाश्रम का प्रवेश द्वार
विवाह संस्कार

देव प्रबोधिनी एकादशी के साथ विवाहोत्सवों की शहनाइयों की गूंज फिर से प्रारम्भ हो चुकी है। वास्तव में विवाह हमारी संस्कृति के पावन 16 संस्कारों में से एक है। क्या है, इसकी महत्ता? आइये जानें रामचरित मानस के आख्यानों के साथ बिड़ला समूह की प्रमुख व ख्यात लेखिका स्व. डॉ. सरलादेवी बिड़ला के राम विवाह प्रसंग के विश्लेषणात्मक आलेख से। सौभाग्यवश इसका पूर्व में भी श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशन हो चुका है। पाठकों की जिज्ञासावश पुनः प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश।

हिन्दू संस्कृति में विवाह-संस्कार के शुभ अवसर पर जयमाल प्रसंग गृहस्थाश्रम में प्रवेश करने का मुख्य द्वार है। गोस्वामी तुलसीदास कृत रामायण रामचरित मानस में धनुष यज्ञ की भूमिका में सीता स्वयंवर के अवसर पर श्री रामचन्द्र के गले में जयमाल डालने की एक चित्रमय झांकी इस प्रकार प्रस्तुत की गयी है -

दोहा - *संग सखीं सुन्दर चतुर, गावहिं मंगलाचार।*
गवनी बाल मराल गति, सुषमा अंग अपार।।
सखिन्ह मध्य सिय सोवती कैसें। छबिगन मध्य महाछवि जैसें।।
कर सरोज जयमाल सुहाई। बिस्व विजय सोभा जेहिं छाई।।
तन सकोचु मन परम उछाहू। गूढ़प्रेम लखि परइ न काहू।।
जाइ समीप राम छबि देखी। रहि जनु कुअंरि चित्र अवरेखी।।
चतुर सखीं लखि कहा बुझाई। पहिरावहु जयमाल सुहाई।।
सुनत जुगल कर माल उठाई। प्रेम बिबस पहिराइ न जाई।।
सोहत जनु जुग जलज सनाला। ससिहि सभीत देत जयमाल।।
गावहिं छबि अवलोकि सहेली। सिय जयमाल राम उर मेली।।

सोरठा - *रघुबर उर जयमाल, देखि देव बरसहिं सुमन।*
सकुचे सकल भुआल, जनु बिलोकि रबि कुमुदगन।।

यह उस समय का चित्रांकन है जब धनुष यज्ञ के अवसर पर आयोजित स्वयंवर में उपस्थित राजाओं के समक्ष श्री रामचन्द्र द्वारा शिव धनुष तोड़े जाने के बाद सीताजी सुन्दर चतुर सखियों के साथ हंस के बच्चे की चाल से श्री रामचन्द्र के समीप जा रही है। उनके अंगों की सुषमा अपार है, अतुलनीय है। सखियां मंगलाचार के गीत गाती जा रही हैं। यहां सखियों के बीच सीताजी इस प्रकार शोभायमान हैं जैसे अनेक छबियों के बीच एक महाछबि विराजमान हो - उनके कर कमलों में जयमाल की शोभा निराली है जिस पर विश्व विजय करने की सुन्दरता छिटक रही है - सीताजी में एक ओर तो लज्जा का भाव प्रकट हो रहा है किन्तु दूसरी ओर मन में अत्यंत उत्साह और उमंग है। गहरे प्रेम का होना किसी को नहीं जान पड़ता। उन्होंने समीप जाकर श्री रामचंद्र की सुन्दरता को देखा और किसी चित्र में अंकित कुमारी कन्या की तरह स्तब्ध हो गयीं। इस स्थिति में देखकर चतुर सखियों ने समझा-बुझाकर कहा-''सुंदरी जयमाल पहनाओ। इतना सुनते ही सीताजी ने दोनों हाथों से जयमाल को उठाया किंतु प्रेम में इतनी बेबस हो गयीं कि श्रीराम के गले में डाल ही नहीं पा रही हैं। उस स्थिति में सीताजी के दोनों हाथ नाल सहित दो कमल जैसे चन्द्रमा (श्रीमुख रामचन्द्र) को डरते-डरते जयमाल दे रहे हैं। यह दृश्य देखकर सहेलियां गीत गाने लगीं - तब सीताजी ने श्रीराम के गले में जयमाल डाल दी।

हमें पता है कि हिन्दू संस्कृति में विवाह संस्कार अथवा पाणिग्रहण

संस्कार एक महत्वपूर्ण संस्कार है। इसके साथ ही गृहस्थाश्रम आरम्भ होता है। सामाजिक व्यवस्था के निर्माताओं की दृष्टि में पति-पत्नी गृहस्थ रूपी रथ के दो पहिये हैं। दोनों पहिये जितने सुदृढ़, सक्षम, समर्थ होंगे, दाम्पत्य जीवन उतना ही सार्थक और सुखमय होगा इसके बारे में भी आगे चलकर कुछ प्रकाश डालने की चेष्टा करूंगी, अभी तो वर्तमान समय में विवाह संस्कार के शुभ अवसर पर सर्वप्रथम कन्या पक्ष के सदस्यों की ओर से बारातियों का स्वागत करते हुए कन्या द्वारा वर के गले में जयमाल डालने के प्रसंग पर ही अपने कुछ विचार प्रकट करना चाहती हूं।

भारतीय मनीषियों की दृष्टि में अन्य देशों की सभ्यता एवं संस्कृति में विवाह केवल इन्द्रियों की तृप्ति और भोग का साधन मात्र है, क्योंकि उनके जीवन का लक्ष्य है - Eat Drink and be Marry अर्थात् 'खाओ, पीओ और मौज करो' उनकी संस्कृति उनको यही पहचान देती है। हमारी हिन्दू संस्कृति में विवाह का क्या लक्ष्य या आदर्श है? यह एक विचारणीय विषय है। विस्तार में न जाकर जयमाल प्रसंग पर ही कुछ कहना है।

हिंदू विवाह संस्कार में जयमाल के आदान-प्रदान के अवसर पर कई बार देखने में आता है कि वर-कन्या द्वारा माल्यदान का यह दृश्य कन्या पक्ष एवं वर पक्ष के सगे-सम्बन्धियों तथा युवक-युवतियों की होड़ में हास्यास्पद हो जाता है। दोनों पक्षों की ओर से वर-कन्या को उपर उठाकर जयमाल पहनाने के ढंग पर मर्यादा, शिष्टाचार और अनुशासन का सम्यक पालन नहीं हो पाता परिणामतः माला गले में पड़ते-पड़ते कभी टूट जाती है या फिर नीचे गिर जाती है। इसे एक अशुभ संकेत माना जा सकता है। इस पर दोनों पक्षों के माँ-बाप एवं परिवार के वरिष्ठ समाज सदस्यों तथा सम्बन्धियों को विचार करने की जरूरत है। रामचरित मानस में वर्णित जयमाल प्रसंग कितना मर्यादित, मधुर और अलौकिक है। हमें जयमाल जैसी सुप्रचलित पद्धति की गरिमा एवं महिमा को ध्यान में रखकर इस कार्यक्रम में सुधार लाने का प्रयत्न करना चाहिए। समाजसेवी संस्थाओं और कर्मियों का ध्यान आकर्षित करना ही मेरा उद्देश्य है।

जयमाल को संस्कृत में 'वरस्रज' की संज्ञा दी गयी है। गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने के पहले वर और कन्या द्वारा माल्यदान अथवा जयमाल का आदान-प्रदान करने की प्रथा एक दूसरे को पति-पत्नी के रूप में हृदय और मन से ग्रहण करने की ऐसी पवित्र पद्धति है जो विवाह-संस्कार की आदर्श मर्यादा के रूप में एक आधार स्तम्भ है। यह स्तम्भ जितना दृढ़ एवं आदर्शपूर्ण होगा, समाज या राष्ट्र उतना ही उन्नत एवं गतिशील होगा। वैदिक परम्परा के अनुसार पाणिग्रहण संस्कार के अवसर पर जया होम होता है और सप्तपदी के पश्चात विवाह संस्कार सम्पन्न होता है। यहां जया का तात्पर्य जय से है जो जयमाल के महत्व से जुड़ा हुआ है। यहां विस्तार में जाना सम्भव नहीं। जयमाल के प्रसंग में मेरे सामने एक ऐसी घटना घटी जिसे देखकर एक समाजसेवी होने के नाते मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने उस लड़की के साहस की प्रशंसा की। वर पक्ष की ओर से वर को उपर उठकार जयमाल पहनाने के दुराग्रह पर लड़की ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'नीचे उतरने पर ही मैं जयमाल पहनाउंगी।' सबने इस घटना की सराहना की। जयमाल के प्रसंग में मेरे कहने का तात्पर्य है कि सीता स्वयंवर में जयमाल प्रसंग सामाजिक स्तर पर एक आदर्श पद्धति और भारतीय परम्परा का मूल आधार है। हमें अपनी सांस्कृतिक चेतना के आलोक में सुसंस्कृत स्तर पर इसकी गरिमा के प्रति सतर्क व सचेत रहने की आवश्यकता है।

गृहस्थाश्रम का मूल है, भार्या अथवा पत्नी। इस संदर्भ में वाल्मिकी रामायण में सीता स्वयंवर के अवसर पर राम को सम्बोधित करते हुए श्री जनक का कथन है - 'यह मेरी बेटी सीता तुम्हारी सहधर्मचरी है। सहधर्मचरी से तात्पर्य है कि आज तक तुम अकेले धर्म का पालन कर रहे थे, अब तुम्हारे धर्म कार्यों में मेरी बेटी सहयोग देने वाली हो गयी है। इससे तुम्हारे धर्म कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न होते रहेंगे। इसे स्वीकार करो, इसके कर कमलों को अपने कर कमलों से ग्रहण करों'। इस आदर्श कथन को प्रत्येक माता-पिता को जयमाल प्रसंग से लेकर कन्यादान और पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न होने तक स्मरण में रखना चाहिए। इसी में

हार्दिक शुभकामनाएँ

KAMAL
MICRO REFINED
RICE BRAND OIL
Available in 15 Ltrs., 15 Kgs.
& 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

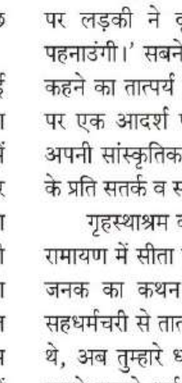

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

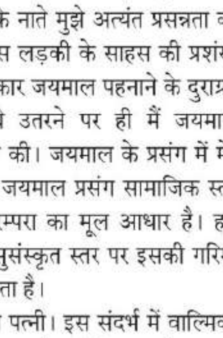

दामोदरदास मूँदड़ा
पूर्व अर्थमन्त्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

Regd. Office : "Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works : G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

नये युग की मांग बनता व्यवसाय

इवेंट मैनेजमेंट

आज से लगभग एक दशक पूर्व तक 'इवेंट' की जिम्मेदारी किसी मैनेजमेंट टीम को सौंपना केवल कुछ बड़े आयोजनों तक सीमित था, लेकिन वर्तमान दौर में यह समय की मांग बन गया है। यदि आपमें इवेंट से संबंधित क्षेत्र में रुचि है और इससे संबंधित हर चुनौती से निपटने का जज्बा है, तो आपके लिये यह कॅरियर का अत्यंत उज्ज्वल क्षेत्र हो सकता है।

▸▸ टीम SMT

मेहनती, समय सुचकता, संयम, सहनशील प्रवृत्ति आदि गुणों का समावेश यदि आपके व्यक्तित्व में है, तो आप अच्छे इवेन्ट मैनेजर हो सकते हैं। इस व्यवसाय में नियमितता नहीं होती। हर वक्त आपके पास काम हो ही ऐसा नहीं होता। जिस व्यक्ति को इस क्षेत्र में आना है, उसमें इस व्यवसाय में स्थिरता लाने के लिए 5 से 6 वर्ष की अवधि देने की क्षमता होनी चाहिये। इवेंट मैनेजमेंट का किसी संस्था से प्रशिक्षण लेकर किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में कुछ समय नौकरी करने के बाद इस व्यवसाय में स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए। इस व्यवसाय में सबसे महत्वपूर्ण बात है, आपका संपर्क। जितना ज्यादा प्रभावी आपका संपर्क होगा, उतना इस व्यवसाय के लिये फायदेमंद होगा।

परिस्थितियों से उपजा व्यवसाय

आज स्पर्धात्मक दुनिया में अपना अस्तित्व बनाने के लिये हर कोई भाग रहा है। ऐसे गतिशील और व्यस्त समय में कोई पारिवारिक या सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करना काफी मुश्किल होता है। किसी भी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करना यह अपने आप में एक कला है। हर कोई इसे नहीं जानता। कार्यक्रमों के सफल आयोजन को ही इवेंट मैनेजमेन्ट कहते है। आजकल किसी भी कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी में खुद को व्यस्त करने के बजाय, इन आयोजनों का 'कॉन्ट्रेक्ट' किसी व्यक्ति या संस्था को देकर उनसे अपनी पसंद या आवश्यकतानुसार कार्यक्रम करवाना यह पहले फैशन और अब 'आवश्यकता' बन चुकी है।

इवेंट मैनेजमेंट की आवश्यकता

बड़े शहरो में इस प्रकार की कई कंपनियाँ हैं, जो आपके किसी भी कार्यक्रम को आपकी अपेक्षा के अनुरूप आयोजित करती है। पैसा होने के बावजूद भी अपनी व्यस्तता की वजह से आयोजन हेतु समय न दे पाने से काफी कठिनाईयाँ आती हैं। इन कठिनाईयों को ध्यान में रखकर ही अनेक इवेंट मैनेजमेन्ट कंपनियाँ सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय कर रही हैं। जन्मदिन से लेकर सभी पारिवारिक कार्यक्रम, व्यवसायिक कार्यक्रम जैसे प्रॉडक्ट लॉन्चींग, फैशन शो, अवार्ड फंक्शन, राजनीतिक कार्यक्रम, सभाओं आदि या विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन ये कंपनियाँ करती हैं।

माहेश्वरी समाज में इवेंट मैनेजमेंट

माहेश्वरी समाज उत्सव प्रिय समाज है। बदलते हुए समयानुसार समाजजनों ने इवेंट मैनेजमेंट को अपनी जिंदगी में विशेष जगह दी है। अपने हर कार्यक्रम की जिम्मेदारी इन कंपनियों को देकर काम के तनाव से मुक्त रहना हर व्यक्ति की सोच बन गयी है। जिससे कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों से मिल-जुलकर बात करने का मौका आयोजक को मिलता है। हमारे बजट में कार्यक्रमों का नियोजन यह कार्य ये कंपनियाँ करती हैं। यह व्यवसाय बहुत तेजी से बढ़रहा हैं।

उज्जैन बनता 'वैवाहिक इवेंट हब'

मप्र में स्थित उज्जैन शहर वैसे तो भगवान महाकालेश्वर की नगरी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है लेकिन अब इसमें 'वैवाहिक इवेंट हब' की नई पहचान भी जुड़ गई है। आमतौर पर बड़े शहर ही नहीं बल्कि कस्बों में भी किसी भी 'इवेन्ट' को आयोजित करते वक्त कठिनाईयां आ जाती है यही कारण है कि इवेन्ट मैनेजमेन्ट बहुत तेजी से बढ़ रहा व्यवसाय है। वैवाहिक आयोजन कठिन कार्य हैं बड़े शहरों में महंगाई और स्थान की कमी समस्या है। तो कस्बों में सुविधाओं की कमी, जबकि उज्जैन शहर हर मामले में आयोजकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यहां कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में "मैरिज गार्डन" विकसित हुए हैं। विभिन्न समाजों की धर्मशालाएँ तो अत्यंत बड़ी संख्या में पहले से ही हैं। यदि इन धर्मशाला, टेंट, कैटरिंग व मैरिज गार्डन की सुविधाओं को देखा जाए तो ये किसी भी बड़े से बड़े शहर के आयोजनों तक के लिये पर्याप्त हैं। इन ही स्थितियों के कारण यहां आयोन सस्ता व सुविधाजनक है। इवेंट मैनेजमेंट टीम भी इतनी बड़ी संख्या में हैं, जो कुशलता से संपूर्ण आयोजन की जिम्मेदारी ले लेती है।

बनवारीलाल जाजू

अध्यक्ष- गीता भवन ट्रस्ट, इन्दौर

भू.पू. उपसभापति- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

ADARSH SHEET GRAH PVT.LTD.

Regd. off.: 115-B, Industrial Estate, INDORE-452 003

Cold Storage : Sanatorium Road. RAU -453 331 (M.P.)

PH.: (Off.) 2421014,2330564,2330810,

Rau-2856201,2856102 Resi.: 2516540-41-42-44

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),

दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

वर्तमान दौर में वैवाहिक संबंध तय करना ही एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में संतान की कुंडली यदि मंगली हो तो विकट स्थिति बन जाती है। वास्तव में मंगल की स्थिति ही मंगल दोष का निर्धारण नहीं करती। हकीकत देखें तो मंगली कुंडलियों में से मात्र 5-10 प्रतिशत ही ऐसी होती हैं, जो पूर्णतः मंगली हों अन्यथा अधिकांश में तो परिहार हो जाता है।

हमेशा अमंगलकारी नहीं होता मंगल दोष

▸▸ टीम SMT

विवाह के लिये कुंडली मिलान करते समय मंगली दोष के संबंध में भ्रांति बहुत अधिक है। कुछ लोग स्वयं ही लड़के या लड़की की कुंडली के 1,4,7,8 या 12वें भाव में मंगल होने पर मंगली दोष मान बैठते हैं और वे अपने मंगली लड़के या लड़की के लिये मंगली कुंडली वाले लड़की या लड़के की तलाश में भटकते रहते हैं। अपवाद स्वरूप द्वितीय भाव में स्थित मंगल को भी मंगली मान लिया जाता है। मंगल दोष का स्वरूप आमतौर पर ऐसा बना दिया गया है कि जैसे कोई भयानक विपत्ति आ गई हो। ऐसा होता भी है लेकिन तब जब इन ग्रहों कापरिहार न हो या शुभ ग्रह की दृष्टि ने होकर मंगल पापग्रह से ग्रस्त हो।

मंगलकारी भी होती है मंगली कुंडली

हमेशा मंगली स्थिति अमंगलकारी ही नहीं होती कई बार ये जातक के पराक्रम में वृद्धि कर उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करती है। उदाहरणार्थ यदि सिंह राशि में मंगल हो तो वह जातक को अद्भुत नेतृत्व क्षमता व सफलता दिलाता है। इसे अपवाद रूप में कुलदीपक योग ही माना जा सकता है। ठीक इसी तरह शुभ ग्रहों से दृष्ट मंगल अक्सर कल्याणकारी हो जाता है। अन्य ग्रहों की स्थिति भी मंगल दोष का परिहार अधिकांशतः कर देती है। अतः मंगल दोष होने पर योग्य ज्योतिषी का मार्गदर्शन अवश्य लेना चाहिये।

इन स्थितियों में नहीं रहता दोष

- ▸▸ यदि एक को मंगल ग्रह का दोष हो तथा दूसरे की कुंडली में कोई पाप ग्रह शनि या राहु उसी स्थान पर हो।
- ▸▸ यदि मंगल नीच राशि में या शत्रु राशि में या अस्त या वक्री हो।
- ▸▸ लग्न या सप्तम स्थान में बलवान गुरु या शुक्र स्थित हो।
- ▸▸ 1,4,10,5 व 9 वें भाव में शुभ ग्रह गुरु या शुक्र स्थित हो।
- ▸▸ मेष राशिगत मंगल लग्न में, वृश्चिक राशिगत चतुर्थ में, मकर राशिगत सप्तम में, कर्क राशिगत आठवें तथा धनु राशिगत 12वें स्थान में हों।
- ▸▸ यदि द्वितीय स्थान में चंद्र एवं शुक्र हो।
- ▸▸ मंगल पर गुरु की दृष्टि हो।
- ▸▸ लग्न, चतुर्थ या दशम स्थान में राहु हो।
- ▸▸ मंगल के साथ राहु स्थित हो।
- ▸▸ लड़के-लड़की के राशियों के स्वामी ग्रहों की परस्पर मित्रता हो।
- ▸▸ लड़के-लड़की के गुणों की संख्या बहुत अधिक हो।
- ▸▸ लड़के-लड़की की राशियाँ (मधुर) मिलती हों।

उपर्युक्त परिहारों को ध्यान में रखकर कुंडली मिलान करने पर मंगल ग्रह सुखी जीवन बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

With Best Compliments from
Tirumala
Venkateshwara Paper & Board Pvt. Ltd.
MANUFACTURE OF TEST LINER
TIRUMALA VENKATESHWARA
PAPER & BOARD PVT. LTD.
KRAFT PAPER MANUFACTURERS
Purshottam Gandhi
9849592243
Manoj Gandhi
99890-24275
Vivek Gandhi
9849024275
Factory :
Sy.No. 50/A, Vill : Andugulpeta, Mdl: Mandamari, Dist: Adilabad-504831 (T.S.) India
Tel: 08736-201200, Email : tirumalapaper @gmail.com
Regd. Office :
Devdarshan, Enclave, Banglow No. 14, Near Diamont Point,
Sikh Village, Secunderabad- 500011,
Tel : 40-27750159, E-mail : manojgandhi24275@gmail.com

वर्तमान दौर में राजनीति भी ऐसा चमकता-दमकता क्षेत्र बन चुका है, जिसमें हर कोई अपनी तकदीर आजमाना चाहता है। इसके बावजूद इनमें से बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं, जो विशेष सफलता हासिल करते हैं। ऐसा होने का कारण है, आपकी जन्मकुंडली जिसका राजयोग निर्धारित करता है कि राजनीति में ऊंचाई को छुऐंगे या नहीं। इसके बिना सत्ता सुख नहीं मिल पाता।

राजयोग के बिना नहीं मिलता सत्ता–सुख

▸▸ टीम SMT

जन्म कुण्डली के केन्द्र अर्थात् लग्न, चतुर्थ, सप्तम एवं दशम और उसी तरह मूल त्रिकोण अर्थात् नवम व पंचम भाव, जब इन भावों के स्वामी परस्पर दृष्टि सम्बंध या युति कर रहे हों, जो केन्द्र या कोण से भिन्न स्थानों में हो तो ऐसे जातक को साधारण राजयोग होता है। ऐसा जातक उच्चस्तरीय पद तो प्राप्त नहीं करता पर उच्चस्तरीय राजनेताओं से विशिष्ट सम्पर्क में रहता है। किन्तु इन्हीं भावों के स्वामी जब उच्चराशिगत हों, उनकी युति परस्पर एक दूसरे के भावों में हो यह भाव परिवर्तन केन्द्र यानि कोण में होवे तो ऐसा जातक उच्च स्तरीय राजनीतिज्ञ एवं शासक बनता है। यदि योग कारक ग्रह 3, 6, 11 के स्वामियों से या अष्टमेश से संबंध नहीं रखते हैं तो राजयोग प्रबल होकर फलदायी होता है।

कर्क व धनु लग्न राजनीति में प्रभावी

वैसे तो सभी लग्नों में जन्म धारण करने वाले जातक एम.एल.ए. से लेकर यह पी.एम. तक बन सकते है तथापि यदि इतिहास पर दृष्टिपात करें तो सबसे अधिक राजा व राजनेता कर्क लग्न के जातक हुए हैं। इनमें मदनमोहन मालवीय, लोकमान्य तिलक, पं. जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गाँधी, विश्वनाथ प्रतापसिंह, इंद्रकुमार गुजराल, एच.डी. देवेगोडा, वसुंधरा राजे सिंधिया, सोनिया गाँधी, मेनका गाँधी, नजमा हेत्तुल्ला, आर.के. नारायणन, मायावती, मुलायम सिंह आदि शामिल हैं। विदेश में भी कर्क लग्न के बिल क्लिंटन, जॉर्ज बुश, मिखाईल गर्वाचोव, नेल्सन मंडेला, परवेज मुशर्रफ आदि कर्क लग्न में ही जन्मे जिन्होंने अपनी कार्यशैली, नीति निपुणता तथा उच्च कोटि के नियोजन एवं नेतृत्व शक्ति द्वारा अपना वर्चस्व विश्व को दिखाया। वास्तव में कर्क लग्न की कुण्डली में केन्द्र एवं त्रिकोण में अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति का निर्माण होता है जो तुला, मकर व मेष राशी में आए स्वक्षेत्री या उच्च ग्रहों के कारण अत्यधिक प्रभावशाली हो जाता है। ऐसी स्थिति धनु लग्न के जातकों के साथ भी बनती है क्योंकि सम्पूर्ण केन्द्र दो ग्रहों के अधिपत्य में होकर नवपंचम भाव भी सूर्य एवं मंगल अधीन हो जाता है। ऐसे में उच्चराशी स्वराशी या मित्र राशी के ग्रह इन भावों में हो तो राजयोग और भी प्रबल होता है। इसमें ख्यात चिंतक एवं डॉ. की मानद उपाधि से सम्मानित डॉ. राजेंद्रप्रसाद, डॉ. राधाकृष्णन, डॉ. अब्दुल कलाम, डॉ. हेडगेवार, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. फारुक अब्दुल्ला शेख, अजीत सिंह, लालबहादुर शास्त्री आदि शामिल हैं।

ये स्थितियाँ भी बनाती हैं राजयोग

- ▸▸ मंगल, बुध, गुरु, शुक्र एवं शनि उच्चराशी गत होकर केन्द्र में आसीन होवें।
- ▸▸ सभी ग्रह- कन्या, मीन, मिथुन, वृष, सिंह, धनु एवं कुंभ राशी में होकर केन्द्र में स्थित हो।
- ▸▸ सभी ग्रहों का नियोजन क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9 भावों में हो।
- ▸▸ सभी ग्रह चन्द्रमा की होरा में हो।
- ▸▸ बलवान शुभग्रह लग्न, सप्तम व दशम भाव में हो। मंगल व शनि क्रमशः नवम व एकादश भाव में हों।
- ▸▸ लग्न में मीन राशी का शुक्र मीन नवमांश होकर स्थित हो तो वह राजनेता होता है।
- ▸▸ लग्न में अश्विन नक्षत्र का शुक्र स्थित हो तथा उसे सभी ग्रह देखते हों।
- ▸▸ लग्नेश अपनी उच्चराशी में हो तथा चन्द्रमा से पूर्ण दृष्ट हो।
- ▸▸ सभी शुभग्रह 3, 6, 10, 11 (उपचय) स्थान में हों तथा पाप ग्रह लग्न एवं दशम में हों।
- ▸▸ तीन या अधिक ग्रह नीच राशी में होकर अपने उच्च नवांश या शुभ षष्टयांश में हों।
- ▸▸ बुध व सूर्य ग्रह की युति मिथुन या कन्या राशी में हों।
- ▸▸ सूर्य व बुध सुख भाव में, शनि-चन्द्र दशम भाव में तथा मंगल लग्न में हों।
- ▸▸ सिंह का सूर्य लग्न में (शुक्र के नवमांश में नहीं) तथा कन्या का बुध हों।
- ▸▸ लग्नेश बली (उच्च का स्वक्षेत्री) होकर केन्द्र में स्थित हो तथा मित्र ग्रहों से दृष्टि संबंध रखता हों।
- ▸▸ लग्नेश अपनी उच्चराशी तथा उच्च या मित्र नवांश का हों व केन्द्र में कोई ग्रह नहीं हो।
- ▸▸ जन्म समय में एक भी ग्रह परमोच्च राशी में स्थित हो व उसे उसका अतिमित्र ग्रह देखता हो।
- ▸▸ कुण्डली में दो-तीन ग्रह उच्च राशी गत हों, चन्द्रमा स्वराशी में हो व लग्न पूर्ण बली हों।
- ▸▸ शुक्र अपनी शत्रुराशी (4, 5) या नीच राशी (6) के अतिरिक्त अन्य राशियों में होकर द्वितीय भाव में हो व लग्नेश पूर्ण बली हो।

With Compliments of

Kalyan Janki Charitable Trust

29/13 Ballygunge Park,
Doveland Court, Kolkata-700019

Ramashankar Jhawar
Trustees

Raj Jhawar
Rohan Jhawar

जब विवाह होता है तो हर नवदम्पत्ति अपने सुखद जीवन के सपने संजोये होता है। ऐसा होना भी चाहिये लेकिन इसके लिये तैयारी भी जरूरी है। इन्हीं तैयारियों में शामिल है, वास्तु। नवदम्पत्ति का शयन कक्ष उनके भावी जीवन की रूपरेखा तैयार करता है, तो आईये जानें कैसा हो शयन कक्ष।

दाम्पत्य की सफलता के लिये अनदेखा न करें शयन कक्ष

वास्तु शास्त्रानुसार शयनकक्ष का आकार वर्गाकार नहीं होना चाहिये आयताकार होना चाहिये। आयताकार भी चंद्रवेदी होना सर्वश्रेष्ठ है। घर में शयनकक्ष का चयन सोने वाले की उम्र, कार्य, पद एवं कार्यशैली अनुरूप करना चाहिए। जो घर के मुख्यकर्ता हैं एवं व्यापार में रत हैं उनका शयनकक्ष साथ वेस्ट में ही होना चाहिये एवं सोते हुए उनका सिर दक्षिण दिशा में होना चाहिये। जो बालक-बालिकाएँ शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उनका सिर पूर्व में सोने का स्थान नॉर्थ ईस्ट या ईस्ट या नॉर्थ श्रेष्ठ माना गया है। जो बालक-बालिकाएँ शिक्षा के साथ-साथ कहीं भी कार्य में रत हैं उनका स्थान साउथ वेस्ट के नजदीक होना चाहिए एवं उनका सिर दक्षिण में होना चाहिए (कुछ विद्वानों के मत अनुसार सिर पश्चिम में भी किया जा सकता है)। घर का कर्ता जो व्यापार में सलग्न है मगर व्यक्तिगत रूप से जिद्दी एवं गुस्से का संयोग साथ में लिये हैं उन्हें कभी भी साउथ वेस्ट का कमरा नहीं लेना चाहिए। बालिकाएँ जिनकी उम्र शादी के करीब आने वाली है उनका शयन कक्ष नॉर्थ वेस्ट में ही होना चाहिये। अज्ञानतावश भी साउथ वेस्ट में शयनकक्ष न दें अन्यथा संबंध (शादी) होने में बाधाएँ आती है।

कैसे हो आंतरिक साजसज्जा

शयनकक्ष की आंतरिक सज्जा (इंटीरियर डेकोरेशन) का निद्रा के साथ चोली-दामन का साथ है। आंतरिक सज्जा गलत होने पर निद्रा में विघ्न, अस्वस्थता आने में देर नहीं लगती। शयनकक्ष में पलंग दक्षिणी दीवार पर लगायें। अलमारियाँ दक्षिण-पश्चिम में लगाये। पलंग के सामने कभी भी टी.वी., कम्प्यूटर, आईना न लगायें। पूर्व उत्तर का भाग ज्यादा-से-ज्यादा खाली रखने का प्रयास करें। पलंग के अगल-बगल में दोनों तरफ आलमारी न लगाये। ऐसा करने से मस्तिष्क और कंधों पर एक बोझ एवं मीठा-मीठा दर्द, मस्तिष्क में भारीपन होना संभव है। रूम में हलका फर्नीचर व्यवहार करे। रूम की छत सिम्पल प्लेन रखें। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) द्वारा उसे अप-डाउन न करें। अप-डाउन होने से शरीर में कई तरह के रोग एवं व्याधियाँ होने का डर है। पलंग के माथे के ऊपर कभी भी कोई बड़ी लोफ या टांड न बनावें। रूम के अंदर अगर कोई बिम्ब का वेध हो तो उसे प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) के द्वारा प्लेन करने का प्रयास करें। पंखा पलंग के ऊपर न आये इसका ध्यान रखें। कोई सुंदर-सी सीनरी जो आँखों के द्वारा पसंद आये। हिंसात्मक न हो कलात्मक हो, उसको लगाने का प्रयास करें।

पलंग का रखें विशेष ध्यान

पलंग का आकार सिम्पल हो। पलंग के सिरहाने के तरफ आईने का डिजाईन लाईट, इलेक्ट्रीक (लाईट) स्वीच बोर्ड का प्रयोग न करें। पलंग के सिरहाने की डिजाईन सिम्पल आयताकार रखें उसमें गोलाई का प्रयोग एकदम न करें। पलंग के नीचे बॉक्स न बनवायें। आजकल स्थान अभाव के कारण बनाने का चलन हो गया है। बॉक्स में गिफ्ट पैक, चाँदी-स्टील के बर्तन, बेकार के सामान, फटे-पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, भाला-तलवार एवं लोहे का कोई भी सामान न रखें। चादरें, रजाई, गद्दे इत्यादि रखे जा सकते हैं। पलंग पर गद्दा एक ही लगाना चाहिए दो नही। दो गद्दे होने से मतांतर में वृद्धि होती जाती है। इस पर विशेष रूप से ध्यान दें। शयनकक्ष का मुख्य द्वार उत्तरी वायव्य, नैतृत्व एवं पूर्वी अग्नि में न हो। शयनकक्ष में कम-से-कम आंतरिक सज्जा करायें। शयन कक्ष को ज्यादा-से ज्यादा खुला एवं खाली रखने का प्रयास करें।

देवी-देवता के चित्र न लगाएँ

सद्गृहस्थ के शयनकक्ष में कोई भी तीर्थकर, देवी देवता, णमोकार एवं बीजाक्षरों द्वारा निर्मित यंत्र या उसका चित्र न रखें। शयनकक्ष का रंग हल्का मनमोहक एवं दिशाओंके हिसाब से होना चाहिए। साउथ वेस्ट के शयनकक्ष में कभी भी ग्रेनाइट, मार्बल का प्रयोग न करें। अज्ञानतावश हो गया हो तो उस पर कॉरपेट लगवा लें। कमरे में हवा-धूप आने के साधन जरूर होने चाहिए। ए.सी. लगाये तो ध्यान रखें कि ए.सी. की हवा डायरेक्ट आपके पलंग पर न आये।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

ख़ुश रहें... ख़ुश रखें...

परिवार बचाना हो तो प्रेम जरूर बचाएँ

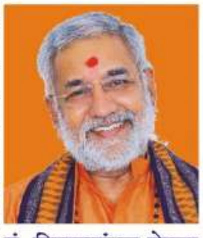

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

एक सवाल उठता है कि परिवार क्यों अशांत हो जाता है। दरअसल, परिवार बनता है अनेक सदस्यों से। पति-पत्नी, पिता-पुत्र, माँ-बेटी सबमें अपना-अपना अहंकार और अपनी-अपनी कामनाएँ होती हैं। कम या अधिक हो सकती हैं पर होती जरूर हैं। देखा जाए तो प्रेम ही परिवार का आधार है। परिवार में जितना अधिक प्रेम होगा उतनी अधिक शांति और स्वर्ग की अनुभूति होगी। परिवार के प्रेम को ठिकाने लगाने के लिए अहंकार और स्वार्थ कैंची की तरह काम करते हैं।

अहंकार के कारण परिवार के सदस्य एक-दूसरे पर अपना अधिकार जमाने का प्रयास करते हैं और स्वार्थ के कारण हर सदस्य अपने हित व सुख की बात सोचने लगता है। ऐसे में सदस्यों के बीच जो पारिवारिक राग होता है वह द्वेष में बदलने लगता है और प्रेम बैर का रूप ले लेता है। देखा गया है कि मतभेद की शुरुआत हँसी-मजाक के साथ टीका-टिप्पणी से शुरू होती है और यहीं से अंतरमन में दरारें पड़नी शुरू हो जाती हैं।

व्यक्तिगत टिप्पणियाँ व्यक्तियों के बीच दूरी बढ़ाती है। इस दौर में द्वेष को प्रवेश की जगह मिल जाती है। परिवार में अधिकांश संबंध राग से शुरू होते हैं। जिन्हें लोग प्रेम कहते हैं किंतु यह विशुद्ध प्रेम नहीं होता, सिर्फ राग होता है। राग धीरे-धीरे द्वेष में बदलता है और इसमें अहंकार की बड़ी भूमिका रहती है।

अहंकारी के मन का स्वभाव होता है कि वह अपने मनपसंद काम कराने के लिए दूसरों को बाध्य करता है। ठीक यही बात दूसरे सदस्य के मन में भी होती है। यदि इसका उल्टा हो, मन में प्रेम, सेवा अपनेपन की भावना हो तो सामने वाले में भी वैसी भावना जागने लगती है। मन संक्रमण करता है। इसीलिए परिवार बचाना हो तो प्रेम बचाएँ और प्रेम को अहंकार तथा राग से बचाएँ।

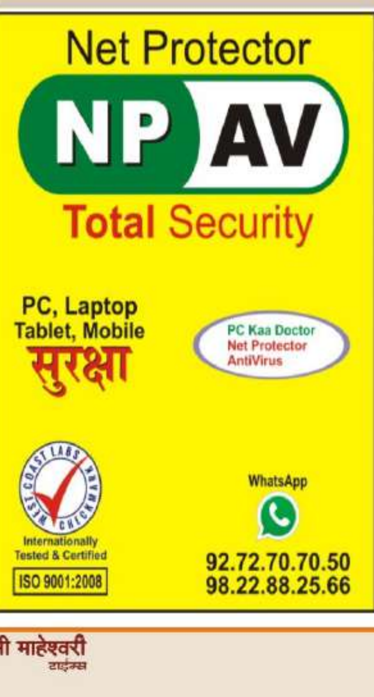

खाना–खजाना

बाजरे के लड्डू

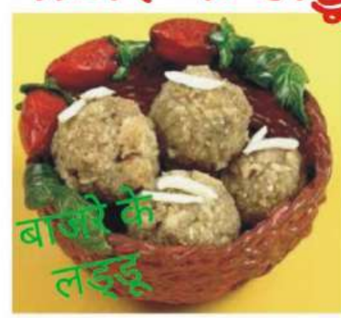

सामग्री- बाजरा-1.5 कप 200 ग्राम, गुड़ 1 कप 250 ग्राम, घी-1/2 कप 150 ग्राम, काजू-10-13, बादाम-10-12, खाने वाला गोंद 2 चम्मच, नारियल-2-3 चम्मच, इलायची पावडर-1/2 चम्मच।

विधि - कढ़ाई में दी गई मात्रा से आधा घी डालकर गरम करें। फिर उसमें गोंद डालकर धीमी आंच पर पकाएं। जब वह फूल जाए तब उसे प्लेट पर निकाल लें। अब बाकी बचे घी में बाजरे का आटा डालकर लगातार चलाएं। जब आटे का रंग बदल जाए और अच्छी खुशबू आने लगे तथा वह घी को खुद से अलग करने लगे तो समझिये आटा तैयार है। आटे को अलग कटोरे में निकालें। गुड़ को तोड़कर पीस में कर लें। फिर इसे कढ़ाई में पिघला लें। उसके बाद गैस बंद कर दें। बादाम और काजू को बारीक पीस में काट लें और इसे बाजरे के आटे में मिक्स कर लें। आटे में घिसा नारियल, गोंद, इलायची पावडर और पिघला गुड़ मिला लें। लड्डू बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। अब हाथों में मिश्रण का थोड़ा भाग ले कर मध्यम आकार के लड्डू बनाना शुरू करें। इसी तरह से 10-12 लड्डू बनाकर प्लेट में रख लें। लड्डुओं को कसकर बांधें, फिर उसे हवा बंद डिब्बे में बंदकर के रख दें। यह लड्डू 2 महीने तक आराम से चलता है।

▸▸ पुनम राठी, नागपुर
9970057423

।।श्री।।

स्थापना वर्ष १९६९ ।। ज्ञानम् विज्ञान सहितम् ।। फोन नं. २५७५११०

श्री. ब्रजलाल बियाणी शिक्षा समिति

सत्र २०१२-१३ से भाषिक (हिंदी) अल्पसंख्यांक दर्जा प्राप्त

बियाणी शैक्षणिक परिसर, शिलांगण रोड, अमरावती - ४४४६०५

ॲड. अशोक राठी अध्यक्ष

राजेंद्रकुमार नावंदर सचिव

संचालित संस्थाएं

ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्याल (वरीष्ठ महाविद्यालय)	(बी.एस्सी., बीसीए, बीबीए., बी.कॉम., एम.कॉम., बठ.व्होक.) एम.एस्सी, केमेस्ट्री, बॉटनी, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित, कॉम्प्युटर सायंस
ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय (कनिष्ठ महाविद्यालय)	(विज्ञान शाखा एवम् वाणिज्य शाखा
नारायणदास लड्ढा हायस्कुल, अमरावती	(सेमी अंग्रेजी)
सावित्रीदेवी बियाणी विद्या मंदिर, अमरावती	(हिंदी बालमंदिर)
भंवरीलाल सामरा इंग्लिश हायस्कुल, अमरावती	(अंग्रेजी माध्यम)
मोहनलाल सामरा मॉन्टेसरी एवम् प्राथमिक शाला, अमरावती	(अंग्रेजी माध्यम)

सदस्यों द्वारा प्रायोजित मेधावी छात्रों को पारितोषिक

सचिव - राजेंद्रकुमार नावंदर अध्यक्ष - ॲड. अशोक राठी सहसचिव - सुनिलकुमार गोयनका उपाध्यक्ष - ओमप्रकाश लड्ढा, विनोदकुमार सामरा कोषाध्यक्ष - देवदत्त शर्मा कार्यकारिणी समिति सदस्य - प्रकल्प राठी, ॲड. राजेश राठी, सुनिल लड्ढा, अशोक अग्रवाल, विजयकुमार करवा, संजयकुमार ककरानिया, दीपक कासट, आदित्यराज गगलानी, ओमप्रकाश नवंदर, प्रशांत अग्रवाल, प्रशांत राठी

।। द्वितीय पुण्य स्मरण ।।

ब्रीजमोहन श्यामसुन्दर मालपाणी

8/10/2017

लक्ष्मीनारायण श्यामसुन्दर मालपाणी
9325621051

यशोदा एग्रो इंडस्ट्रीज

हॉटल किंग तुवर दाल
एवं त्रिमूर्ति तुवर दाल के निर्माता

ब्रीजमोहन श्यासुन्दर मालपाणी

किन्ही रोड बायपास कारंजा लाड, जिला वाशीम
मो. 9423128333, 7775028333

आपणी बोली

- *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

चुनाव री माया

खम्मा घणी सा हुक्म चुनाव नजदीक आ ग्या है , जनता कांई फैसलों करेला या तो ध्यान नहीं पर टीवी चैनलों ने तो फैसलों करणों शुरू कर दियो है। कुण बणेला मुख्यमंत्री? कुण बणेला विधायक? इण टाइप रा कार्यक्रम लगातार चैनलों पर आ रिया है।

चपर-चपर, कचर-कचर, नॉन-स्टॉप बक-बक टीवी न्यूज चैनलों ने देख म्हने शोले फ़िल्म बसन्ती री याद आ जावे... एकाध चैनल जठे बसन्तीपन नजर नहीं आवे 'डिस्कवरी चैनल' जठे शेर-भालू शांत नजर आवे पर आपा नेता या एंकरा सूं या उम्मीद नहीं कर सका। राज्यों रे आगामी चुनाव रे चलते अबार लगभग हर चैनल बसन्तीपने सूं भचाभच है। हुक्म टीवी चैनलों पर चुनावी कचर-कचर कोई सुणे या नहीं या चिंता करण वाला कोई विद्वान या सवेंदनशील व्यक्ति ही हूँ सके नेता नहीं।

हुक्म अगर आपा बसन्ती टाइप एक्सपर्टरें ने पूछा 'भाई कुछ समय पेहला तो जिण नेता री बुराई करता नही थाक रिया था अब तारिफ करता नहीं थाकों कांई खास वजह? हुक्म जवाब मिळे' म्हाने तो याद कोनी पेली कांई कयो थो। सही बताऊं हुक्म सारा नेता चुनाव रे समय अरबो-खरबो रुपया सूं चैनल खरीद लेवे जो वो चैनल तोते वाळी रटी -रटाई भाषा बोले जो वाणे रटाई जावे।

हुक्म समझण वाळी बात तो या है लोकतंत्र शासन में जीत-हार तो जनता तय करें टीवी चैनल नही। जनता ने दिमाग सूं काम लेवणों की वोट किने देवणो है। टीवी चैनल रो काम तो चुनाव तक ही है उन्हें बाद में सारा एंकर, एक्सपर्ट सब जीत रे साथे खड़ा हूँ जाई और आपा वाणी बात सुणने कोई गलत फैसलों ले लियों तो विनों भुगतान आपाणे ही हुवेला सा ...

विचार करिजो सा ...

मुलाहिज़ा फरमाइये

सोच सदा अच्छी होनी चाहिए
क्योंकि नज़र का इलाज तो संभव है
लेकिन नज़रिये का नहीं...

करने दो जो आपके बारे में फालतू बाते किया करते हैं...
क्योंकि अक्सर खाली बर्तन ही ज्यादा आवाज़ किया करते हैं

जी लो खुल कर हर लम्हा खोने से पहले...
लौट कर यादें आती है वक्त नहीं

सच्चे लोग कभी प्रशंसा के मोहताज़ नहीं होते...
क्योंकि असली फूलों को कभी इत्र की जरूरत नहीं होती..

अभी कांच हूं इसीलिए दुनिया को चुभता हूं...
जब आईना बन जाऊंगा पूरी दुनिया देखेगी

यूं तो कोई शिकायत नही मुझे मेरे आज से...
मगर कभी कभी बिता हुआ कल बहुत याद आता है

जब आप से अपने खफा होने लग जाये....
तो समझ लेना कि आप सही रास्ते पर है

कहाँ मिलता है कोई समझने वाला...
जो भी मिलता है, समझा के चला जाता है.

मंज़िल दूर ओर सफ़र बहुत है...
छोटी सी ज़िन्दगी की फिक्र बहुत है...
मार डालती ये दुनिया कब की हमे...
लेकिन माँ के प्यार में असर बहुत है..

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी, मेरठ*

माहेश्वरी भाई और बहनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

ॲड्. संगीता एस. राठी (सुदा)

एम.ए.एल.एल.एम.
वकील - नोटरी (महाराष्ट्र शासन)

कार्यालय - पोलीस स्टेशन समोरा, सेलू जिला वर्धा
निवास - अष्टभुजा चौक, विठ्ठल मंदिर रोड, वर्धा
मो. - 9665060684, फोन - 07152-245005

Rajesh Sudha
BE

J.K. Travels

Tours & Travels

Ashatnhia Square, Vitthal Mandir Road, Wardha - 44201 (MS)
Mo. : 9822220042, 9665060683

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद्)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस माह आपके लिए स्थनांतर प्रमोशन होगा एवं रुका हुआ पैसा मिलेगा। घर में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। संतान की तरफ से आ रही परेशानी कानिराकरण होगा। आय में वृद्धि होगी। नये वाहन, मकान खरीदेंगे। आत्म-विश्वास एवं मनोबल के सहारे लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। संतान के विवाह संबंधी चिंता बनी रहेगी। जीवन साथी से स्नेह बढ़ेगा। विपरीत योनी की ओर झुकाव एवं स्वास्थय बेहतर होगा। किसी को पैसा उधार न देवें।

वृषभ

इस माह शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अविवाहितों के विवाह संबंध होंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। परिवार में हर्ष उल्लास का वातावरण रहेगा। स्थानांतरण के योग, नौकरी में सफलता तथा परिवार के साथ घूमने-फिरने के योग प्रबल रहेंगे। किसी भी कागज पर सोच-समझकर हस्ताक्षर करें। कॅरियर में उच्च सफलता मिलेगी। वाहन सावधानी से चलावे। रुका हुआ धन मिलेगा। बागवानी में रुचि अधिक रहेगी।

मिथुन

यह माह आपके सोचे कार्यों में सफलता मिलेगी। साहित्य संगीत में रुचि रहेगी। दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। मित्र एवं रिश्तेदारों से लंबे समय के बाद भेंट होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता मिलेगी, किन्तु संतान से संबंधित कार्यों में चिंता रहेगी। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। विवाह संबंधी प्रकरणों में सफलता प्राप्त होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, विरोधी परास्त होंगे। यश, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। लॉटरी सट्टा संबंधी प्रकरणों में सावधानी रखें।

कर्क

इस माह आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। धार्मिक मामलों से संबंधी कार्यों में सफलता, मिलेगी। विवाह समारोह में भाग लेंगे। हर्ष-उल्लास व मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। रुका पैसा मिलेगा। नये वाहन की प्राप्ति, प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। संतान से संबंधी कार्य पूर्ण होंगे। भाई-परिवारजनों का सहयोग मिलेगा। शुभ समाचार, आर्थिक यात्रा के योग प्रबल बनेंगे। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनेगा।

सिंह

यह माह आपके लिये उन्नति दायक रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यय की अधिकता रहेगी। मानसिक तनाव एवं शरीर कष्ट बना रहेगा। धार्मिक यात्रा के योग चुनौतिपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। वाणी द्वारा कार्यों में सफलता मिलेगी। व्रत उत्सव आदि कार्य सम्पन्न होंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। परिवारजनों से भेंट होगी। नेत्र से संबंधित कष्ट के योग बनेंगे। विपरित योनी की ओर झुकाव बना रहेगा।

कन्या

यह माह आपको स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी एवं कूटनीति के संपर्क का लाभ मिलेगा। पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रबंधन में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि, गूढ़ रहस्यमय ज्ञान में वृद्धि होगी। लॉटरी, सट्टा, तेजी, मंदी में हानि के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष से पुरस्कार प्राप्ति के योग रहेंगे। अचानक खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

तुला

इस माह आप भौतिक सुख-सुविधा, मौज-मस्ती और दिखावे पर खर्च करेंगे। नवीन वाहन सुख के योग, संतान से संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता व विवाह संबंध के योग अपनी प्रतिभा एवं विवेक से लक्ष्य की प्राप्ति होगी। आँखों से कष्ट रहेगा। परिवार से अनबन रहेगी। धर्म कर्म में भाग लेंगे। वाणी पर नियंत्रण नहीं रहेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे।

वृश्चिक

इस माह शिक्षा में सफलता, घर परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग, किसी पर भी विश्वास करना हानिकारक रहेगा। शुभ समाचार के योग भाइयों कासहयोग मिलेगा। शत्रु पर विजय मिलेगी। संतान से संबंधित कार्यों में अड़चने आयेगी। फिर बाद में सफलता भी मिलेगी। वाहन के योग बनेंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

धनु

इस माह आपको भूमि, भवन निर्माण से संबंधी कार्य सफलता मिलेगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। राजनैतिक प्रभाव बढ़ेगा। एक के बाद एक समस्याएँ आ खड़ी हो जायेंगी। शुभसमाचार मिलेगा। विवाह संबंध तय होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। पाचनतंत्र पर नियंत्रण रखना होगा। भोजन पर कंट्रोल करें। व्ययय की अधिकता बनी रहेगी। भौतिक सुख-सुविधा पर अधिक खर्च होंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा।

मकर

यह माह आपके लिये सुखद रहेगा। विवाह संबंध होगा। जीवन साथी के साथ घूमने-फिरने का प्रोग्राम एवं समय व्यतीत करेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। ज्यादा किसी पर विश्वास न करें, हानि होगी। माता-पिता बड़ों के साथ तीर्थ यात्रा का प्रोग्राम बनेगा। राजनीति में रुचि रखेंगे। सम्पत्ति योग श्रेष्ठ है। गरीबों के प्रति दया भावना बनी रहेगी। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके हर कार्य को सराहना मिलेगी।

कुम्भ

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। तकनीकी कार्य में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार विशिष्ट लोगों से मुलाकात होगी। विद्यार्थी वर्ग अपने कॅरियर प ध्यान देवें। काम के प्रति लापरवाह न बने। नौकरी में उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आत्म-विश्वास व मनोबल गजब का रहेगा। एक बार किसी कार्य को हाथ में लेंगे, तो पूरा कर के ही छोड़ेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। अपने सिद्धांत व नीतियों पर अटल बने रहेंगे।

मीन

यह माह आपके लिये शुभकारक सिद्ध होगा। उच्च अधिकारी प्रसन्न होंगे। प्रमोशन के योग प्रबल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। राजकीय कार्यों में लाभ होगा। जीवन साथी के साथ संबंध में सुधार होगा। पुराने मित्र मिलेंगे। विपरित योनी के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। घूमने-फिरने व मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। राजनीति में वर्चस्व बढ़ेगा एवं विजय मिलेगी।उदारता व दया की भावना विद्यमान रहेगी खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

स्थापित : 1969 ॥ जय महेश ॥ पंजीबद्ध संस्था

-: हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन

प्रधान कार्यालय :- **महेश मार्ग, पुष्कर - 305022 (राजस्थान)**

फोन : 0145-2772038, 2773128, 2773451, मो. 9828247741

Email : abmsevasadan@gmail.com Website : www.maheshwarisevasadan.com / www.abmssp.com

सेवा सदन के विविध भवनों में शुद्ध सात्विक भोजन तथा वातानुकूलित, डीलक्स एवं कूलर-पंखा सहित कमरों, डोरमैट्री एवं सभागार की सुविधाएं उपलब्ध है।

महेश मार्ग, रमणरेती रोड,
वृन्दावन-281124 (उत्तरप्रदेश)
फोन : 0565-2540421, मो. 09412280732

दूधाधारी मंदिर के सामने, ऋषिकेश रोड,
हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
फोन : 01334-261636, 261141 मो. 09897125873

बस स्टेण्ड के पास,
बद्रीनाथ-246422 (उत्तराखण्ड)
फोन : 01334-261636, 261141 मो. 09897125873

नाथूवास रोड, नाथद्वारा-313301
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02953-232301, 231379

केलवाड़ा रोड़, चारभुजा-गढ़बोर-313333
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02954-248200

पोकरण रोड़, रामदेवरा-345023
जिला-जैसलमेर (राजस्थान)
फोन : 02996-235080

परिक्रमा मार्ग, मुखारविन्द के पास, जतीपुरा-281502
वाया-गोवर्धन,जिला-मथुरा (उ.प्र.)
मो. 09760596727

प्लॉट नं. 7-8, रामसुख नगर, क्यूरियो क्राफ्ट रोड़ नं. 11
के पास, एम्स रोड़, बासनी, जोधपुर (राज.)
फोन : 0291-2744688, 2744588

मुख्यालय-पुष्कर, शाखा-वृन्दावन, हरिद्वार, नाथद्वारा,चारभुजा-गढ़बोर, जोधपुर, रामदेवरा, बद्रीनाथ में ऑनलाईन अग्रिम कमरा आरक्षण हेतु वेब-साईट का उपयोग कर लाभ उठावें।

-: विशेष जानकारी एवं निवेदन :-

जगन्नाथपुरी एवं नाशिक में भवन निर्माण शीघ्र प्रारम्भ करवाया जा रहा है। नाथद्वारा में नवीन भवन का निर्माण-कार्य सुव्यवस्थित चल रहा है। अतः दानदाता सहयोगी बनकर पुण्य प्राप्त करें। आपके द्वारा दी गई दानराशि पर 80-जी के अन्तर्गत छूट प्राप्त होगी।

प्रतिस्पर्धा में गुम होती ममता

वर्तमान दौर में हर तरफ एक ही स्वर है या कहें उत्पन्न किया जा रहा है कि अब नारी किसी मामले में पुरुष से कम नहीं। वास्तव में देखा जाऐ तो नारी कभी पुरुष से पीछे रही ही नहीं। बस अंतर रहा तो कुछ मूलभूत नैसर्गिक कर्त्तव्यों का जो नारी कर सकती है, वह पुरुष नहीं। फिर भी नारी पुरुष बनने की दौड़ में दौड़ती जा रही है।

▸▸ टीम SMT

नारी का सम्मान मातृ रूप में ही होता है, चाहे वह देवी हो या आम नारी। इसका कारण यही है कि वही एक पशु की तरह जन्म लेने वाले बच्चे को अपनी ममता की छाँव देकर उसमें मानवीय संवदेनाओं के बीज बोती हैं। इस अपनी सर्वश्रेष्ठता के बावजूद भी नारी आज भौतिकता की चकाचौंध में अपनी मूल पहचान को खोती जा रही है। प्रकृति ने बच्चे के लिए माँ से बढ़कर और कोई चीज नहीं बनाई। जो भावानात्मकता सुरक्षा माँ दे सकती है, वह कोई और नहीं दे सकता। आज के जमाने का पुरुष जिसकी एक बेटी है, वह जब ऑफिस जाता है तो बेटी रोती है। वापस जब घर आता है तो पास दौड़ी चली आती है। उसके साथ खेलती है, पार्क में घूमने जाती है। उसे लगता है कि वह एक अच्छा पिता है, परंतु जब वह और पत्नी साथ होते है तो वह अपनी माँ की गोद में ही बैठती है। उसका सारा प्यार-दुलार व्यर्थ हो जाता है। तब पता चलता है कि एक बच्चे के लिए माँ क्या होती है? इस अपनी सर्वश्रेष्ठता के बावजूद भी नारी आज भौतिकता की चकाचौंध में अपनी मूल पहचान खोती जा रही है। पिता चाहे कितना ही प्यार करे, माँ की जगह नहीं ले सकता। माँ अगर अपने बच्चों को मारती है तो अगले ही पल प्यार भी करती है। बच्चे के कोमल हृदय पर केवल माँ का प्यार अंकित होता है। उसकी प्रताड़ना तो पानी पर लिखे शब्द के समान कोई प्रभाव नहीं छोड़ती। पिता घर पर ही रहें, चाहे घर छोड़कर कार्य करने बाहर जाऐं बच्चे को कोई फर्क नहीं पड़ता।

प्रकृति ने ही बनाया खास

दो साल की उम्र में उसे अपने नारी होने का अहसास तो नहीं होता, पर वह अभी से सजती है, संवरती है, जो उसकी उम्र में पुत्र ने कभी नहीं किया। उसमें अभी से प्यार है करूणा है, ममता है। अभी वह कन्या है और परिपक्व होने पर स्त्री हो जाएगी। लेकिन मातृ भाव के गुण उसमें अभी से ही प्रज्जवलित हो जाते हैं। यह सब आपने अपनी बेटी के साथ भी महसूस किया होगा। ईश्वर या प्रकृति ने स्त्री को कुछ विशेषताएँ दी हैं, जो पुरुष के पास नहीं। स्त्री जन्म दे सकती है। वह प्राकृतिक रूप से उसका अधिकार है। स्त्री और पुरुष का सृजन अलग-अलग कार्यों के लिए हुआ है और वे एक-दूसरे के मित्र हैं। दोनों की शारीरिक संरचना भी भिन्न-भिन्न है। दोनों अलग-अलग कार्यों के लिए बने हैं।

'ममता' शब्द सिर्फ माँ से जुड़ा

कुछ प्रगतिवादी महिलाऐं कहती हैं कि औरत पैदा नहीं होती बनाई जाती हैं। यहाँ एक बात नजरअंदाज कर दी जाती है कि स्त्रीत्व एक नैसर्गिक गुण भी है। मोहन कुमार कहते हैं मेरी दो साल की बेटी भी है। मैंने उसे गुड़िया लाकर नहीं दी। तो वो मेरे बेटे के बल्ले को गुड़िया बनाकर खेलने लगी। यह ममता का भाव किसी ने पैदा नहीं किया। समाज ने पैदा नहीं किया, यह उसका नैसर्गिक गुण है।

किराए का प्रेम क्या विकल्प देगा

औरत हवाई-जहाज चला रही है, ट्रक चला रही है, रेल चला रही है, ठीक है। अपनी योग्यताओं और संभावनाओं का उपयोग करने में बुराई क्या है? लेकिन बच्चे पैदा करें तो उनकी परवरिश सिर्फ बेहतर आया या बेबी सिस्टर के जिम्मे न छोड़ें। खुद भी ज्यादा-से-ज्यादा बच्चे को समय देने की कोशिश करें। प्रगति की अंधी दौड़ में माँ की पदवी को न त्यागें, क्योंकि माँ का स्थान ईश्वर ने केवल औरत के लिए आरक्षित रखा है।

बुलडाणा अर्बन को-ऑप.क्रेडीट सोसायटी मर्या., बुलडाणा, र.नं. २६७ (मल्टीस्टेट)

(संस्थेचे कार्यक्षेत्र :- महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ,गुजरात, अंदमान-निकोबार)

मुख्यकार्यालय :: सहकार सेतू, हुतात्मा गोरे पथ , बुलडाणा - ४४३ ००१ (महाराष्ट्र)

भारतातील पहिली ISO - 9001 : 2000 व SA 8000 - 2002 मानांकित

।। संस्थेची आर्थिक स्थिती ।।

* एकुण ठेवी : ६१५५ कोटी
* एकूण कर्ज : ४८३१ कोटी
* एकुण सभासद : ७७८०००
* एकूण शाखा : ४२८
* एकूण गोदाम : ३२५
* सोने तारण कर्ज वाटप : १३३५ कोटी
* कार्यक्षेत्र : महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, गुजरात, अदमान निकोबार, गोवा, आंध्रप्रदेश

।। संस्थेचे प्रकल्प ।।

* पुणे येथे सभासदांच्या पाल्यांसाठी वसतिगृह
* उच्च शिक्षण घेऊ इच्छिनाऱ्या विद्यार्थ्यांसाठी विशेष कर्ज योजना
* तिरुपती (आंध्रप्रदेश), शिर्डी,माहुर (महाराष्ट्र) भक्तनिवास
* बुलडाणा येथे १२५ मुलींकरीता छात्रानिकेतन सुविधा
* ३२५ वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
* बुलडाणा व मोर्शी गोरक्षण धाम
* बुलडाणा येथे वेदविद्यालय व जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम
* ओंकारेश्वर (म.प्र.) येथे धर्मशाळा

फोन नं. (०७२६२)२४२७०५, २४३७०५

www.buldanaurban.in ला भेट द्या Email : buldanaurban@rediffmail.com

वैद्यकीय शिक्षण घेणारे विद्यार्थी तसेच वैद्यकीय व्यावसायिकांसाठी कर्ज पुरवठ्याची सुविधा

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित, विदर्भातील पहील निवासी शाळा

सहकार विद्या मंदिर व कनिष्ठ विज्ञान महाविद्यालय,

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा

वर्ग १ ली ते १२ (विज्ञान शाखा)

ISO 9001 - 2000 Registered

वैशिष्टे

- बुलडाणा शहरापासुन ५ कि.मी.अंतरावर प्रदुषण विरहीत वातावरणात ३० एकराच्या विशालकाय परिसरामधील अनोखी शाळा
- अत्याधुनिक उपकरणांनी सुसज्ञ विशाल पुस्तकालय,पाठशाळा,विशाल भोजन कक्ष,इंडोअर व आऊटडोअर स्टेडीयम व सुविधायुक्त सहकार विद्या मंदिर
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा
- शैक्षणिक भ्रमण , आश्वारोहण, गिर्यारोहण, नेमबाजी,स्विमिंग, स्केटींग, कराटे, संगीत,तलवार बाजी आणि खुप काही...
- भारतीय संस्कृतीवर आधारित एक परिपूर्ण शिक्षण, जिथे आपला पाल्य शिक्षण व नैतीक मुल्यांनी आपल्या सर्वांगीण विकासामुळे एक आदर्श नागरीक बनु शकेल
- विद्यार्थी निवास :- विद्यार्थी व विद्यार्थीनींसाठी स्वतंत्र व्यवस्था

फोन नं. (०७२६२)२४२७०५, २४३७०५

www. sahakarvidyamandir.in

।। विनीत ।।

सौ. कोमल झंवर

अध्यक्षा,बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चांडक

संस्थापक अध्यक्ष,बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ.सुकेश झंवर

चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकाराची समृध्द परंपरा **बुलडाणा अर्बन**

छोटी टिप्स जो जीवन में दे बड़ी लिफ्ट

▸▸ पूजा, नीचे जमीन पर ऊनी आसन रख कर ही करनी चाहिये। पूजागृह में सुबह एवं शाम को दो दीपक एक घी का और एक तेल का प्रज्ज्वलित करें। पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर 3 परिक्रमा करें।

▸▸ पूजा घर में मूर्तियाँ 1, 3, 5, 7, 9, 11 इंच तक ही होनी चाहिये, इससे बड़ी नहीं, तथा खड़े हुए गणेशजी, लक्ष्मीजी, सरस्वतीजी की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिये।

▸▸ पूजा स्थान के पास में एक कलश जल का भरकर इसके ऊपर नारियल रखें तथा जल रोज सुबह बदल दें।

▸▸ हमेशा पूर्व या दक्षिण में सिर रखकर सोना चाहिये, पत्नी को पति के बांये हाथ की तरफ सोना चाहिये।

▸▸ सोते समय पहले दस मिनट बांये हाथ की तरफ करवट लेटे तथा बाद में सुबह तक दाहिनी करवट सोएं। पलंग कमरे के कोने में नहीं हो। शयन कक्ष के ऊपर की छत सपाट हो। पलंग कमरे में इस तरह लगाएं कि सिर की तरफ सपाट दीवार हो, आड़ी-टेड़ी या खांचे बीम न हो।

▸▸ बैठना, देखना, नहाना, खाना खाना, टेलीफोन, पढ़ाई आदि में हमेशा मुंह पूर्व या उत्तर की तरफ रखें।

भारतीय संस्कृति वास्तव में जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति है, कोई जादू नहीं। इसमें आप अपनी अपनी दिनचर्या व आवास आदि की ऊर्जा को संरक्षित कर अपनी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होते हैं। आइये जानें कुछ ऐसी छोटी-छोटी लेकिन अति महत्वपूर्ण टिप्स जो जीवन को अद्भूत सफलता प्रदान कर सकती है।

▸▸ टीम SMT

▸▸ शौच करते समय मुंह पश्चिम या उत्तर दिशा में ही हो।

▸▸ मुख्य तिजोरी पूर्वाभिमुख करके रखें। उसके अंदर दो डिब्बे रखें, एक में फिक्स रकम रखकर बंद कर देवें तथा दूसरे को खुला रखें जिसमें नियमित खर्चे के लिये रकम डालते रहें, निकालते रहें।

▸▸ मुख्य द्वार पर व ऊपर की दीवार पर घी और सिंदूर मिलाकर स्वच्छ एवं साफ स्वस्तिक बनावें।

▸▸ रसोईगृह में गैस भी दीवार के बीच में रखें कोनों में नहीं रखें। यदि रसोईगृह में खिड़की हो तो उसके सामने गैस रखें। इस बात का खास ध्यान रहें कि गैस (चूल्हे) के ऊपर कोई भी कैबिनेट तथा टांड नहीं हो।

▸▸ सुबह पलंग से उठते समय और घर से बाहर निकालते समय, पहला पैर दाहिना ही लें।

▸▸ ऑफिस या घर से बाहर जाते वक्त या तो पूजा-घर से या अपने शयनकक्ष से सीधे बाहर निकलें, निकलते समय यदि कोई फोन आये तो बात नहीं करें तथा निकलते समय घर का कोई भी सदस्य आपको किसी भी कार्य के लिये टोके नहीं, इसका भी खास ध्यान रखें। घर से निकलते समय कार, स्कूटर उलटे नहीं निकलें, रात को ही उलटा खड़ा करें, ताकि सुबह सीधा निकाला जा सके।

कैसे नववधू बनें सबकी चहेती

▸▸ टीम SMT

> कहते हैं कि नारी सामाजिक-पारिवारिक व्यवस्था की धुरी है। वह दो परिवारों मायके व ससुराल दोनों की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है। आइये इन आदर्शों की कसौटी पर कैसे सफल हो नववधू इसके टिप्स जानें। यदि इनका अनुसरण नववधू करे तो उसे ससुराल में सबकी चहेती बनने में समय ही नहीं लगेगा।

अपनी क्षमताओं को बनाएं साथी

नई नवेली दुल्हन के एक परिवार को छोड़कर नई देहरी पर अकेले कदम रखते है। अतः परिवार वालों का सारा ध्यान नवआगन्तुक पर टिक जाता है। हर एक के मन में कई आशाएं, आकांक्षाएं तमन्नाएं भरी होती हैं। इन तमाम उलझनों से निपटने के लिए नववधू अपने कुछ अदृश्य संगी-साथियों को साथ लेकर जाए और ये अदृश्य मित्र हैं-आपका विवेक, बुद्धि की तत्परता, माता-पिता, परिवारजनों का अनुभव और सबसे ज्यादा स्वयं के आत्म-विश्वास के साथ मैत्रीय दृष्टिकोण।

सोच सकारात्मक रखें

सर्वप्रथम तो सकारात्मक सोच के साथ व्यवहार को आगे बढ़ाइये। सुनी-सुनाई बातें एवं पारम्परिक मान्यताएं समय के साथ परिवर्तित होती हैं, इस बात को याद रखें। परिवार या व्यापार में या जहाँ कहीं जरूरत हो अनुकूल वातावरण बनाएं रखें।

किसी की तुलना न करें

रंग-रूप, काम को लेकर जो तुलना की जाती है उससे हीन-भावना न खुद में आने दीजिए, न दूसरों को इससे प्रताड़ित करें। सबकी व्यक्तिगत क्षमता, रुचि होती है, जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्वस्थ तुलनात्मक भाव रखिए। ईर्ष्या-द्वेष न रखें बल्कि अपनी काबिलियत, अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करें।

सभी की सोच को दें सम्मान

स्वयं से लेकर हर एक प्राणी जैसा है, वैसा ही स्वीकारना जहां जीवन को सरल एवं सौहार्द्रपूर्ण बनाता है, वहीं आंतरिक एवं बाहरी व्यवहार में सामंजस्य बनाने में भी मदद करता है। जरा सोचिए आप ही की बात सब क्यों मानें? वैसे होता यही है घर के मुखिया से लेकर बच्चा तक या कार्यस्थल में आफिसर से लेकर चपरासी तक अपनी बात अपने विचारों को ही उचित मानते है, तो क्यों न बीच का रास्ता अपनाएं। कभी आप सुनें, कभी आप सुनायें।

पहले से रहें तैयार

कई बार ससुराल एवं मायके वालों के सामाजिक, आर्थिक, मानसिक एवं बौद्धिक स्तर में बहुत अंतर होता है। जब प्रेम विवाह होता है उस समय यह सब बातें गौण होतीं है, पर समय के साथ सब सामने आने लगती हैं अतः समझदारी से शारीरिक व मानसिक श्रम के साथ इस स्तर में एकरूपता स्थापित करने का प्रयास करें।

सदैव प्रसन्नचित्त रहें

एक अचुक नूस्खा है -यदि सबको प्रसन्न रखना है तो सर्वप्रथम स्वयं प्रसन्नचित रहिए। हँसता मुस्कराता चेहरा सौ भूलों को क्षमा करने पर विवश कर देता है। न सिर्फ घर पर, बल्कि अपने कार्यस्थल पर भी दिन की शुरुआत मुस्कुराकर कीजिए। शाम को जब आप दिन का अवलोकन करेंगे, तो परिणाम सुखद ही पायेंगे।

अपने आप पर ध्यान दें

नया व्यक्ति घर में सबका केन्द्र बिन्दु होता है। परिवार का हर एक सदस्य उसे ही ध्यान में रखकर काम को अंजाम देता है, इस बात को समझ कर चुस्त-दुरूस्त रहिए। बनिए-संवरिए, ताकि आप पर पढ़ने वाली हरेक नजर में प्रशंसा हो, जो आपको आत्मविश्वास से संजोए रखेगी।

अपनी कार्यक्षमता को न भूलें

दुल्हन या नवआगंतुक का काम सिर्फ सबका दिल जितना या उनमें प्रिय बनना ही नहीं है, बल्कि अपनी कार्यक्षमता, सृजनशीलता से भी उन्हें अवगत कराना है। आपके पिछले जीवन की उपलब्धियों को व्यर्थ न जाने दें। यह सब बातें आपके व्यक्तित्व में चार चाँद लगा देती हैं।

बचपन से मिली सीख न भूलें

देखने में आता है कि कई बार मनोनुकूल वातावरण बच्चों को नहीं मिलता बहुत अधिक दोषारोपण एवं बात-बात में मीन-मेख निकालना, व्यक्ति को अपने आत्मविश्वास से विचलित कर देता है। ऐसे समय में कुछ अच्छे संस्मरण, प्रोत्साहन मां-बाप की सीख आदि डगमगाते कदम व निराशा की सोच से बाहर निकालने में सम्बल का काम करते हैं।

आत्मविश्वास को डगमगाने न दें

स्वयं पर विश्वास ही एकमात्र उपाय है, जो हर मुश्किल का हल हंसते-हंसते निकाल लेने में रामबाण नुस्खा है। सफलता भी उन्हीं के कदम चूमती है, जिन्हें अपने ऊपर विश्वास होता है। इसलिए अपने आत्मविश्वास व अपने विवेक की पूंजी को साथ ले कर चलें। ससुराल क्या, हर क्षेत्र में सब आपको अपने प्रतीत होंगे और ससुराल तो निश्चित रूप से स्वयं के घर में परिवर्तित हो ही जाएगा।

माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पत्रकार व ख्यात नवभारत पत्र समूह के प्रधान संपादक नागपुर निवासी प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी नहीं रहे। श्री माहेश्वरी एक ऐसे पत्रकार थे, जिन्होंने विरासत में मिली पत्रकारिता की धार को और अधिक पैनी कर देश की राजनीति को भी दिशा दिखाई थी।

नहीं रहे नवभारत के प्रधान संपादक प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी

नवभारत पत्र समूह के प्रधान संपादक, पूर्व सांसद, माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी का गत 16 नवंबर को हृदयाघात से निधन हो गया। वे अपनी पीछे धर्मपत्नी श्रीमती बृज माहेश्वरी, पुत्र संदीप माहेश्वरी, संजीव माहेश्वरी, सुमित माहेश्वरी व भरा-पूरा परिवार छोड़ गये है। भदभदा विश्राम घाट पर उनके बड़े सुपुत्र संदीप ने उन्हें मुखाग्नि दी। प्रफुल्ल जी की अंतिम यात्रा में राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े अनेक वरिष्ठजनों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा में भोपाल सांसद आलोक संजर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे पी धनोपिया, अशोक जैन भाभा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश शर्मा गुड्डू भैया, शैलेंद्र प्रधान आदि अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। श्री माहेश्वरी के निधन पर प्रदेश भर से नेताओं एवं प्रबुद्धजनों द्वारा शोक व्यक्त किया गया।

विरासत में मिली पत्रकारिता व राजनीति

31 अगस्त 1942 को उनका जन्म पत्रकारिता व स्वाधीनता संग्राम सेनानी के परिवार में हुआ। उन्हें पत्रकारिता और नैतिक मूल्यों का जीवन पैतृक विरासत व धरोहर के रूप में प्राप्त हुआ। वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। प्रफुल्ल माहेश्वरी निर्भीक पत्रकार, समर्पित समाज सेवक और सरल-सहज इंसान रहे। अत्यंत मधुर व विनम्र स्वभाव के श्री माहेश्वरी का पूरा जीवन नैतिक मूल्यों और सभी क्षेत्रों- पत्रकारिता, राजनीति, उद्योग वाणिज्य, चिकित्सा, सांस्कृतिक, सामाजिक आदि में पूरी सक्रियता का रहा। श्री माहेश्वरी कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य थे और संसद की कई बैठकों व समितियों में काफी सक्रिय भूमिका निभाते थे। वे कई प्रधानमंत्रियों के विदेश दौरों में वरिष्ठ पत्रकार के रूप में उनकी टीम में शामिल रहे। चीन और यूरोपीय देशों की यात्राओं के दौरान प्रकाशित उनके अभिमत और समाचार रिपोर्ट को खासी सराहना मिली। उन्होंने इंग्लैंड, जर्मनी, अमेरिका, मैक्सिको, चीन, जापान, फ्रांस, स्विटजरलैंड सहित अनेक यूरोपीय देशों का भ्रमण किया।

सेवा की अविस्मरणीय श्रृंखला

वे समाचार जगत की न्यूज एजेंसी यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया (यूएनआई) के चेयरमेन, ऐमीरीट्स एवं मध्यप्रदेश दैनिक समाचार पत्र संघ के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। दैनिक समाचार पत्र संघ में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया को उनका योगदान उल्लेखनीय है। उद्योग व्यापार के क्षेत्र में वे फेडरेशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संयुक्त अध्यक्ष रहे। संयुक्त अध्यक्ष की हैसियत से प्रदेश में व्यवसाय और उद्योग की विभिन्न समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने और निराकरण में हमेशा उनकी अग्रणी भूमिका रही। उपसभापति के रूप में एमपी रेडक्रास सोसायटी के विकास में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। वर्ष 1998-99 में वे रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के गवर्नर रहे। सांस्कृतिक एवं साहित्य संस्था भारतीय विद्या भवन की मध्यप्रदेश शाखा के अध्यक्ष रहे। चिकित्सा के क्षेत्र में वे रॉयल कामनवेल्थ सोसायटी द्वारा स्थापित आई हॉस्पिटल ट्रस्ट के सभापति रहे। रॉयल ओवरसीज लीग लंदन की भोपाल शाखा के मानद संपर्क सचिव रहे। शिक्षा के क्षेत्र में अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा तथा इंडियन मर्चेंट चेंबर मुंबई की कार्यकारिणी के सदस्य थे। पटना स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बोर्ड ऑफ गवर्नर में वे भी एक गवर्नर थे। अपने छात्र जीवन में शौकिया पायलट रहे श्री माहेश्वरी नागपुर फ्लाइंग क्लब के सदस्य रहे। खेलों में बैडमिंटन, टेनिस व बिलियर्ड में उनकी विशेष रुचि थी।

Manish Maheshwari
93745-19887

Ashish Maheshwari
95108-80048

Hare Krishna Textiles

MFG. OF : FANCY DRESS MATERIALS

C-2160-61, Radha Krishna Textile Market, Ring Road, Surat-395 002 Ph. : 0261-2339077

श्री गिरधरलाल सांवल

चेन्नई. ख्यात समाजसेवी श्री गिरधर सांवल सुपुत्र श्री शिवनारायण सांवल का असामयिक स्वर्गवास गत दिनों 53 वर्षकी उम्र में हो गया। श्री सांवल माहेश्वरी युवा मंडल, माहेश्वरी फूड बैंक ट्रस्ट, कन्हैयालाल अग्रवाल बाल निकेतन सहित युवा मंच के बल्ड ब्यूरो आदि कई संस्थाओं से सक्रिय रूप से सम्बद्ध थे।

श्रीमती संतोषदेवी

भीलवाड़ा. हुकमीचंद काबरा की भाभीजी एवं रामकिशोर, डॉ. बद्रीविशाल, रामप्रकाश (अशोक) काबरा, द्वारकेश बालों की माताजी श्रीमती संतोषदेवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री रामपाल काबरा का देवलोकगमन गत 4 नवंबर को हो गया। श्रीमती काबरा धार्मिक, मिलनसार, व्यावहारिक महिला थीं।

श्रीमती कलावतीबाई कलंत्री

अमरावती. मे. मुरली इलेक्ट्रॉनिक्स व मुरली टायर्स के संचालक नंदकिशोर कलंत्री की भाभी एवं हरिकिशन किशन वसंत की माता श्रीमती कलावतीबाई राधाकिशन कलंत्री का 75 वर्ष की अवस्था में गत दिनों निधन हो गया। आप अपने पीछे 3 पुत्र, एक पुत्री सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती शांताबाई सोमाणी

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज, दिलसुखनगर के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण सोमाणी की धर्मपत्नी श्रीमती शांताबाई सोमाणी का स्वर्गवास हो गया है। उनकी उम्र 80वर्ष थी। ये समाज में मिलनसार महिला थीं। आप पति व दो पुत्र श्यामसुंदर व गोपाल सहित पौत्र-प्रपौत्र आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री मोहनलाल मालीवाल

भीलवाड़ा. समाज सदस्य मुकेशकुमार व प्रहलाद राय मालीवाल के पिता श्री मोहनलाल मालीवाल का स्वर्गवास गत 12 नवंबर को गया है। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती गीतादेवी बंग

जोधपुर. वरिष्ठ समाज सदस्य बालकृष्ण (पालड़ी रणावत वाले) की धर्मपत्नी श्रीमती गीतादेवी बंग का गत 10 नवंबर को स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे पति, पुत्र रामप्रकाश व सुरेंद्र, पुत्री रामेश्वरी, मंजुला, निर्मला, इंदुबाला, रंजना, पौत्र-पौत्री, नाती-नातिन आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

श्री रामपाल मालीवाल

भीलवाड़ा. गुलाबपुरा निवासी मुकेश कुमार, अशोक कुमार, सतीश कुमार के पिताजी श्री रामपाल मालीवाल का 68 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास गत 11 नवंबर को हो गया। श्री मालीवाल अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जो शासन करते है उनको जनता की प्रतिक्रिया देखनी चाहिए की शासक कैसा कार्य कर रहे है क्योंकि जनता ही मुखिया है। अब समय और जरूरत पार्टी भक्ति की नही सामाजिक विकास को सकारत्मक दिशा देने की है! बाकी अंतिम निर्णय आपका है समाज को अंत देना है या आरंभ देना है!

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं,
स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

बुकिंग के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क - 90, विद्या नगर, टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161

Event hosted by

MaheshFoundation

A unique opportunity for Maheshwari Entrepreneurs

in association with

MIG, Pune

LOHIYA GROUP

GOLD DROP

Platinum Sponsor

RR KĀBEL

Presents

an initiative by MIG, Pune

G.L. MANDHANI CHARITABLE TRUST

Gold Sponsor

Saturday
22nd DEC 2018
8:01 am Onwards

BiZCON HYDERABAD

Connect → Create → Collaborate

Marriott Hotel & Convention Centre HYDERABAD

Kamal Watch Co.

Silver Sponsor

VENTURES MENTORS

NMDC

V&M Sponsor

Kit Sponsor

Business Conclave of Maheshwari Business Leaders & Professionals to network, Raise Awareness, Educate and Grow the Business.

A.P. MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

Digital Media Sponsor

What awaits you @ BiZcon 2018

- Prominent Speakers & Experts
- Networking of 600+ dignitaries
- Focus Group Discussion
- Business Collaboration and Promotion
- New Business Ideas & Trends
- Platform for Startup Ideas
- Professional Networking
- Angel & Venture Capital Funding

Dignitaries / Prominent Speakers

Guest of Honour

Sri S.S. Mundra
EX- Deputy Governor
Reserve Bank of India

Sri Shreegopal Kabra
M.D and Group Chairman
RR Global

Dr. Bithal Das Mundhra
Chairman Emeritus
Simplex Infrastructures Ltd

Sri Ramesh Damani
Chairman, Avenue Supermarkets Ltd
(D-Mart)

Sri Damodar Mall
CEO, Reliance Retail Ltd.

Sri Aakash Moondhra
Global CFO of Naspers Fintech & PayU, Netherlands

Sri Kartikeya Baldwa
CEO
Ixoreal Biomed Pvt. Ltd.

CS Dr. (h.c.) Mamta Binani
Ex-President : Institute of Company Secretaries of India (ICSI)

Sri Sanjeev Taparia
M.D., Famy Care Ltd

Hari Narayan Rathi
Chairman, BIZCON - Hyderabad
President, Mahesh Foundation
Mob. : 93910 04551

Suresh Kumar Lakhotia
Founder Chairman, BIZCON.
Past President, MIG
Mob. : 98230 90411

Umesh Kumar Rathi
Coordinator, BIZCON - Hyderabad
Secretary, Mahesh Foundation
Mob.: 9440717051

To register for event visit
www.bizconindia.org
contact: 9985077285, 9985077821

RECOMMENDED ACCOMODATION FOR DELEGATES

The Platinum Hotel	Royal Reve Hotel	Hotel Quality Inn Residency	Marriot Hotel
Himayatnagar, Hyderabad	S D Road, Secunderabad	Nampally, Hyderabad.	Tand Bund Rd, Hyderabad
Rs. 2000/- for Double Occupancy	Rs. 2500/- for Double Occupancy	Rs.3000/- for Double Occupancy	Rs. 6000/- for Double Occupancy
Phone: 099595 33446	Phone: 040-66677888	Phone: 099497 31111	Phone: 040-27522999

Delegates can book directly or take assistance from our co-ordinator and pay directly to hotel.
Co-ordinators for Accomodation: Sanjay Lahoti - 98490 01740, Vinod Kabra - 98480 16015

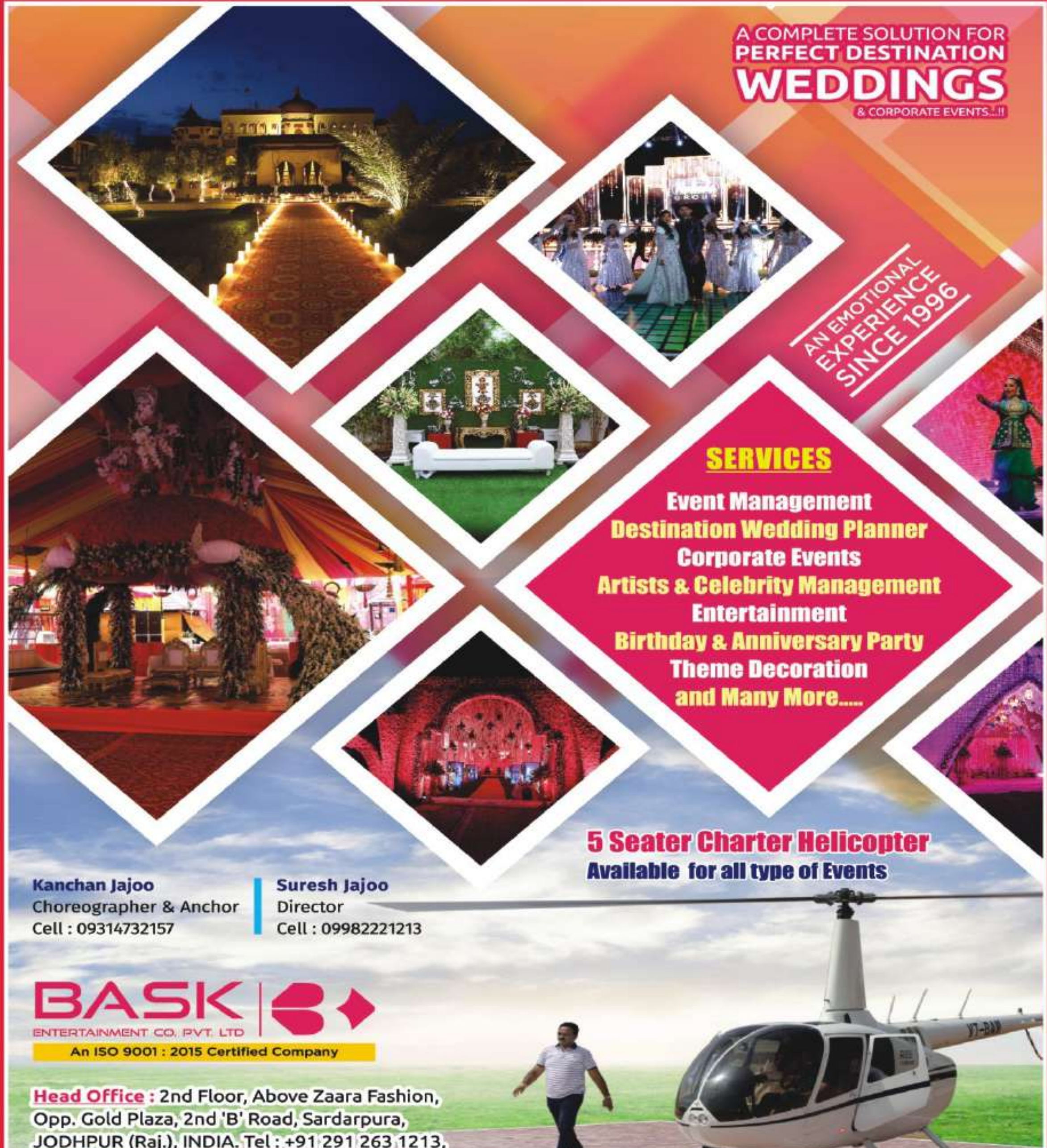

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 December 2018

If Undelivered Please Return To

SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine

http://srimaheshwaritimes.blogspot.in